

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 9, 1974/कार्तिक 18, 1896

No. 45]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 9, 1974/KARTIKA 18, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

### PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India

(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities

(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1974

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 4th September, 1974

का०प्रा० 2894—यत् निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 140-बोरियो निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लखीराम मुर्मू, ग्राम बिसनपुर, पो० बोरियो, संघाम परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखान करने में असफल रहे हैं।

और, यत् उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तुत नहीं किया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लखीराम मुर्मू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० सं०/140/72(97)]

S.O. 2894.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lakhi Ram Murmu, Village Bishanpur, P.O. Borio, Santhal Parganas who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 140-Borio constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lakhi Ram Murmu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/140/72 (97)]

का०प्रा० 2895.—यत् निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 140-बोरियो निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बरमे

देवर हेमरम, ग्राम महुभासोल, पो० बाराबांध, जिला संयाल परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री वरमे देवर हेमरम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० सं०/140/72(98)]

**S.O. 2895.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Warne Dever Hembrom, Village Mahuasole, P.O. Barabandh, District Santhal Parganas (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 140-Borio constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Warne Dever Hembrom to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/140/72(98)]

**क्र० प्र० 2896.**—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 140-बोरियो निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भोलासिंह, ग्राम भतर्भंगा, पो० ताहसारी, संयाल परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री भोलासिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० सं०/140/72(99)]

**S.O. 2896.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhola Singh, Village Bhatbhanga, P.O. Taljhari, Santhal Parganas who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 140-Borio constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Re-

presentation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhola Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/140/72(99)]

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1974

**क्र० प्र० 2897.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिए 42-अमनगंज निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कधवा, ग्राम बड़वारा, पो० बड़वारा, तहसील पन्ना, जिला पन्ना, मध्य प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कधवा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० सं०/42/72(42)]

New Delhi, the 5th September, 1974

**S.O. 2897.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kadhva, Village Badwara, Post Office Badwara, Tahsil Panna, District Panna (M.P.) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 42-Amanganj constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kadhva to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/42/72(42)]

**क्र० प्र० 2898.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 40-जौड़ी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शिवराम शुक्ल, ग्राम गह्वरा, पो० गह्वरा, जिला छत्तरपुर, मध्य प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

श्रीर, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शिव राम शुक्ल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० सं०/40/72(41)]

**S.O. 2898.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shiv Ram Shukla, Village Gahvara, Post Gahvara, District Chhatarpur (M.P.) who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 40-Laundi constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shiv Ram Shukla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/40/72(41)]

आदेश

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1974

**का० प्रा० 2899.**—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 195-बीना निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुरेश कुमार जैन, खिमलामा, वार्ड नं० 5, पो० खिमलामा, तहसील खुराई, जिला सागर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुरेश कुमार जैन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० सं०/185/72(51)]

#### ORDERS

New Delhi, the 19th September, 1974

**S.O. 2899.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Suresh Kumar Jain, Khimlasa Ward No. 5, at and P.O. Khimlasa, Tahsil Khurai, District Sagar who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 185-Bina constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Suresh Kumar Jain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/185/72(51)]

**का० प्रा० 2900.**—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 130-बकावाण्ड निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पीलूराम कृपाराम, जगदालपुर (प्रभोर वार्ड नं० 1) पो० जागदालपुर, जिला बास्तार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री पीलूराम कृपाराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

॥

[सं० म० प्र०-वि० सं०/1130/72(43)]

**S.O. 2900.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Piluram Kriparam, Jagdalpur (Pravir W. No. 1) P.O. Jagdalpur, District Bastar who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 130-Bakawand (ST) constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Piluram Kriparam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/130/72(43)]

**का० प्रा० 2901.**—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 100-मस्वूरी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बाबुलाल, ग्राम गन्क, पो० गाटोरा तहसील, प्रभोर जिला बिलासपुर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बाबूलाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० सं०/1100/72(47)]

**S.O. 2901.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Babulal, Village Raank, Post Gatora, Tahsil and District Bilaspur who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 100-Mastoori constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Babulal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/100/72(47)]

**क्र० प्र० 2902.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुये मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 119-पिथोरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कपूरचन्द, गांव हारा, पो० खल्लारी, तहसील महासामुण्ड, जिला रायपुर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कपूरचन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० सं०/119/72(44)]

**S.O. 2902.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kapurchand, Village Jhara, P.O. Khallari, Tahsil Mahasamund, District Raipur who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 119-Pithora constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kapurchand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/119/72(44)]

**क्र० प्र० 2903.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुये मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये एतद्वारा साधारण निर्वाचन के लिये 119-पिथोरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ठाकुर सिंह सिब सिंह, ग्राम ठाकुर दियाकाला, जिला रामपुर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री ठाकुर सिंह सिब सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० सं०/119/72(45)]

**S.O. 2903.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thakur Singh Sheosingh, Village Thakurdiyakala, P.O. Ghonch District Raipur who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 119-Pithora constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thakur Singh Sheosingh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/119/72(45)]

**क्र० प्र० 2904.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुये मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 84-धर्मजयगढ़ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कृपाराम राधिया, पो० हट्टी, तहसील धर्मजयगढ़, जिला रायगढ़ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण भी न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कृपाराम राथिया को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र० - बि० सं० /84/7253]

**S.O. 2904.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kriparam Rathia, Hati P.O. and Tahsil Dharamjaigarh, District Raigarh who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 84-Dharamjaigarh constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kriparam Rathia to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/84/72(53)]

आदेश

क्र० प्रा० 2905.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुये मध्य प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 91-मानासार निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामशरण सिंह, ग्राम केवई, पो० प्रा० पोन्डी (उपारीड़ा) तहसील कटघोरा, जिला बिलासपुर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और अतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, उक्त निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रामशरण सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० म० प्र० - बि० सं०/91/72(50)]

ORDER

**S.O. 2905.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramsaran Singh, Village Kandai, P.O. Pondi (Uprora), Tahsil Katghora, District Bilaspur who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 91-Tanakhar constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election

expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declare the said Ramsaran Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/91/72(50)]

आदेश

नई दिल्ली 1, 15 अक्टूबर, 1974

क्र० प्रा० 2906 — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुये असम विधान सभा के निर्वाचन के लिये 97 गोलाघाट सभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बिपिन चन्द्र हजारीका, ग्राम डोलोबजान, पो० फुरकैटिंग, जिला सिबसागर (असम), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बिपिन चन्द्र हजारीका को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० असम-वि० सं० /97/72]

ए० एन० सेन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 15th October, 1974

**S.O. 2906.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bipin Chandra Hazarika, Dolowjan Village, P.O. Furkating District—Sibsagar (Assam) a contesting candidate for general election to the Assam Legislative Assembly held in March, 1972 from 97-Golaghat constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bipin Chandra Hazarika to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AS-LA/97/72]

A. N. SEN, Secy.

नई दिल्ली, 19 सितम्बर 1974

का० प्रा० 2907—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह के प्रशासन के परामर्श से, श्री ओ०एम०चौहान, उपायुक्त, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह, को तारीख 9 सितम्बर, 1974 के अपराह्न के भगने आवेशों तक श्री के० सेथुरामन के स्थान पर, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकार के रूप में एतद्द्वारा नाम निर्देशित करता है।

[सं०/154/प्र०नि०/74/(1)]

New Delhi, the 19th September, 1974

S.O. 2907.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950, the Election Commission, in consultation with the Andaman and Nicobar Islands Administration, hereby nominates Shri O. S. Chauhan, Deputy Commissioner, Andaman and Nicobar Islands, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands with effect from the afternoon of the 9th September, 1974 and until further orders vice Shri K. Sethuraman.

[No. 154/ANI/74(1)]

का० प्रा० 2908—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह के प्रशासन के परामर्श से, श्री के०सेथुरामन, अपर जिला मजिस्ट्रेट, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह, को तारीख 4 सितम्बर, 1974 (अपराह्न) से 9 सितम्बर, 1974 तक श्री रमेश चन्द्र के स्थान पर, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकार के रूप में एतद्द्वारा नामनिर्देशित करता है।

[सं०/154/प्र०नि०/74]

की० नागसुब्रमण्यम, सचिव

S.O. 2908.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950, The Election Commission, in consultation with the Andaman and Nicobar Islands Administration, hereby nominates Shri K. Sethuraman, Additional District Magistrate, Andaman and Nicobar Islands, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands from the afternoon of the 4th September, 1974 to the 9th September, 1974 vice Shri Ramesh Chandra.

[No. 154/ANI/74]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1974

का० प्रा० 2909—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स साउथ इण्डिया इन्शोरेंस कम्पनी लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण पत्र संख्या 319/70 दिनांक 26-10-70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 219/74-एम०-2]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 19th October, 1974

S.O. 2909.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Sundram Finance Limited, under the said Act (Certificate of Registration No. 319/70 dated the 26-10-70).

[F. No. 2/19/74-M. II]

का० प्रा० 2910—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स साउथ इण्डिया इन्शोरेंस कम्पनी लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण पत्र संख्या 723/71 दिनांक 23-4-1971) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[फ० संख्या 2/19/74-एम० 2]

का० म० शर्मा, अवसर सचिव

S.O. 2910.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. South India Insurance Company Limited, under the said Act (Certificate of Registration No. 723/71 dated the 23-4-1971).

[F. No. 2/19/74-M. II]

K. M. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और धीमा विभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1974

प्रायकर

का० प्रा० 2911—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (4) के उपखंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार श्री एम० एम० भटनागर को जो, केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं० 194 (फा० सं० 404/35/71-आई० टी० सी० सी०), तारीख 18-6-71 के अधीन कर बसूली अधिकारी के रूप में की गई श्री भार० के० जाखला की नियुक्ति उम तारीख से रद्द की जाती है जिस तारीख को श्री एम० एम० भटनागर कर बसूली अधिकारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करने हैं।

3. यह अधिसूचना उम तारीख को प्रवृत्त होगी जिस तारीख को श्री एम० एम० भटनागर कर बसूली अधिकारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करने हैं।

[सं० 722 (फा० सं० 404/221/74-आई० टी० सी० सी०)]

टी० धार० प्रयागल, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 24th September, 1974

Income Tax

**S.O. 2911.**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri M. M. Bhatnagar, who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri R. K. Chauha as Tax Recovery Officer made under Notification No. 194 (F. No. 404/35/71-ITCC) dated 18-6-71 is hereby cancelled w.e.f. the date Shri M. M. Bhatnagar takes over as Tax Recovery Officer.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri M. M. Bhatnagar takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 722 (F. No. 404/221/74-ITCC)]

T. R. AGGARWAL, Dy. Secy.

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर, 1974

**क्रा० प्र० 2912.**—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संस्था को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसन्धान परिषद्, विहित प्राधिकारी, द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिये अनुमोदित किया गया है। यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1974 से प्रभावी है।

संस्था

नारदन हण्डिया टेक्स्टाइल रिसर्च एसोसियेशन, गाजियाबाद।

[सं० 725 (फा० सं० 203/59/74-आई० टी० ए०-2)]

New Delhi, the 27th September, 1974

**S.O. 2912.**—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Council of Scientific and Industrial Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961. This notification is effective from 1st April, 1974.

INSTITUTION

Northern India Textile Research Association, Ghaziabad

[No. 725 (F. No. 203/59/74-ITA. II)]

**क्रा० प्र० 2913.**—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचित किया जाना है निम्नवर्णित संस्था को भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद्, विहित प्राधिकारी, द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिये अनुमोदित किया गया है।

संस्था

सोमाहटी घाफ न्यूकिलयर मैडीसन, हण्डिया।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1974 से प्रभावी है।

[सं० 726 (फा० सं० 203/29/74-आई० टी० ए० 2)]

एम० के० पाण्डेय, अवर सचिव

**S.O. 2913.**—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

INSTITUTION

Society of Nuclear Medicine, India.

This notification takes effect from 1st April, 1974.

[No. 726 (F. No. 203/29/74-ITA. II)]

M. K. PANDEY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1974.

सीमा शुल्क

**क्रा० प्र० 2914.**—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार डबोलिम (गोवा) को सीमा शुल्क हवाई पट्टन नियत करती है।

[सं० 84/74-सीमा शुल्क/फा० सं० 481/32/74-सीमा शुल्क 7]

डी० सरूप, अवर सचिव

New Delhi, the 9th November, 1974

Customs

**S.O. 2914.**—In exercise of the powers conferred by clause (a) of section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby appoints Dabolim (Goa) as a customs airport.

[No. 84/74-Customs F. No. 481/32/74-Customs. VII]

D. SARUP, Under Secy.

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 10th October, 1974

**S.O. 2915.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and of all other powers enabling him in this behalf, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in respect of persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Contributory Provident Fund (India) Sixth Amendment Rules, 1974.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In rule 17 of the Contributory Provident Fund Rules (India) 1962 (hereinafter referred to as the said rules), in sub-rule (3), the following Note shall be inserted at the end, namely:—

“Note.—A subscriber who has taken loan from Government and in lieu thereof has mortgaged the house or house-site to the Government shall be required to furnish the declaration to the following effect namely:—

‘I do hereby certify that the house or house-site for the construction of which or for the acquisition of which I have taken a final withdrawal from the Provident Fund continues to be in my possession but stands mortgaged to Government’.”

3. To rule 18 of the said rules, the following Notes shall be inserted at the end, namely:—

“Note 1.—The Head of Office in the case of non-gazetted subscribers and the Treasury Officer concerned in the case of Gazetted subscribers may be asked by the Administrative authority to stop recoveries from the pay bills when the application for such conversion is forwarded to the Accounts Officer by that authority. In the case of Gazetted subscribers, the administrative authority shall endorse a copy of the letter forwarding the subscriber's intimation to the Treasury Officer from where he

draws his pay in order to permit stoppage of further recoveries

Note 2.—For the purposes of sub-rule (1) of rule 17, the amount or subscription with interest thereon standing to the credit of the subscriber in the account at the time of conversion plus the outstanding amount of advance shall be taken as the balance. Each withdrawal shall be treated as a separate one and the same principle shall apply in the event of more than one conversion."

4. In the 15th Schedule appended to the said rules, after paragraph 2, the following paragraph shall be inserted, namely:—

"3. In respect of any person who is on deputation from one Central Ministry or Department to another, the borrowing Ministry or Department shall be competent to grant advance for which special reasons are required under sub-rule (2) of rule 13".

[No. 13(4)-E.V.(B)/74-CPF.]

New Delhi, the 14th October, 1974

S.O. 2916.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and of all other powers enabling him in this behalf, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General in respect of persons employed in the Indian Audit and Accounts Department, hereby make the following rules further to amend the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Contributory Provident Fund Rules (India), Seventh Amendment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 37 of the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, in sub-rule (3) for clause (i), the following clause shall be substituted, namely:—

"(i) To enable a subscriber to submit an application for withdrawal of the amount in the Fund, the Head of Office shall send to every subscriber necessary forms either one year in advance of the date on which the subscriber attains the age of superannuation, or before the date of his anticipated retirement if earlier, with instructions that they should be returned to him duly completed within a period of one month from the date of receipt of the forms by the subscriber. The subscriber shall submit the application to the Accounts Officer through the Head of Office or Department for payment of the amount in the Fund. The application shall be made—

(A) for the amount standing to his credit in the Fund as indicated in the Accounts Statement for the year ending one year prior to the date of his superannuation, or his anticipated date of retirement, or

(B) for the amount indicated in his ledger account in case the Accounts Statement has not been received by the subscriber."

[No. 2(62) (i)-E. V. (B)/71-CPF.]

V. K. PANDIT, Deputy Secy.

Department of Banking

New Delhi, the 14th October, 1974

#### ERRATA

S.O. 2917.—In the notification of the Ministry of Finance (Department of Banking) No. S. O. 138[No. 8-2/73-AC] dated the 1st January, 1974 published at page 101 of the Gazette of India—Part II, Section 3(ii) dated the 19th January, 1974 in between the words "powers" and "by" in the first line the word "conferred" may be inserted.

[No. F. 8-2/73-AC]

K. BAVANI, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पादशुल्क समाहर्ता का कार्यालय

(केन्द्रीय उत्पादशुल्क)

पूना, 4 मिनम्बर, 1974

का० प्रा० 2918—केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम 1944 के नियम 173 ज के अधीन प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा कर दिये हुए माल को निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए फैक्टरी या मालगोदाम में रखने या लाने के लिए, इस समाहर्तालय की दिनांक 14 अप्रैल 1970 की अधिसूचना सं० के० नि० 5/70 के अधिक्रमण में संलग्न परिशिष्ट 'क' में उल्लिखित क्रिया विधि विहित करता हूँ, जिस का पालन 14 जुलाई 1969 की भारत सरकार की अधिसूचना सं० 182/69 के० उ० शु० द्वारा यथा-प्रतिस्थापित केन्द्रीय उत्पादशुल्क-नियम 1944 के अध्याय 7 'क' में निर्धारित स्वयम् निकासी पद्धति (सेल्फ रिमूवल प्रोसीजर) के अधीन काम करने वाले प्रत्येक निर्धारित द्वारा किया जायेगा:—

(क) फैक्ट्री में अन्य चीजों के निर्माण में उपयोग करने के लिए प्राप्त/रख लिया गया माल अथवा

(कक) जब फैक्टरी के निर्माण के लिए अथवा वृद्धि के लिए और अथवा फिटिंग या माधन सामग्री के रूप में उपयोग के लिए अथवा अन्य किसी ऐसे प्रयोजन के लिए माल की जरूरत हो जिस प्रयोजन के लिए ऐसे माल की सामान्यतः खपत होती है अथवा

(ख) बीबाग बनाने, परिष्कृत करने, सुधार करने, वृद्धि करने या इसी प्रकार के अन्य किसी काम के लिए फैक्टरी में वापस किया गया माल, अथवा

(ग) जबकि ऐसी परिस्थितियों के कारण, जिन पर निर्धारित का नियंत्रण नहीं हो सकता, शुल्क भुगतान करने के बाव भी माल भेजा न जा सकता हो, जैसे रेलवे पर बुकिंग स्थगित हो जाना, रेलवे बैगन उपलब्ध न होना या बाहन खराब हो जाना, अथवा

(घ) जब परीक्षण के लिए या डिजाइनों या निर्माण की पद्धति का अध्ययन करने के लिए माल की आवश्यकता हो, अथवा

(ङ) जब खुदरा बिक्री या मानार्थ सेंट के रूप में भेजने या भ्रमण भ्रमण ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक दोबारा पैक करने के लिए माल को फैक्टरी परिसर में स्टोर करने की आवश्यकता हो।

परिशिष्ट 'क'

(क) और (क क) फैक्टरी में अन्य चीजों के निर्माण में उपयोग करने के लिए प्राप्त/रख लिया गया माल अथवा जब फैक्टरी में निर्माण के लिए अथवा वृद्धि के लिए और अथवा फिटिंग या माधन सामग्री के रूप में उपयोग के लिए अथवा अन्य किसी ऐसे प्रयोजन के लिए माल की जरूरत हो जिस प्रयोजन के लिए ऐसे माल की सामान्यतः खपत होती है।

(1) निर्धारित दस्त-शुल्क माल फैक्टरी में प्राप्त करने/रखने के समय से चौबीस घंटे के अंदर उस की सूचना फैक्टरी पर क्षेत्राधिकार रखने वाले केन्द्रीय उत्पादक शुल्क अधीक्षक को, संलग्न प्रपत्र में लिखित रूप में देगा, और उस की एक प्रति संबंधित सहायक समाहर्ता को भेजेगा।

(2) अगर केन्द्रीय उत्पादशुल्क का कोई अधिकारी भेजा गया हो तो माल और शुल्क जमा करने के कागजात उसे निरीक्षण/जांच के लिए दिखाए जाने चाहिए।





## निर्गम

तारीख	गेटपास की संख्या और तारीख	मात्रा	अनुक्ति निर्धारित या उसके अधिनस्थ के हस्ताक्षर	शुल्क की वापसी यदि कोई की गयी हो तो	अध्यक्ष
11	12	13	14	15	16
					17

टिप्पणी — (1) हिसाब खेपण: रखा जाना चाहिए।

- (2) खराब चीनी/सीमेंट के मामले में अगर मात्रा के अनुसार निशुल्क निकासी की पद्धति अपनायी गई हो तो कालम 8 में संशोधन कर के उसे इस प्रकार पढ़ा जाना चाहिए, 'केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी, द्वारा सूचित, निः शुल्क प्रेषण के लिए स्वीकृत मात्रा'
- (9) इस प्रकार रखे गये अधिलेख तथा संबंधित कागजातों की किसी भी केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी द्वारा किसी भी समय जांच की जा सकती है।
- (10) यदि विनिर्माता फैक्टरी में प्राप्त वस्तु-शुल्क माल अलग से प्रसंस्कृत करना या दोबारा बनाना चाहता तो तथा प्रसंस्करण पुनर्निर्माण के बाद उसे बिनाशुल्क बाहर भेजना चाहता हो तो उसे उपर्युक्त क्रियाविधि अपनानी चाहिए। किन्तु यदि निर्माता उपर्युक्त क्रियाविधि नहीं अपना सकता तो वह ऐसे माल के पुनः प्रसंस्करण, पुनर्निर्माण आदि के बाद केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम 1944 के नियम 173 'ड' या 100 के अधीन निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार शुल्क की वापसी के लिए आवेदन करेगा।
- (11) यदि ऐसा वस्तुशुल्क माल पुनः प्रसंस्करण या पुनर्निर्माण के हेतु फैक्टरी में लाया गया हो, तो उसे फैक्टरी के अनुज्ञापत्र परिसर में रखने की अवधि सामान्यतः एक महीने से अधिक नहीं होगी लेकिन पुनः प्रसंस्करण या पुनर्निर्माण आदि की जिस प्रक्रिया के लिए माल लाया गया हो, वह प्रक्रिया यदि एक महीने की अवधि में पूरी न हो सकती हो तो उसे तीन महीनों तक के लिए अधीक्षक द्वारा, अगले छह महीनों के लिए सहायक समारहता द्वारा और उसके भी बाद समारहता द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

(II) परीक्षण, प्रसंस्करण आदि के लिए फैक्टरी में वापस लायी गयी खराब चीनी/सीमेंट।

- (1) निर्धारित माल फैक्टरी में मिलने के चौबीस घंटे के अन्दर, फैक्टरी पर क्षेत्राधिकार रखनेवाले केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधीक्षक को संलग्न प्रपत्र में लिखित रूप में सूचित करेगा, और उस की प्रति केन्द्रीय उत्पादशुल्क के संबंधित सहायक समारहता को भेजेगा।
- (2) जब तक खेप की केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी द्वारा जांच नहीं कर ली जाती तब तक उसे अलग ही रखा जायेगा।
- (3) इस उद्देश्य से भेजा गया केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी फैक्टरी में आये हुए माल का बजन करेगा, माल का प्रतिनिधिक

समूना लेगा, सामान्य टेस्ट मेमो तैयार करेगा, और उपलब्ध होने योग्य चीनी/सीमेंट का पता लगाने के लिए वह समूना रासायनिक परीक्षक के पास भेजेगा।

- (4) रासायनिक परीक्षक से टेस्ट रिपोर्टें प्राप्त होने पर सहायक समारहता केन्द्रीय उत्पादशुल्क के संबंधित अधीक्षक को यह सूचित करेगा कि उस फैक्टरी में लाये गये खराब माल के बदले में कितना माल निःशुल्क बाहर भेजने की अनुमति देनी है।
- (5) सहायक समारहता से आदेश प्राप्त हो जाने पर केन्द्रीय उत्पादशुल्क का संबंधित अधीक्षक निर्धारित की रासायनिक विश्लेषण के परिणाम की सूचना देगा, और रासायनिक परीक्षक द्वारा निश्चित की गयी, उपलब्ध होने योग्य मात्रा के बराबर माल निःशुल्क बाहर भेजने की अनुमति देगा।
- (6) पुनः प्रसंस्कृत मात्रा का हिसाब केन्द्रीय उत्पादशुल्क के खाते में रिया जाना चाहिए।
- (7) चीनी/सीमेंट के ऐसे निःशुल्क निकासी के लिए बनाये जाने वाले गेटपास पर सब से ऊपर इस प्रकार प्रमुखता से लिखा जाये "अधीक्षक के आदेश संख्या..... तारीख..... के अन्तर्गत बिनाशुल्क निकासी के लिए।"
- (8) निर्धारित फैक्टरी में प्राप्त खराब चीनी/सीमेंट के बारे में और फैक्टरी में उस के प्रसंस्करण के बारे में, ऊपर (ख) (1) (8) में उल्लिखित प्रपत्र में विस्तृत हिसाब रखेगा जिस की जांच कोई भी केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी हर समय कर सकेगा। यह हिसाब केन्द्रीय उत्पादशुल्क के हिसाब के अतिरिक्त होगा।

(III) दुकस्त करने, सुधारने आदि के लिए फैक्टरी में लाये गये इलेक्ट्रिक वीटरियां, पंखे, बिजली के बल्ब, टायर तथा ट्यूब, आइस-इन्जन, बिजली की मोटरे, डबल्यू-आर-सेट, रेफ्रिजरेटिंग तथा एयर-कंडीशनिंग के सामान।

- (1) निर्धारित, फैक्टरी में माल प्राप्त होने के चौबीस घंटे के अन्दर उस की सूचना फैक्टरी पत्र पर क्षेत्राधिकार रखने वाले केन्द्रीय उत्पादशुल्क के अधीक्षक को, संलग्न प्रपत्र में लिखित रूप में देगा, और उसकी एक प्रति केन्द्रीय उत्पादशुल्क के संबंधित सहायक समारहता को भेजेगा।
- (2) इस प्रकार प्राप्त माल इस उद्देश्य से निश्चित किसी अलग जगह में जमा किया जायेगा और दुकस्ती, सुधार आदि का काम जहां तक हो सके, किसी अलग भाग में किया जायेगा, जो उत्पादन करने वाले खर्च से खर्च होगा। जब कभी भी यह कार्य उत्पादन करने वाले भाग में ही किया जाय, तब तक उस की पूर्व सूचना केन्द्रीय उत्पादशुल्क के संबंधित अधीक्षक को दी जानी चाहिए।
- (3) दुकस्ती, सुधार आदि के लिए उपयोग में आने वाले शुल्क देने योग्य हिस्से का शुल्क निर्धारित उनकी निकासी के समय और दुकस्ती के लिए उन का उपयोग करने से पहले वे देना, जैसा कि सामान्य रूप से किया जाता है।
- (4) दुकस्त किये गये/सुधारे गये सभी माल की निकासी का काम इस काम के लिए बताये गये भिन्न गेट पास के जरिये किया जायेगा और उस पर सब से ऊपर प्रमुख रूप से यह लिखा रहेगा :—"दुकस्त किये गये/दोबारा प्रसंस्कृत वस्तु-शुल्क माल का दोबारा निर्गम।"

- (5) निर्धारित वापस किये गए माल का एक निम्न विवरण उपर्युक्त प्रपत्र (ख) (1) (7) में रखेगा।
- (6) निर्माता फैक्टरी में माल प्राप्त होने की तारीख से एक महीने के अंदर उस माल में दुर्घटनी/सुधार कर के उसे भेज देगा। समय की यह अवधि केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधीक्षक द्वारा तीन महीने तक बढ़ाई जा सकेगी, बशर्त दुर्घटनी/सुधार के लिए फैक्टरी में लायी गयी ऐसी बैटरियों, पम्पों आदि की संख्या किसी भी एक समय निर्धारित के वार्षिक उत्पादन के 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। बिजली की मोटरों, बिजली की बैटरियों और बिजली के पंपों के मामले में यह सीमा 5 प्रतिशत तक बढ़ाई जायेगी। रेफिजरेटिंग तथा एयर कंडीशनिंग के सामानों बिजली की मोटरों, आई० सी० इजनों, बिजली के पम्पों तथा बिजली की बैटरियों के संबंध में, प्रसंस्करण करके उनकी निकासी की सामान्य अवधि एक महीने के बबले तीन महीने की होगी। उचित मामलों में यह अवधि नौ महीने तक अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादशुल्क द्वारा, एक वर्ष तक सहायक समारोहों द्वारा और उसके बाद समारोहों द्वारा बढ़ाई जा सकेगी।

(4) नियम 173 ठ और 173 ड तथा 100 की व्यवस्थाओं के अंतर्गत बोझा बनाने, परिष्कृत करने, सुधारने के लिए फैक्टरी में वापस किया गया माल।

(i) निर्धारित को संबंधित नियमों में निर्धारित और स. य. स. ग. पर विहित क्रियाविधि का पालन करना चाहिए और संबंधित नियमों के अधीन निर्धारित क्रियाविधि के अधीन विहित विवरणों के अनिवार्य ऊपर (ख) (i) (viii) में उल्लिखित प्रपत्र में इस प्रकार प्राप्त माल, उस पर किया गया प्रसंस्करण, और उसकी निकासी आदि के बारे में एक विवरण रखना चाहिए। सीमेंट और चीनी के मामले में संबंधित नियमों के अधीन निर्धारित क्रियाविधि के अनिवार्य ऊपर ख (2) के अधीन निर्धारित क्रियाविधि भी अपनायी जानी चाहिए। ऊनी कपड़ों के मामले में शुल्क दिये हुए कपड़ों के पुनः प्रसंस्करण की अनुमति नियम 173 ज की व्यवस्थाओं के अधीन नहीं दी जायेगी। किन्तु केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम 1944 के नियम 173 ठ की व्यवस्थाओं के अधीन ऐसे कपड़ों के पुनः प्रसंस्करण की अनुमति दी जायेगी।

(ग) (1) जब कि ऐसी परिस्थितियों के कारण, जिन पर निर्धारित को नियंत्रण नहीं हो सकता, शुल्क भ्रष्टाचार करने के बाद भी माल भेजा जा सकता हो जैसे रेलवे बैगन उपलब्ध न होना या वाहन खराब हो जाना।

(1) फैक्टरी में जिस स्थान पर इस प्रकार का शुल्क दिया हुआ माल रखा जायेगा, उसे विनिर्माण का लाइसेंस जारी करने, या लाइसेंस के नवीकरण के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा यथाविधि घोषित और अनुमोदित किया जायेगा।

(2) ऐसे माल को स्टोर करने का स्थान परिसर के उन सभी भागों से अलग होना चाहिए, जहाँ शुल्क न दिये हुए माल का निर्माण होता है, या जहाँ ऐसा माल स्टोर करके रखा जाता है।

(3) निर्धारित को चाहिए कि वह फैक्टरी पर क्षेत्राधिकार रखने वाले केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधीक्षक को सलग्न प्रपत्र में लिखित रूप में उन कारणों की सूचना दे, जिन की वजह से गेटपास में बिखलाये गये समय और तारीख को चौबीस घंटे के अंदर उत्पादशुल्क माल फैक्टरी से हटाया नहीं जा सकता। सूचना की एक प्रति केन्द्रीय उत्पादशुल्क के संबंधित सहायक समारोहों को भेजी जानी चाहिए।

(4) यदि केन्द्रीय उत्पादशुल्क का कोई अधिकारी भेजा गया हो तो निरीक्षण/जांच के लिए उसके सम्मुख शुल्क देने से संबंधित कागजात और माल प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(5) विनिर्माता अपने पास रखे गये, भेजे गये और बाकी बचे हुए सभी वस्तुशुल्क माल का हिसाब निम्नलिखित प्रपत्र में रखेगा।

#### प्राप्तियां

तारीख	माल का माल विवरण	गेट पास की संख्या और तारीख	मात्रा	योग	लाइसेंस के हस्ताक्षर
1	2	4	5	6	7

निर्माण	गेट पास की संख्या और तारीख	मात्रा	माल बाकी	लाइसेंस के हस्ताक्षर
8	9	10	11	

(6) भंडारों और हिसाबों की जांच किसी भी केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी द्वारा किसी भी उपयुक्त समय पर की जा सकेगी।

(7) गेटपासों की सभी प्रतियां, जिन के जरिये माल बाहर भेजा जाना हो, उपयुक्त रूप से पृष्ठांकित की जानी चाहिये और जब माल भेज दिया जाय, तब उन पर बोझा उपयुक्त प्रविष्टि कर दी जानी चाहिये।

(11) जब शुल्क देने के बाद भेजा गया माल रेलवे पर बुकिंग अमानक रुक जाने के कारण फैक्टरी में वापस लाया गया हो।

(1) विनिर्माता माल मिलने के चौबीस घंटे के अंदर, फैक्टरी में उत्पादशुल्क वाले माल की बोझा देने वाली हर खेप के संबंध में संबंधित केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधीक्षक को सलग्न प्रपत्र में लिखित रूप में सूचना देगा और उस की एक प्रति केन्द्रीय उत्पादशुल्क के संबंधित सहायक समारोहों को भेजेगा।

(2) यदि केन्द्रीय उत्पादशुल्क का कोई अधिकारी निरीक्षण-जांच के लिये भेजा गया हो, तो शुल्क देने से संबंधित कागजात और माल उस के सम्मुख प्रस्तुत किये जाने चाहिये।

(3) माल निर्माण स्थल और शुल्क न दिया हुआ माल रखने के भंडार कक्ष से भिन्न स्थान पर अलग जमा किया जाना चाहिये, और दूसरे माल से उस की भिन्नता प्रकट करने के लिये उस के साथ एक स्टैक कार्ड लगा दिया जाना चाहिये, जिस पर प्रमुखता के साथ "दोबारा वापस लाया गया माल लिखे रहना चाहिये और जिस में (1) प्राप्ति की तारीख (2) प्राप्त मात्रा (3) निकासी की अनुमति के कागजातों की संख्या और तारीख, और (4) दोबारा भजने की तारीख और (5) भेजी गयी मात्रा आदि के ध्येरे देने चाहिये।

(4) जिन गेटपासों के जरिये माल पहली बार बाहर भेजा गया था, फैक्टरी में माल वापस प्राप्त होने पर उन गेटपासों की सभी प्रतियों पर समय और तारीख देने हुए पृष्ठांकन कर देना चाहिये। माल दोबारा भेजते समय इन गेटपासों पर उपयुक्त प्रविष्टि की जानी चाहिये।

(5) विनिर्माता को उपर्युक्त ग (1) के अधीन विहित प्रपत्र में एक और रखना चाहिये।

(घ) परीक्षण या डिजाइनों अथवा निर्माण की पद्धति आदि का अध्ययन करने के लिये फैक्टरी में दोबारा मंगाया गया माल।

(1) निर्धारित, उत्पादशुल्क योग्य चीजों के वस्तुशुल्क नमूने फैक्टरी में प्राप्त होने के चौबीस घंटे के अंदर उसकी सूचना संलग्न प्रपत्र में लिखित रूप में संबंधित केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधीक्षक को भेजेगा, और उस की एक प्रति केन्द्रीय उत्पादशुल्क के संबंधित सहायक समावृत्त के पास भेजेगा।

(2) जहरत होने पर, नमूने के लिये, केन्द्रीय उत्पादशुल्क के अधिकारी के सम्मुख माल प्रस्तुत किया जायेगा।

(3) निर्धारित ऐसे माल की प्राप्ति और निपटारे के बारे में एक सामान्य ब्योरा रखेगा। इस ब्योरे की किसी भी केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी द्वारा हर समय जांच की जा सकेगी।

(ङ) खुदरा बिक्री के लिये या मानार्थ बंट के रूप में भजने के लिये या अलग-अलग भाइयों की आवश्यकता के अनुसार उन्हें पैकेजों में दोबारा पैक करने के लिये माल, जिसे फैक्टरी परिसर में स्टोर करने की आवश्यकता होती है।

(1) अगर जनता में खुदरा बिक्री के लिये निर्धारित की कोई दुकान हो तो वह यथा संभव फैक्टरी के परिसर से दूर होनी चाहिये और कम से कम फैक्टरी के परिसर से अच्छी तरह अलग की गयी होनी चाहिये तथा लाइसेंस प्राप्त परिसर के अंदर से दुकान में आने का कोई रास्ता नहीं होना चाहिये।

(2) यदि निर्धारित केवल फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारियों में खुदरा बिक्री करने के लिये या मानार्थ बंट के रूप में भजने के लिये वस्तुशुल्क माल जमा (स्टोर) करना चाहता हो, तो उसे सामान्य तौर पर लाइसेंस प्राप्त परिसर से बाहर ही ऐसा माल जमा करने की व्यवस्था करनी चाहिये। यदि किसी निर्धारित के पास वस्तुशुल्क माल स्टोर करने के लिये लाइसेंस प्राप्त परिसर से बाहर स्टोर करने का कोई अतिरिक्त स्थान नहीं है, तो उसे निम्नलिखित बातों के अधीन फैक्टरी परिसर में ही स्थित किसी अलग कमरे/स्थान में माल जमा करने की अनुमति दी जायेगी।

(क) जिस अलग कमरे/स्थान में वस्तुशुल्क माल स्टोर किया जाना है, वहां माल स्टोर करने से पहले ही उसे संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा घोषित और अनुमोदित किया जायेगा।

(ख) उस कमरे या स्थान की और जाने वाले सभी प्रयोग मार्गों को अच्छी तरह बंद करके उसे लाइसेंस प्राप्त परिसर से अलग कर दिया जायेगा, और केवल एक ही ऐसा रास्ता खुला रखा जायेगा, जो मुख्य फैक्टरी से बाहर खुले स्थान को जाता होगा। इस के अतिरिक्त स्टोर करने का यह स्थान ऐसा होना चाहिये, जिसे अच्छी प्रकार से ताला लगा कर रखा जा सके।

(ग) ऐसे अनुमोदित भंडारकक्ष/स्थान के अतिरिक्त लाइसेंस प्राप्त परिसर के और किसी भी स्थान पर इस उद्देश्य से कोई भी वस्तुशुल्क माल नहीं रखा जायेगा।

(घ) रिटेल स्टोर के लिये सभी निकासी शुल्क की भुगतान करने के साथ निकासी की सामान्य प्रक्रिया के अनुसार ही होनी चाहिये।

(ङ) बिलीवरी के समय वस्तुशुल्क माल की हर खेप के लिये नियम 52 क के अधीन अलग गेटपास अथवा जारी किये जाने चाहिये एक गेटपास बुक सिर्फ इसी काम के लिये प्रयोग में लायी

जानी चाहिये। ऐसे गेटपासों के ऊपर प्रमुखता से "रिटेल स्टोर से वस्तुशुल्क माल का निर्माण" लिखा रहना चाहिये।

(च) निर्धारित को अपने खुदरा भंडार में माल की प्राप्ति, निर्गम और बाकी माल के संबंध में एक ब्योरा नीचे दिये गये प्रपत्र में रखना चाहिये।

तारीख	माल का माल ब्योरा जमा	प्राप्ति	योग
	नेट पास की संख्या और तारीख	मात्रा	

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

#### निर्गम

गेटपासों की संख्या मात्रा और तारीख	माल बाकी	लाइसेंस के हस्ताक्षर	व्यक्ति	
7	8	9	10	11

(छ) इस प्रकार रखे गये ब्योरे की किसी भी केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी द्वारा हर समय जांच की जा सकती है।

फैक्टरी परिसरों में उत्पादशुल्क योग्य वस्तुशुल्क माल प्राप्त करने/रख लेने के संबंध में घोषणा

सेवा में

केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधीक्षक—

रैंज

मैं/हम एतद्वारा यह घोषित करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने उत्पाद शुल्क योग्य माल की निम्नलिखित खेप अपने लाइसेंस प्राप्त परिसर में तारीख—को—बण कर—मिनट पर—के प्रयोजन के लिये रख की है/प्राप्त की है।

यदि प्राप्त करने वाली फैक्टरी में माल नहीं बनाया जाता तो फैक्टरी का नाम और पता	जिस गेटपास के अधीन शुल्क का भुगतान किया गया हो, उस की संख्या और तारीख	माल का ब्योरा और किसें भुगतान किया गया	प्राप्त पैकेजों की संख्या और उन पर अंकित पहचान, का चिन्ह
1	2	3	4

गेटपास में दिख- लायी गयी मात्रा	प्राप्त मात्रा	टैरिफ की मदद संख्या जिस के अधीन शुल्क दिया गया था	दिये गये शुल्क की राशि	व्यक्ति
5	6	7	8	9

मैं/हम यह घोषित करता हूँ/करते हैं कि गेटपास में दिये गये ब्योरे के साथ प्राप्त किये गये माल के ब्योरे संतोषजनक ढंग में मिलते हैं। माल प्राप्त होने के—अधिक के अंदर माल का पुनः प्रसंस्करण उपयोग आदि कर लिया जायेगा।

मैंने/हमने इस उद्देश्य से विहित अपने स्टॉक रजिस्टर तथा केन्द्रीय उत्पादशुल्क के खाते में खेपों के व्योरे के दर्ज कर लिये हैं।

लाइसेंस या उसके प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर।

रा० वि० मुख्यालय  
समाहर्ता

[सी ई आर सं० 2/1974 फा० सं० बी० जी० एन० (30)/80/टीए/72/]

# OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

(Central Excises)

Poona, the 4th September, 1974.

**S.O. 2918.**—In exercise of the powers conferred on me under rule 173H of the Central Excise Rules, 1944, I hereby prescribe, in supersession of this Collectorate Notification No. CER.5/70 dated the 14th April, 1970, the procedures as mentioned in Annexure 'A' appended, which shall be followed by every assessee working under the Self Removal Procedure as laid down in Chapter VII A of the Central Excise Rules, 1944 as replaced by Government of India Notification No. 182/69-CE dated the 14th July, 1969 for retaining in, or bringing into his factory or warehouse, the goods on which duty has been paid, for the purposes mentioned below:—

- (a) Goods received/retained for use in the manufacture of other goods in the factory; or
- (aa) Goods are required in the factory for construction or repairs and/or for use as fitting or equipment or for any other purpose for which such goods are normally consumed; or
- (b) Goods returned to the factory for being remade, refined, reconditioned, repaired or subjected to any other similar process in the factory; or
- (c) After payment of duty the goods cannot be transported due to circumstances beyond the assessee's control such as suspension of booking on Railways, Non-availability of Railway wagon or the breakdown of carriers; or
- (d) Goods are required for test or for studying designs or method of construction; or
- (e) Goods are required to be stored in the factory premises for retail sale or for issue as complementary gifts or for repacking into packages so as to suit the requirements of individual customers.

## ANNEXURE 'A'

- (aa) Goods received/retained for use in the manufacture of other goods in the factory or are required in the factory for construction or repairs or for use as fittings or equipment or for any other purpose for which such goods are normally consumed.

(1) The assessee shall inform within twenty four hours from the time of receipt of the duty paid goods/retained in the factory to the Superintendent Central Excise having jurisdiction over the factory in writing in form enclosed with a copy to the Assistant Collector concerned.

(2) The goods with relevant duty paying documents should be presented for inspection/examination by the Excise Officer if deputed for the purpose.

(3) The assessee shall maintain a record in the following proforma showing details of the goods retained/received, disposed of etc.

(4) The goods should be stored separately from the non-duty paid goods and such storage place should be distinct from the Bonded Store-room for non-duty paid goods.

## FORM

Account of duty paid goods received/retained in the factory premises for use in the factory.

Name of the factory : \_\_\_\_\_

Address : \_\_\_\_\_

Licence No. : \_\_\_\_\_

Description of goods : \_\_\_\_\_

Date	Opening balance	RECEIPTS	Signature
------	-----------------	----------	-----------

Name of the factory from which the goods are received.	No. & date of document(s)	Qty. Total of the manufacturer
--------------------------------------------------------	---------------------------	--------------------------------

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
----	----	----	----	----	----	----

ISSUES		Closing balance	Signature of the manufacturer	Remarks.
No. & date of document(s)	Quantity			

8.	9.	10.	11.	12.
----	----	-----	-----	-----

Note: Separate opening should be kept for accounting each type of goods.

(5) The stocks and accounts shall be open to inspection by any Central Excise Officer at all times.

(B) Goods returned to the factory for being re-made, refined, reconditioned, repaired or subjected to any other similar process in the factory.

(I) When duty paid goods except Electric Fans, Electric Batteries, Electric Bulbs, Tyres & Tubes, I. C. Engines, Etc. Motors, W. R. Sets, Refrigerating and Air-conditioning Appliances Cement, Woollen Fabrics. Sugar are returned for being remade, refined, reconditioned, or subjected to any similar process in the factory.

(i) The assessee shall inform the Superintendent of Central Excise having jurisdiction over his factory in writing in form enclosed within twentyfour hours of the receipt of goods into the factory, with a copy to the Assistant Collector of Central Excise concerned.

(ii) The goods shall be stored separately away from the Bonded Store-room pending their being re-made, refined, reconditioned, or repaired.

(iii) The goods alongwith the relevant duty paying documents shall be presented for inspection/examination by the Central Excise Officer if deputed for the purpose.

(iv) The goods should be re-processed, remade, refined, reconditioned, repaired or subjected to similar process isolately from the manufacture of fresh goods and in any circumstances such goods should not be mixed up with the manufacture of fresh goods.

(v) If any excisable components are required for reprocessing, remade, repairs etc. of such goods duty should be paid on such components as usual before these are taken for repairs, remaking, etc. of the goods.

(vi) The goods so precessed, remade, etc. should be stored separately from the non-duty paid goods in the bonded store room.

(vii) Gate passes covering re-issue of duty paid, required, reconditioned goods shall carry on top a prominent endorsement "RE-ISSUE OF REPAIRED/REPROCESSED GOODS".

(viii) A detailed account of such goods received, the processes to which they are subjected to after their return

to the factory and the quantity obtained after reprocessing, remaking, etc. Shall be kept by the assessee in the sub-joined form.

Account of duty paid goods received for reprocessing, remaking, repairs, etc. under Rule 173 H of the Central Excise Rules, 1944.

Name and address of the factory : \_\_\_\_\_

Licence No. : \_\_\_\_\_

RECEIPTS					Signature of the assessee or his agent.
Date of receipt into factory	From whom received	Description of goods	Brand name with identifying Marks of No., if any.	Quantity received	
1	2	3	4	5	6

#### Details of reprocessing/repairs

Details of re-processing/repairs/remaking etc. to which goods are subjected to	Quantity recovered after reprocessing	Description of excisable components used, if any	Amount of duty paid on the components with No. & date of gate pass
7	8	9	10

ISSUES					Refunds	
Date	No. & date of gate pass	Quantity	Remarks	Signature of the assessee or his agent	granted, if any, of the duty	Remarks
11	12	13	14	15	16	17

Notes : 1) The account should be maintained consignment-wise.

- 5) In case of damaged sugar/cement if the procedure of duty free clearance on quantity to quantity basis is followed, Col. 8 should be amended to read 'Permissible' quantity for delivery free of duty as intimated by the Central Excise Officer;

(ix) The record so maintained as well as relevant documents shall be open to inspection by any Central Excise Officer at all times.

(x) The manufacturers should follow the above procedure when they desire to process, remake, etc. duty paid goods received into the factory isolately and to clear such goods after reprocessing, remaking etc. without payment of duty. However, if the manufacturer cannot follow the above procedure, he may re-process, remake etc. such goods under claim for refund by following the procedure laid down under Rule 173L or 100 of the Central Excise Rules, 1944.

(xi) In case of said duty paid goods when brought into the factory for repairs, reconditioning etc. the normal period for retention of such goods inside the licensed premises of the factory shall not exceed one month but may be extended upto a period of three months by the Superintendent, further six months by the Assistant Collector and beyond that period by the Collector in case where the process of repairs, reconditioning etc. to which the goods are subjected to, cannot be completed within one month.

(II) Damaged sugar/cement brought back to the factory for re-finishing, processing etc.

(1) The assessee shall inform the Superintendent of Central Excise having jurisdiction over his factory in writing in form enclosed within twentyfour hours of the receipt of the goods into the factory with a copy to the Assistant Collector, Central Excise concerned.

(2) The consignment shall be stored separately till it is inspected by the Central Excise Officer.

(3) The Central Excise Officer deputed for the purpose will weigh the consignment so received into the factory, draw representative samples, prepare the usual test memo, forward the sample to the Chemical Examiner for ascertaining the recoverable sugar/cement.

(4) The Assistant Collector on receipt of the test report from the Chemical Examiner will intimate to the Superintendent, Central Excise concerned, the quantity of goods permitted to be delivered free of duty from the factory against the damaged goods brought into the factory.

(5) The Superintendent, Central Excise concerned on receipt of orders from the Assistant Collector will appraise the assessee of the result of the Chemical analysis and will permit clearance of a quantity equivalent to the recoverable quantity as determined by the Chemical Examiner without payment of duty.

(6) The reprocessed quantity should be accounted for the Central Excise Accounts.

(7) Gate pass covering such duty free clearance of sugar/cement shall carry on the top a prominent endorsement "DUTY FREE CLEARANCE AS PER SUPERINTENDENT'S ORDER NO. \_\_\_\_\_"

DATED \_\_\_\_\_.

(8) The assessee shall maintain a detailed account of the damaged sugar/cement received and the process to which the same was subjected to in the factory in the form mentioned at (B) (I)(viii) above, which shall be open to inspection by any Central Excise Officer at all times. This account shall be in addition to the Central Excise account.

(III) Electric Batteries, Fans, Electric Bulbs, Tyre and Tubes, I.C. Engines, Electric Motors, W.R. Sets, Refrigerating and Air-conditioning Appliances, brought into the factory for repairs, reconditioning etc.

(1) The assessee shall inform the Superintendent, Central Excise, having jurisdiction over his factory in writing in form enclosed within twentyfour hours of the receipt of the goods into the factory with a copy to the Assistant Collector, Central Excise, concerned.

(2) The goods so received shall be stored in a separate place specified for the purpose and repairing, reconditioning etc. shall as far as possible be undertaken in a separate section as distinct from the manufacturing section, when it is done in the manufacturing section itself, prior intimation should be given to the Superintendent, Central Excise concerned.

(3) The assessee shall pay duty on excisable parts used for repairing, reconditioning etc. in the usual manner at the time of removal of the excisable parts before utilising them for repairs.

(4) All removals of repaired/reconditioned goods shall take place under cover of separate gate pass as mentioned for this purpose and shall carry on the top a prominent endorsement "RE-ISSUE OF REPAIRED/REPROCESSED DUTY PAID GOODS".

(5) A detailed account of the returned goods shall be kept by the assessee in the form at (B) (I) (vii) above.

(6) The manufacturer shall remove the goods after repairs/reconditioning within one month of the date of receipt thereof into the factory. However, this time limit shall be extended by the Superintendent, Central Excise, to three months subject to the condition that the number of such batteries, fans so brought into the factory for repairs/ reconditioning does not exceed at any one time 1 per cent of the annual production of the assessee. This limit shall be relaxed to 5 per cent in case of electric motors, electric batteries and Electric fans. In case of refrigerating and air-conditioning appliances, Electric Motors, I.C. Engines,

Ele. fans and Ele Batteries, only, the normal period for removal after the completion of the process, will be three months instead of 1 month. In deserving cases extension upto 9 months will be granted by the Superintendent, Central Excise, upto 1 year by the Assistant Collector and beyond that period by the Collector.

(IV) Goods returned to the factory for being remade, refined reconditioned etc under the provisions of Rule 173L and 173M and 100

(1) The assessee should follow the procedure laid down in the respective rules and as prescribed from time to time and he should maintain an account of the goods so received, the process to which subjected, and removed, in the form mentioned at (B)(I)(viii) above in addition to the accounts already prescribed under the procedure laid down under the respective rules. In the case of cement and sugar the procedure as laid down under (B)(II) above should be followed in addition to the procedure laid down under the respective rules. In the case of woollen fabrics the reprocessing of duty paid fabrics shall not be permitted under the provisions of rule 173H. However, reprocessing of such fabrics shall be permitted under the provisions of rule 173L of the Central Excise Rules, 1944.

(c)(I) After payment of duty the goods cannot immediately be transported due to circumstances beyond the assessee's control such as non-availability of railway wagons or breakdown of the carriers.

(1) The place in the factory where such duty paid goods shall be stored shall be duly declared and approved by the officer competent to issue or renew the manufacturing licence.

(2) The storage place should be separate and distinct from all parts of the premises forming the manufactory and approved storage rooms for non-duty paid goods.

(3) The assessee should intimate to the Superintendent, Central Excise, having jurisdiction over the factory in writing in form enclosed, the reasons for not removing the duty paid goods from the factory within twenty four hours from the time and date shown in the gate pass with a copy to Assistant Collector, Central Excise concerned.

(4) The goods with relevant duty paying documents should be presented for inspection/examination by the Central Excise Officer if deputed for that purpose.

(5) The manufacturer shall keep an account of all goods retained, issued, and balance of duty paid goods in the following form :

Date	Description of goods	Opening balance	RECEIPTS		Total
			No & date of the gate pass	Quantity	
1	2	3	4	5	6
<hr/>					
Signature of the licensee	ISSUES		Closing balance	Signature of the licensee	
	No & date of the gate pass	Quantity			
7	8	9	10	11	

(6) The stocks and accounts shall be open to inspection by any Central Excise Officer at all reasonable times.

(7) All copies of gate passes under which the goods are intended to be cleared should be suitably endorsed and when the goods are cleared again a suitable entry should be made on these gate passes.

(II) When goods are cleared on payment of duty are brought back into the factory due to sudden suspension of booking on railways.

(1) The manufacturer shall inform the Superintendent, Central Excise, concerned in writing in form enclosed about

the re-entry of each consignment of excisable goods in his factory within twentyfour hours of receipt with a copy to Assistant Collector, Central Excise concerned.

(2) The goods with relevant duty paying documents should be presented for inspection/examination by the Central Excise officer if deputed for the purpose.

(3) The goods shall be stored separately in a place distinct from the main premises forming the manufactory and approved store room for non duty paid goods, and a stock card superscribed "REENTERED GOODS" showing (i) date of receipt, (ii) quantity received, (iii) No and date of clearance documents, (iv) date of re issue, and (v) quantity issued, should be maintained to distinguish them from the other goods if any.

(4) All copies of gate passes under which the goods were first cleared should be endorsed when the goods are received back in the factory giving time and date when the goods are cleared again, suitable entry should be made on these gate passes.

(5) The manufacturer should maintain an account in form prescribed under (c) (I) above.

(d) Goods brought into the factory for test or for studying designs or method of constructor etc.

(1) The assessee shall notify to the Superintendent of Central Excise concerned in writing in form enclosed within twentyfour hours of receipt of samples of duty paid excisable goods into the factory with a copy to the Assistant Collector, Central Excise concerned.

(2) The goods shall be presented for inspection, if necessary, for sampling by the Central Excise officer.

(3) The assessee shall keep a simple account of the receipt and disposal of such goods. This account shall be open for inspection by any Central Excise Officer at all times.

(e) Goods required to be stored in the factory premises for retail sale or issue as complementary gifts or repacking into packages so as to suit the requirement of the individual customers.

(1) Where the assessee has a retail shop open to the public it should as far as possible be located away from the factory premises and in any case physically segregated from the factory premises, there being no entrance to the retail shop from inside the licensed premises.

(2) Where the assessee wants to store duty paid goods for retail sale to the factory employees only or issue as complementary gifts, he should normally arrange for storage of such goods outside licensed premises. However, any assessee having no additional storing place outside the licensed premises for storing duty paid goods, he will be permitted to store the goods in a separate room/place suitable within the factory premises subject to the following conditions.

(a) The separate room/place where duty paid goods are to be stored shall be duly declared and approved by the licensing authority concerned, prior to storage therein.

(b) The room/place shall be segregated from the rest of the licensed premises by effectively closing all entrances into it except one communicating only with the open space outside the main factory building and this storage place should be capable of being securely locked.

(c) No duty paid goods shall be stored for this purpose elsewhere in the licensed premises except in such approved store room/place.

(d) All issues to the retail store must be in accordance with the usual procedure for clearance on payment of duty.

(e) Separate gate passes under Rule 52A must be issued for such lot of duty paid goods at the time of delivery. One gate pass book should be exclusively used for this purpose. Such gate passes should carry on the top a prominent endorsement "ISSUE OF

## DUTY PAID GOODS FROM THE RETAIL STORE".

- (f) The assessee should maintain an account of receipt issues and balance in the retail store, in the form given below:

Date	Description of goods	Opening balance	RECEIPTS		Total
			No. & date of gate passes.	Quantity	
1	2	3	4	5	6
ISSUES					
No. & date of gate passes.	Quantity	Closing balance	Signature of the Licence.	Remarks	
7	8	9	10	11	

- (g) The account so maintained will be open for inspection by any Central Excise Officer at all times.

## DECLARATION OF RECEIPT OF/RETAIN IN OF DUTY PAID EXCISABLE GOODS IN THE FACTORY PREMISES

TO

The Superintendent of Central Excise—

I/c. ————— Range.

I/We hereby declare that the undermentioned consignment of excisable goods has been retained/received by me/us at our licensed premises on \_\_\_\_\_ 19\_\_\_\_ at \_\_\_\_\_ hrs. for purpose of—

Name and address of the factory where the goods are not manufactured in the factory of receipt.		No. & date of gate pass under which duty has been paid.	Description and variety of goods.	No of packages and identifying marks on the packages received.
1	2	3	4	
Quantity as shown in the gate pass	Quantity received	Tariff Item No. under which the duty was paid.	Amount of duty paid.	Remarks
5	6	7	8	9

I/We declare that the goods received are identifiable with the description given in the gate pass to my/our entire satisfaction. The goods will be reprocessed/used etc. within \_\_\_\_\_ period of receipt.

I/We have entered the particulars of the consignment in my/our stock register as well as in Central Excise accounts prescribed for the purpose.

Signature of the licensee/his authorised agent.

Sd/-

[CER No. 2/1974 F. No. VGN(30)60/TA/72]

R. V. SUKHATANKAR, Collector

बाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

प्रादेश

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1973

क्र० आ० 2919.—सर्वश्री प्रोडक्ट्स आफ इन्डिया, अशोक होटल, नई दिल्ली को 1. भवनित हाथी दांत/शिबु हाथी दांतों और पूर्ण हाथी दांतों 2. पीतल के कबजों, पीतल के बेंचों, बक्सों के लिए कुन्डिया और स्टेबलों, कान के बटनों के लिए क्लिप्स, कर्णकूलों के लिए 194/- रुपये मूल्य तक के कांटे और पेंचों के आयात के लिए 3,101/- रुपये मूल्य का एक लाइसेंस संख्या : पी/एल/2684646/सी, दिनांक 12-1-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि, हैड बुक, 1973-74 के पैरा 320 में यथा अपेक्षित एक शपथपत्र दाखिल किया है जिसमें उन्होंने यह उल्लेख किया है कि 3101/- रुपये मूल्य के लाइसेंस संख्या : पी/एल/2684646, दिनांक 12-1-72 की सीमाशुल्क निकासी प्रति बिल्कुल भी उपयोग किये बिना खो गई/अस्थानस्थ हो गयी है। 2. मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

3. अद्यतन यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 को विषयक धारा 9 (सीट) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त लाइसेंस संख्या : पी/एल/2684646, दिनांक 12-1-72 मूल्य 3,101/- रुपये (सीमाशुल्क निकासी प्रति) को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

4. अब आवेदक को उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की प्रतिलिपि आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैड बुक, 1973-74 के पैरा 320 की शर्तों के अनुसार जारी की जा रही है।

[संख्या : ईगि/92/मोडी-70/एससी-3/सीएलए]

ए० एल० भल्ला, जय-मुख्य नियंत्रक  
उत्ते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

## MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Joint Chief Controller of Imports &amp; Exports)

## ORDER

New Delhi, the 4th December, 1973

S.O. 2919.—M/s. Products of India, Ashoka Hotel, New Delhi were granted licence No. P/L/2684646/C dated 12/1/72 for Rs. 3101/- for the import of 1. Ivory Un-manufactured/baby tusks and full tusks. 2. Brass Hinges, Brass screws, hasps and staples for boxes, clips for ear tops, hook and screws for ear-rings upto Rs. 194/-. They have filed an affidavit as required under para. 320 of Import Trade Control Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74 wherein they have stated that Custom Purposes copy of licence No. P/L/2684646 dated 12/1/72 for Rs. 3101/- has been lost/misplaced without having been utilised at all.

2. I am satisfied that the Customs Purposes copy of the said licence has been lost/misplaced.

3. In exercise the powers conferred on me under subject clause 9(c) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended upto date, the said licence No. P/L/2684646 dated 12-1-1972 for Rs. 3101/- (Custom Purposes copy) is hereby cancelled.

4. The applicant is now being issued duplicate Custom Purposes copy of the said licence in accordance with the provisions of para 320 of Import Trade Control Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74.

[File No. Hardi/92/OD-70/SC-III/CLA]

A. L. BHALLA, Dy. Chief Controller.  
for Jt. Chief Controller



आदेश

कलकत्ता, 31 मई 1974

का० प्र० 2920.—सर्वश्री जीबन देव एंड ब्रदर्स (टूल्स) 109 नेताजी सुभास रोड "गुडि हाउस" चौथी मंजिल, कलकत्ता न० 48 कलकत्ता-1 को 1972-73 अवधि के लिये निम्नलिखित आयात लाइसेंस जारी किया गया था —

आयात लाइसेंस की सं० एवं दिनांक	विवरण	मूल्य रु०
पी/एस/8222041/सी/एसएस/48/सी/35-36/01/134 दिनांक 30-7-73	प्राइम हाई स्पीड स्टील उत्तोर एंड चरटी तथा प्यूमेटिक स्टील। प्राइम हाई कार्बन ट्राई क्रोमियम स्टील एंड हाई स्पीड स्टील।	37,500

उन्होंने उक्त आयात लाइसेंस के मूल्य अर्थात् 37,500 रु० की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रणालि के लिये इस बात की पुष्टि करने के बाद आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति सीमाशुल्क कार्यालय/किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत कराए बिना और उसके कोई भी भाग उपयोग किए बिना ही खो गई है। कुल मूल्य जिसके लिये उक्त लाइसेंस जारी किया गया था वह 37,500 रु० है और कुल धनराशि जिसके लिये मूल्य प्रति का उपयोग किया गया था वह शून्य है। अब अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति का आवश्यकता पूरे मूल्य अर्थात् 37,500 रु० के लिये है।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी पब्लिक द्वारा विधिवत् साक्ष्यकित स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दायित्व किया है।

3. मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं० पी/एस/8222041/सी/एसएस/48/सी/35-36/01/134 दिनांक 30-7-73 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता हूँ कि आवेदक को आयात लाइसेंस के पूरे मूल्य अर्थात् 37,500 रु० के लिये अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति जारी की जाए। 37,500 रुपए के लिये उक्त आयात लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या जे०सी०/आई एंड एम/2/01/134/(104564)/73]

ORDERS

Calcutta, the 31st May, 1974

S.O. 2920.—M/s. Jibon Krishna Dey & Bros. (Tools), 109, Netaji Subhas Road, "Gooyee House", 4th Floor, Room No. 48, Calcutta-1 were issued import licence as under :— for period 1972-73

I/L. No. & Date	Description	Value
P/S/8222041/C/XX/48/C/35-36/01/134, dt. 30-7-73.	Prime High Speed Steel Squares & Flats and Pneumatic Steel. Prime High Carbon High Chromium Steel and Hot Die Steel.	37,500/-

They have applied for duplicate Exchange/Clearance purposes copy of the above Import licence for the balance value of Rs. 37,500 since they have confirmed that the Exchange/clearance copy of the above licence has been lost, without having been registered with the Customs House/with any Customs House and without utilising any part. The total amount for which the above 94 GI/74—3.

licence was issued is Rs. 37,500 and the total amount for which the original copy was utilised is Rs. Nil. The duplicate exchange copy now required is to cover the entire amount of Rs. 37,500 respectively.

2 In support of this contention the applicant has filed an affidavit on a stamped paper duly attested by Notary Public.

3. I am satisfied that the Exchange copy of Import Licence No. P/S/8222041/C/XX/48/C/35-36/01/134 dated 30-7-1973 has been lost and direct that the duplicate Exchange Clearance copy of the Import Licence for the full value of Rs. 37,500 should be issued to the applicant. The Exchange Clearance copy of the above import licence is cancelled for the amount of Rs. 37,500.

[No. IC/I&S/II/01/134/(104564)/73]

का० प्र० 2921.—सर्वश्री केल्को इजी० ब्रदर्स, 15 ए, चीनपट्टी रोड कलकत्ता को 1972-73 अवधि के लिये निम्नलिखित आयात लाइसेंस जारी किये गये थे —

आयात लाइसेंस की सं० एवं दिनांक	विवरण	मूल्य रु०
पी/एस/8221564/सी/एसएस/45/सी/35-36/01/28 दिनांक 4-12-72	प्राइम जंग ध्वरोधी इम्पल्स चपटी (304 क्वालिटी) 55×25 एमएम	7,671, 7,672
पी/एस/8221565/आर/एम/एल/45/—वही—	सी/35-36/01/28 दिनांक 4-12-72	

उन्होंने उक्त लाइसेंसों के मूल्य अर्थात् क्रमशः 7,671 रु० एवं 7,672 रु० के लिये इस बात की पुष्टि करने के बाद अनुलिपि सीमाशुल्क निकासी प्रयोजन प्रतियों के लिये आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंसों की सीमाशुल्क निकासी प्रयोजन प्रतियां सीमाशुल्क कार्यालय किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत कराए बिना और उसके किसी भी भाग का उपयोग किए बिना ही खो गई हैं। कुल धनराशि जिसके लिये उक्त लाइसेंस जारी किए गए थे वह क्रमशः 7,671 रु० और 7,672 रु० है और कुल धनराशि जिसके लिये मूल प्रतियों का उपयोग कर लिया गया था वह शून्य है। अब अनुलिपि प्रतियों की आवश्यकता पूरे मूल्य अर्थात् क्रमशः 7,671 रु० एवं 7,672 रु० के लिये है।

2 इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी पब्लिक द्वारा विधिवत् साक्ष्यकित स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दायित्व किया है।

3 मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस पी/एस/8221564/सी/एसएस/45/सी/35-36/01/28 दिनांक 4-12-72 और सं० पी/एस/8221565 आर/एम/एल/45/सी/35-36/01/28 दिनांक 4-12-72 की सीमाशुल्क निकासी प्रतियां खो गई हैं और निदेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंसों के पूरे मूल्य अर्थात् क्रमशः 7,671 रु० एवं 7,672 रु० के लिये अनुलिपि सीमाशुल्क निकासी प्रतियां जारी की जानी चाहिये। क्रमशः 7,671 रु० एवं 7,672 रु० के लिये उक्त आयात लाइसेंसों की सीमाशुल्क निकासी प्रतियां रद्द की जाती हैं।

[संख्या जे सी/आई एंड एम/2/01/28/73]

बी० के० दिस्वाम, उप-मुख्य नियंत्रक

**S.O. 2921.**—M/s. Calco Engineering Works, 15-A, Chaulpatty Road, Calcutta-10 were issued import licence for period as under :—

I/L No. & Date	Description	Value
P/S/8221561/C/XX/45/C/35-36/01/28, dated 4-12-72	Prime Stainless Steel Flats (304 Quality) 55 x 25 mm.	Rs. 7,671/-
P/S/8221565/R/MI/45/C/35-36/01/28, dated 4-12-72.	-do-	Rs. 7,672/-

They have applied for duplicate Customs Clearance purposes copy(s) of the above Import licence(s) for the balance value of Rs. 7,671 and Rs. 7,672 respectively since they have confirmed that the Customs clearance copy(s) of the above licences have been lost, without having been registered with the Customs House with any Customs House and without utilising any part. The total amount for which the above licences were issued are Rs. 7,671 and Rs. 7,672 respectively and the total amount for which the original copy(s) were utilised are Rs. nil. The duplicate C.C.P. copy(s) now required are to cover the entire amount of Rs. 7,671 and Rs. 7,672 respectively.

2 In support of this contention the applicant has filed an affidavit on a stamped paper duly attested by the Notary.

3. I am satisfied that the Customs Clearance Copy of Import Licences Nos. P/S/8221564 C/XX/45/C/35-36/01/28, dt 4-12-1972 & No. P/S/8221565/R/MI/45/C/35-36/01/28, dt 4-12-1972 have been lost and direct that the duplicate Customs Clearance copy(s) of the Import Licences for the full value of Rs. 7,671 and Rs. 7,672 should be issued to the applicant. The Customs Clearance copy(s) of the above import licence(s) are cancelled for the amount of Rs. 7,671 and Rs. 7,672 respectively.

[No. JC/I&S-II 01/28/73]

B. K. BISWAS, Dy. Chief Controller

आदेश

बम्बई, 21 जून, 1974

का० घा० 2922—मर्वेशी हार्डकेसल एंड बाउंड मैनुफैक्चरिंग कं० लि० गटावनी बाग, कल्याण, जिला थाना को उपर्युक्त लाइसेंस प्रदान किए गए हैं। उन्होंने उक्त लाइसेंसों का सीमाशुल्क निकासी प्रतियां और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियों की अनुलिपि प्रतियों के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रतियां और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां हा० टी० एन० रोड, बम्बई में स्थित अलाहम बिल्डिंग में उनके कार्यालय में आग लगने के कारण जल गई हैं।

यह भी उल्लेख किया गया है कि कुछ लाइसेंस सीमाशुल्क कार्यालय, बम्बई में पंजीकृत किए गए थे और उनका आंशिक उपयोग किया गया था और कुछ किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं किए गए थे और उनका उपयोग नहीं किया गया था। उन्होंने इस बात की पुष्टि की है और यह घोषित किया है कि उन्होंने उक्त लाइसेंसों को न तो रद्द किया है और न किसी भी अन्य उद्देश्य या कार्य के लिये किसी भी अन्य पक्ष को फिर से इसे इस्तेमाल किया या किया है। अपने दावे की पुष्टि में आवेदक ने प्रेजोउमो मजिस्ट्रेट बम्बई द्वारा विशिष्ट साक्षात्कृत शपथ-पत्र दाखिल किया है।

मैं समुष्ट हूँ कि ऊपर उद्धृत लाइसेंसों की सीमाशुल्क निकासी प्रतियां और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां जल गई हैं और इनकी अनुलिपि प्रतियां आवेदक फर्म को जारी की जानी चाहिये।

उक्त लाइसेंसों की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रतियां और मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां एनडूद्वारा रद्द की गई समझी जाती हैं।

[फ० सं० 322/36164/ए. एम-74/एल/आर ई पी घाईबी ए/349]

एम० एम० नादकर्णी, उप-मुख्य नियंत्रक  
कुले समुक्त मुख्य नियंत्रक

ORDER

Bombay, the 24th June, 1974

**S.O. 2922.**—M/s. Hardcastle & Waud Manufacturing Co. Ltd., Netavali Baug, Kalyan, Dist. Thana have been granted the above cited licences. They have applied for the duplicate copy of both Customs copy of both Customs Purpose and Exchange Control purpose copies of the said licences on the grounds that the original licences have burnt in the fire to their office at Alice Building, Dr. D. N. Road, Bombay

It is further stated that some of the original licences were registered with the Bombay Customs House and were partly utilised and some were not registered with any Customs House nor utilised. They have further affirmed and declared that the said licences have not been cancelled, pledged, transferred or handed over to any other party for any other purpose or consideration whatsoever. In support of their claim, the applicants have filed affidavits duly attested by the Presidency Magistrate, Bombay.

I am satisfied that the original copies of Custom Purpose and Exchange Control Purpose copies of the above cited licences have been burnt and direct that the duplicate of the Customs Purpose and Exchange Control Purpose copies of the said licences, should be issued to the applicant firm.

The original Customs Purpose and Exchange Control Purpose copies of the said licences are hereby treated as cancelled.

[File No. 322/36164/AM. 74/L/REP. IVA/348]

M. S. NADKARNI, Dy. Chief Controller  
for Jt. Chief Controller

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 1974

का० घा० 2923—मर्वेशी पि पीपल्स इजीनियरिंग मोटर एंड वर्क्स लि०, हावड़ा को हार्डकेस से (1) कम्पास और (2) लाउड हेल्पर के आयात के लिये 6,828/- रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस संख्या जी०/घा० 2109311/सी/एक्सएम/45/एल/ 35-36, दिनांक 16-11-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस (दोनों प्रतियों) की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल आयात लाइसेंस (दोनों प्रतियां) किसी प्लत से पंजीकृत करण बिना और बिना भी उपयोग किए बिना खो गया। अस्थानस्थ हो गया है। मैं समुष्ट हूँ कि उपर्युक्त आयात लाइसेंस (सीमाशुल्क निकासी प्रति/मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) खो गया है और यह कि इसकी अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिये।

समय-समय पर यथा मशोर्धित, आयात नियंत्रण आदेश, 1955, दिनांक 7-12-55 की धारा 9(सीसी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए अधोदस्ताक्षरी मर्वेशी पि पीपल्स इजीनियरिंग एंड मोटर वर्क्स लि०, हावड़ा को आयात व्यापार नियंत्रण अनुसूची क्रम संख्या 89/5 के अन्तर्गत (1) कम्पास और (2) लाउड हेल्पर के आयात के लिये जारी किए गए 6,828/- रुपये मूल्य के आयात लाइसेंस (दोनों प्रतियों) को रद्द करता है।

[फ० संख्या 26-पी/कस्ट/72-73/जी एस एम/87]

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

ORDER

New Delhi, the 19th October, 1974

S.O. 2923—M/s. The Peoples Engineering & Motor Works Ltd., Howrah were granted an import licence No. G/O/2109311/C/XX/45/H/35-36 dated 16-11-1972, for Rs. 5,828 for the import of (1) Compass and (2) Loud Hailer from Holland. They have applied for issue of a duplicate licence (both copies) mentioned above on the ground that the original import licence (both copies) has been lost/misplaced without having been registered with any port and utilised at all. In support of this, the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original import licence (both custom/Exchange control purpose copies) mentioned above has been lost and that duplicate copies thereof should be issued to the applicant.

In exercise of the power conferred on me under clause 9(cc) of the Import (Control) Order 1955 as amended from time to time, the undersigned cancels the import licence (both copies) No. G/O/2109311/C/XX/45/H/35-36, dated 16-11-1972 for Rs. 6,828 only for the import of (1) Compass and (2) Loud Hailer under Import Trade Control Schedule S. No. 89/V issued in favour of M/s. The Peoples Engineering and Motor Works Ltd, Howrah.

[File No. 26-P/Cont/72-73/GLS/87]

का० आ० 2924—सर्वश्री हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि०, बंगलूर कम्पलेक्स, बंगलूर का स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा के अन्तर्गत पूज्य भाग के आयात के लिये 8,08,000 रुपये का एक आयात लाइसेंस सं० पी/सी/2064033/सी/एक्स एक्स/43/एच/35-36 सी-जी-2, दिनांक 4-7-72 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आरो यह प्रतिवेदन किया गया है कि उक्त सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सीमाशुल्क प्राधिकारी, मद्रास के पास पंजीकृत करवाने के बाद खो गई थी और उसकी आवश्यकता 8,05,800 रुपये की धनराशि को पूरा करने के लिये है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधात्मसाक्षरी सवुट है कि आयात लाइसेंस सं० पी/सी/2064033/दिनांक 4-7-72 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निदेश देता है कि उन्हें लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जानी चाहिये। उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[स० सी जी 2/टी ई एक/31/72-73/513]

मार्० के० घोष, उप-मुख्य नियन्त्रक

S.O. 2924.—M/s. Hindustan Aeronautics Ltd., Bangalore complex Bangalore was granted Import Licence No. P/C/2064033/C/XX/43 H/35-36/CG II, dated 4-7-1972 for Rs. 8,08,000 under free Foreign Exchange for import of capital goods. They have requested for the issue of duplicate copy of Custom Purposes copy of the licence on the ground that original Custom Purposes copy has been lost. It has been further reported by the licensee that the said custom purposes copy was lost after having been registered with the custom authorities at Madras and is requested to cover the amount of Rs. 8,05,800.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Custom purposes copy of Import Licence No. P/C/2064033, dt. 4-7-1972 has been lost and directs that a duplicate customs purposes copy of the licence should be issued to them. The original custom purposes copy of the said licence is hereby cancelled.

[No. CGII/DFP/31/72-73/513]

R. K. GOSH, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 21 अक्तूबर, 1974

का० आ० 2925—सर्वश्री हिन्दुस्तान स्टील लि०, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर का 83,100 रुपये (निर्यात इजाजत एक सी रुपये मात्र) मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० आई/पी/1042402/सी/एक्स एक्स/36/एच/29-30 दिनांक 28-7-70 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकरण में पंजीकृत नहीं की गई थी और उगवा बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया था और 20-8-74 का इन पर 83,100 रुपये का उपयोग करना गैर था।

3. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने उप-मंडल मजिस्ट्रेट, दुर्गापुर से एक प्रमाण पत्र के साथ एक शपथ पत्र दाखिल किया है। तदनुसार से सवुट है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है। इसलिये यथासंभवित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप-धारा 9(सी सी) द्वारा प्रवृत्त अधिकाय का प्रयाग करने हुए सर्वश्री हिन्दुस्तान स्टील लि०, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर को जारी किए गए लाइसेंस सं० आई/पी/1032402/सी/एक्स एक्स/36/एच/29-30 दिनांक 28-7-70 की उक्त मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

3 उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि लाइसेंस-धारी को अवग से जारी की जा रही है।

[स० एच० एस० एल०/टी-5/70/71/पी०एस०एस०ए०]

एस० के० उस्मानी, उप-मुख्य नियन्त्रक

ORDER

New Delhi, the 21st October, 1974

S.O. 2925.—M/s. Hindustan Steel Ltd., Durgapur Steel Plant, Durgapur were granted an import licence No. 1/A/1042402/C/XX/36/H/29-30 dated 28-7-70 for Rs. 83,100/- (Rupees Eighty Three Thousand One Hundred only). They have applied for the issue of a duplicate Customs purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been lost/misplaced. It is further stated that the original customs purposes copy was not registered with any Customs Authorities and was not utilized at all and the balance available on it was Rs. 83,100/- as on 20-8-74.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit alongwith a certificate from Sub-Divisional Magistrate Durgapur. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of the said licence has been lost. Therefore in exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended, the said original Customs Purposes copy of licence No. 1/A/1042402/C/XX/36/H/29-30 dated 28-7-70 issued to M/s. Hindustan Steel Ltd., Durgapur Steel Plant, Durgapur, is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. HSL/D-5/70-71/PI.SA]

S. K. USMANI, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1974

का० आ० 2926—सर्वश्री गैजिज फोर्जर मिल्स, 165 हरिमजज कानपुर, द्वारा यह सूचना दी गई है कि 11680 रुपये (बीस हजार छः सौ अस्सी रुपये मात्र) मूल्य के लिये उनका प्रदान किए गए लाइसेंस

सं० पी०/डी०/2198366/सी/एक्स एक्स/51/एच/37-38 दिनांक 10-6-1974 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति बिनाकूल भी उपयोग किए बिना और किसी भी पतन पर पंजीकृत कराए बिना प्रस्थानस्थ हो गई है।

2 इस तर्क के समर्थन में सर्वश्री गैजिन्ज फ्लोर मिल्स, कानपुर ने एक शपथ पत्र दिया है। अधास्ताक्षरी समुष्ट है कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता है कि इस की अनुविधि प्रति उनको जारी की जानी चाहिये। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

3 लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुविधि अलग से जारी की जा रही है।

[सं० फ्लोर/4(2)/73-74/आर एम-5/896]

एन० सी० कान्जीलाल, उप-मुख्य नियंत्रक

## ORDER

New Delhi, the 22nd October, 1974

S.O. 2926.—It has been reported by M/s. Ganges Flour Mills, 165, Harrisganj, Kanpur that the Exchange Control Copy of import licence No. P/D/2198366/C/XX/51/H/37.38 dated 10-6-1974 granted to them for a value of Rs. 14,680 (Rupees fourteen thousand six hundred and eighty only) has been misplaced, without having been utilised at all and registered at any port.

2. In support of this contention, M/s. Ganges Flour Mills, Kanpur have given an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control purpose copy of the licence has been lost/misplaced and direct that a duplicate licence for Exchange Control copy should be issued to them. The original Exchange Control copy of the licence is cancelled.

3. A duplicate Exchange Control purpose copy of the licence is being issued separately.

[No. Flour/4(2)/73-74/RM-5/896]

N. C. KANJILAL, Dy. Chief Controller


औद्योगिक विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिक मंत्रालय  
(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1974

क्रा० आ० 2927.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिपूचित किया जाता है कि जिस मानक चिन्ह का डिजाइन, उसके शाब्दिक विवरण तथा सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है, वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिन्ह 1 अगस्त, 1973 से लागू हो आएंगे।

## अनुसूची

क्रम मानक चिन्ह को डिजाइन सं०	उत्पाद/उत्पाद का श्रेणी	सम्बन्धी भारतीय मानक की पद सख्या और शीर्षक	मानक चिन्ह की डिजाइन का शाब्दिक के विवरण
1. IS 4185 	गोद लगे कागज के टेप	IS 4185-1967 गोद लगे कागज के टेप की विनिर्दिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसख्या दी गई है।

[सं० सी० एम० डी०/13 : 9]

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, SCIENCE AND TECHNOLOGY


Indian Standard Institution

New Delhi, the 21st October, 1974

S.O. 2927.—In pursuance of sub rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 August 1973

## SCHEDULE



Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1.	IS : 4185 	Gummed paper tapes	IS : 4185—1967 Specification for gummed paper tapes.	The monogram of the Indian Standard Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13.9]

क्र० प्रा० 2928 —भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहूत) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक बिहूतों के डिजाइन उनके शाब्दिक विवरण तथा सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षको मजिद नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं,

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहूत) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक बिहूत 1 सितम्बर 1974 से लागू हो जाएंगे।

अनुसूची



क्रम सं०	मानक बिहूत की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बन्धी भारतीय मानक की पद- संख्या और शीर्षक	मानक बिहूत की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	IS 7121 	कार्बोरिल जलघूलन- शील तेज चूर्ण	IS 7121-1973 कार्बोरिल जलघूलन- शील तेज चूर्ण की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।
2.	IS 7122 	कार्बोरिल धूलन पाउडर	IS 7122-1973 कार्बोरिल धूलन पाउडर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।

[सं० सी० एम०डी०/13 9]

S.O. 2839.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design (s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark (s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 September, 1974

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	IS 7121 	Carbaryl water dispersible powder concentrates.	IS : 7121- 1973 Specification for carbaryl water dispersible pow- der concentrate .	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the mono- gram as indicated in the design.
2.	IS : 7122 	Carbaryl dusting powders	IS : 7122—1973 Specification for carbaryl dusting powders.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative pro- portions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design

का० प्रा० 2929.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुद्रा लगाने की फीस नीचे अनुसूची में दिए गए व्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है। यह फीस 1 सितम्बर, 1974 से लागू हो जाएगी।

## अनुसूची

क्रम सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुद्रा लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	कार्बोरिल जल विसर्जनीय तेज पूर्ण	IS : 7121—1973 कार्बोरिल जल विसर्जनीय तेज पूर्ण की विशिष्ट	एक मीटरी टन	(1) पहली 500 इकाइयों के लिए 5 00 प्रति इकाई; (2) 501 से 1000 तक इकाइयों के लिए रु० 3 00 प्रति इकाई; और (3) 1001 और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए रु० 1 00 प्रति इकाई।
	कार्बोरिल धूलन पाउडर	IS : 7122—1973 कार्बोरिल धूलन पाउडर की विशिष्ट	एक मीटरी टन	(1) पहली 5000 इकाइयों के लिए रु० 1 00 प्रति इकाई; (2) 5001 से 10000 तक इकाइयों के लिए 50 पैसे प्रति इकाई; और (3) 10001 और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए 25 पैसे प्रति इकाई।

[सं० सी० एम०डी०/13:10]

S.O. 2929.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come in to force with effect from 1 September 1974.

## SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Carbaryl water dispersible powder concentrates.	IS : 7121—1973 Specification for carbaryl water dispersible powder concentrates.	One Tonne	(i) Rs. 5.00 per unit for the first 500 units; (ii) Rs. 3.00 per unit for the 501st to 1000 units; and (iii) Re. 1.00 per unit for the 1001st unit and above.
2.	Carbaryl dusting powders	IS : 7122—1973 Specification for carbaryl dusting powders.	One Tonne	(i) Rs. 1.00 per unit for the first 5000 units; (ii) 50 Paise per unit for the 5001st to 10000 units, and (iii) 25 Paise per unit for the 10001 unit and above.

[No. CMD/13 : 10]

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1974

क्रा०स्रा० 2939—समय समय पर यशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिभूषित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में विवरण सहित दिये गये 129 लाइसेंसों का नवीकरण माह फरवरी, 1973 में किया गया है:—

## अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और तिथि	वैयक्तिक से	अवधि तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अन्तर्गत वस्तु प्रक्रिया और तत्संबंधी IS : पद नाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. सीएम/एल-39 4-11-1957	1-2-73	31-1-74	राष्ट्रीय मेटल इंडस्ट्रीज लि०, कुरुवा रोड, धर्मपुरी (पूर्व) बम्बई-41	पिटिंग एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्र धातु के बर्तन— IS : 21—1959	
2. सीएम/एल-40 4-11-1957	1-2-73	31-1-74	"	पिटिंग एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रधातु की चद्दरें, पलियां और बूत— IS : 21—1959	
3. सीएम/एल-50 20-1-1958	1-2-73	31-1-74	ईस्ट इंडिया प्लाईवुड कं० लि०, 2, नेताजी सुभाष रोड, बलकसा	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970	
4. सीएम/एल-51 20-1-1958	1-2-73	31-1-74	जैपुर टिम्बर एण्ड बेनियर मिशन प्रा० लि०, डिब्रुगढ़, जिला लखीमपुर (असम)	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970	
5. सीएम/एल-52 20-1-1958	1-2-73	31-1-74	दि मालाबार प्लाईवुड वर्क्स, बेरुवन्तूर, फेरोक (केरल)	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970	
6. सीएम/एल-59 20-1-1958	1-2-73	31-1-74	असम बंगाल बेनियर इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 9, कलाइव रो, कलकत्ता-1	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970	
7. सीएम/एल-107 4-11-1958	16-2-73	15-2-74	असम बेनियर एण्ड सा मिल्स लि०, 9, कलाइव रो, कलकत्ता-1	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970	
8. सीएम/एल-135 15-7-1959	1-2-73	31-1-74	भारवा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, जैपुर रोड, झाकसर जैपुर (असम)	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970	
9. सीएम/एल-137 3-8-1959	16-2-73	15-2-74	असम रेलवे एण्ड ट्रेडिंग कं० लि०, मार्बेरिटा (असम)	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970	
10. सीएम/एल-156 20-11-1959	16-1-73	15-1-74	मुलेबा वर्क्स लि०, मुलेबा पार्क, जादबपुर कलकत्ता-32	फेरो-गैलो टैनेट फाउन्टेन पेन की स्याही— IS : 220—1972	
11. सीएम/एल-158 15-1-1960	1-2-73	31-1-74	दि एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, डीराकुड, मबल-पुर जिला (उड़ीसा)	सभी प्रकार और साइजों के इस्पात की कोर वाले और मादे लड़वार एलुमिनियम बालक— IS : 398—1961	
12. सीएम/एल-208 29-7-1960	16-2-73	15-2-74	बंगाल केमिकल एण्ड कार्बोस्यूटिकल्स वर्क्स लि०, 6-गणेश चन्द्र एबेन्यू, कलकत्ता	नेपथामीन IS : 539—1955	
13. सीएम/एल-226 16-9-1960	16-1-73	15-1-74	मुलेबा वर्क्स लि०, मुलेबा पार्क, जादबपुर, कलकत्ता-32	फाउन्टेन पेन की स्याही (नीली, हरी, भूरी लाल और काली)— IS : 1221—1971	
14. सीएम/एल-242 17-10-1960	1-2-73	31-7-73	असम प्लाईवुड प्राइवेट्स, डिब्रुगढ़ (असम)	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1970	
15. सीएम/एल-244 28-11-1960	16-1-73	15-1-74	इंडियन प्लास्टिक लि०, पायसर ब्रिज, काटीगुली बम्बई-67	सामान्य कार्यों के लिये फेनोल फार्मालिडिड्स इड बलाई पाउडर ग्रेड 2 और 3— IS : 1300—1966	
16. सीएम/एल-253 26-12-1960	1-1-73	31-12-73	ट्राबनकोर केमिकल एण्ड रैन्डु० कं० लि०, मंजुपेल, ताम्र अक्सीक्लोराइड अल विमर्जनीय मेज वर्ण अलबॉय (केरल)	IS : 1507—1966	

1	2	3	4	5	6
17	सी० एम०/एल०-272 10-2-1961	16-2-73	15-2-74	मास्विगन इन्वेस्टिग वेबलम लि०, 1, ब्रायल एन्सुमिनियम बालक, इस्पान भवनित तथा पूर्ण इन्स्टीटयन रोड, पहाड़पुर-कलकत्ता-43	एन्सुमिनियम बालक— IS 398-1961
18	सी० एम०/एल०-301 17-5-1961	16-2-73	15-2-74	नेशनल माँ एण्ड प्लार्डिबुड थर्से, माकम रोड, दितमुखिया (अमम)	चाय की पेटियों के लिये प्लार्डिबुड के तख्ते— IS 10-1970
19	सी० एम०/एल०-327 31-7-1961	1-2-73	31-1-74	इडिया प्लार्डिबुड कम्पनी, 33 एम० के० देव० राड, पातीपुडुर (दमदम), कलकत्ता-48	चाय की पेटियों के लिये प्लार्डिबुड के तख्ते— IS 10-1970
20	सी० एम०/एल०-385 14-2-1962	16-2-73	15-2-74	अतम माँ मिन्म एण्ड टिम्बर क० लि०, 62, बाली-गज, सकुंलर राड, 1 रेनेपार्क, कलकत्ता-19	चाय की पेटियों के लिये प्लार्डिबुड के तख्ते— IS : 10-970
21	सी० एम०/एल०-494 31-12-1962	16-1-73	15-1-74	सी० एम० सी० (इडिया) सर्वेक्षण स० 529 निकट बिजली मक-स्टेशन, उदय रोड, अहमदाबाद-10	रग रोगन के लिये अट्रामैरीन नील— IS 55-1970
22	सी० एम०/एल०-525 28-3-1963	1-2-73	31-1-74	वेल्म एण्ड मेजम मिनीकेट, 76/2, ब्रवापुर रोड, लवडा	(क) छोटे तीन फेजी प्रेरण मोटर 0.37 किवा (1/2 हा० पा०) से 1 5 किवा (2 हा० पा०) 'ए' श्रेणी के रोघन वाले— IS 325—1961 और (ख) एकटूरी फेजी ऐसी० केपिसिटर स्टार्टर बिजली के मोटर 0 12 कि० पा० (1/2 हा० पा०) 'ए' श्रेणी के रोघन वाले— IS 996-1964
23	सी० एम०/एल०-546 5-6-1963	1-3-73	28-2-74	बरत टिम्बर अमम प्रा० लि०, माकम रोड, तिन सुखिया (अमम)	चाय की पेटियों के लिये प्लार्डिबुड के तख्ते— IS : 10-1970
24	सी० एम०/एल०-579 11-9-63	1-10-72	30-9-73	धीरेन्द्र मेटल वर्कस, 7/1, बनारस रोड, सलिया झाबडा	पिटवा एन्सुमिनियम के बर्तन फ्रेड एम० आई० सी०— IS 21-1959
25	सी० एम०/एल०-612 31-1-1963	1-2-73	31-1-74	नेशनल रिफाइनरी प्रा० लि०, 205/207, स्वामी चिषेकानन्द रोड, जोशेवरी, बम्बई-60	निम्न प्रकार क बाँधी, ताबे की पीतल बत्तन की गिथ धातुयें— (1) लुनोल 440 (2) लुनोल 510 और (3) लुनोल 620— IS 2927-1964
26	सी० एम०/एल०-615 31-12-1963	1-2-73	31-1-74	वेयर (इडिया) लि०, कोलगेट रोड, धाना	पैराशियोन पायमसीय तेज द्रव— IS 2129-1962
27	सी० एम०/एल०-631 [21-2-1964	1-2-73	31-1-74	"	मेथाफोस्फोराइल पारा क्लोराइड— IS 2358-1963
28	सी० एम०/एल०-632 21-2-1964	1-2-73	31-1-74	"	बीजो में लगाने के कार्बनिक पारे के पदार्थ— IS 3284-1965
29	सी० एम०/एल०-698 25-6-1964	16-1-73	15-1-74	एलाइड इन्डस्ट्रीज, हवा महल सडक, जयपुर दक्षिण, जयपुर	10 घोर 12 5 मीटर समार्ई वाली डब्ल्यू० सी० और मूत्रालयो में लगने वाली डबल मोह की टकियाँ, नीचे की छोड़ी— IS 774-1971
30	सी० एम०/एल०-714 29-6-74	1-2-73	31-7-73	लास्म प्राइवेट लि०, फरीदाबाद टाउनशिप, जिला गुडगाव (हरियाणा)	सरचना इस्पान (मानक किस्म) IS 226-1969
31	सी० एम०/एल०-715 29-6-1964	1-2-73	31-7-73	"	सरचना इस्पान (साधारण किस्म)— IS 1977-1969



1	2	3	4	5	6
32. सी० एम०/एल०-745 24-7-1964	1-2-73	31-1-74	लायड विट्यूमिन प्राइवेटम प्रा० लि०, 1-भारतल्ला रोड, कलकत्ता	कंक्रीट में जोड़ लगाने के सील करने का गर्म मसाला-ग्रेडबी० (जेट उड़ान ईंधन प्रतिरोधी)— IS : 1834—1961	
33. सी० एम०/एल०-803 26-10-1964	16-12-72	15-12-73	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स, छहरटा (पंजाब)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226—1969	
34. सी० एम०/एल०-804 26-10-1964	16-12-72	15-12-73	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स, छहरटा (पंजाब)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969	
35. सी० एम०/एल०-834 9-11-1964	1-2-73	31-1-74	स्पेशल स्टील लि०, वत्तापाड़ा रोड, बोरील्ली (पूर्व) बम्बई-92	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिये इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालकों की कोर के लिये इस्पात के तार— IS : 398—1961	
36. सी० एम०/एल०-983 24-12-1964	16-1-73	15-1-74	कमानी मेटलिक ब्रकमाइड प्रा० लि०, भागगा रोड, कुरला, बम्बई-70 (ए एम०)	रंग-रोगन के लिये जस्ता ब्रकमाइड— IS : 35—1950	
37. सी० एम०/एल०-984 24-12-1964	16-1-73	15-1-74	„	रंग-रोगन के लिये रेड लेड— IS : 57—1965	
38. सी० एम०/एल०-987 29-12-1964	1-2-73	31-1-74	वि राजबहादुर मोतीलाल पूना मिल्स लि०, 5, राजबहादुर मोतीलाल रोड, पूना-1	(क) ब्राइटिंग मशीन; (ख) ब्राइटिंग मशीन के स्टैंड— (ग) ब्राइटिंग मशीन के साथ लगने वाले प्रोटैक्टर (चाँवा) और पैमानों सहित ब्राइटिंग इकाई— IS : 2287—1970	
39. सी० एम०/एल०-989 31-12-1964	1-2-73	31-1-74	स्पेशल स्टील्स लि०, वत्तापाड़ा रोड, बोरील्ली (पूर्व), बम्बई-92	पूर्व प्रबलित कंक्रीट के लिये सादे बिजे इस्पात के तार— IS : 1785 (भाग 1)—1966	
40. सी० एम०/एल०-1020 4-3-1965	16-2-73	15-2-74	इंडोबान मिल्क प्राइवेटम लि०, बुढाना रोड, मुजफ्फरनगर, उ० प्र०	संघनित दूध— IS : 1166—1957	
41. सी० एम०/एल०-1152 12-10-1965	1-2-73	31-1-74	बेअर (इंडिया) लि०, कोलकोटा रोड, याना	मिथाइल पैराथियोस पायसनीय तेज द्रव— IS : 2865—1964	
42. सी० एम०/एल०-1162 4-11-1965	1-1-73	31-12-73	प्रेम केबल्स प्राइवेट लि०, डाकघर पिपलिया कला बरास्ता रायपुर भारवाड़, जिला पाली (राजस्थान)	शिरोपरिपावर प्रेषण कार्यों के लिये सख्त बिजे लड़वार एलुमिनियम और इस्पात कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961	
43. सी० एम०/एल०-1184 17-12-1965	1-3-73	28-2-74	टेक्समो इंडस्ट्रीज, जी० एन० मिल्स डाकघर, कोयम्बटूर-11	केवल तीन फेजी प्रेरण मोटर, 5.5 किवा (7.5 हा पा०) 'ए' श्रेणी के रोधन वाले— IS : 325—1961	
44. सी० एम०/एल०-1198 17-1-1966	1-2-73	31-1-74	बंगाल इनैमल लि०, इनैमल नगर पल्टा, 24, परगना (प० बंगाल)	भरेलू उपयोग के लिये इनैमल चढ़े बर्तन— IS : 3149—1968	
45. सी० एम०/एल०-1210 15-2-1966	16-2-73	15-2-74	अलपूर्ण बिस्कुट (मैनु०) कं०, 84/67, जी० टी० रोड, कानपुर (उ० प्र०)	बिस्कुट— IS : 1011—1968	
46. सी० एम०/एल०-1231 25-3-1966	1-2-73	31-1-74	स्पेशल स्टील्स लि०, वत्तापाड़ा रोड, बोरील्ली (पूर्व), बम्बई-92	(क) बिजनी के केबलों के लिये जस्ता चढ़े गोल कवच तार— IS : 434 (भाग 2)—1964 और (ख) कवच चढ़े केबल के लिये मृदु- इस्पात के तार और पत्तियाँ— IS : 3975—1967	

1	2	3	4	5	6
47. सी० एम०/एल०-1335 27-9-1966	1-3-73	28-2-74	इलेक्ट्रिकल मैन्यु० कं० लि०, 136, जैसोर रोड कलकत्ता-55	(1) निम्नलिखित प्रकार की शिरोपरि पावर लाइनों के लिये एलुमिनियम और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम बालकों के फिटिंग— (1) तनाव जोड़ (संपीड़ित प्रकार) (2) तनाव जोड़ (मरोड़ी स्लीव) (3) तनाव रहित जोड़ (4) मरम्मत वाली स्लीव (5) कवच सरिया फेरुल (6) एलुमिनियम के बंधाई तार और टैप (7) कवच सरिया आई० एस०:2121-1962 निम्नलिखित प्रकार के शिरोपरि पावर लाइनों के रोधन के फिटिंग— (1) निम्नलिखित क्लैम्प शिकंजे (क्लैम्प) (2) तनाव क्लैम्प (3) गोली और कटोरी जोड़ (4) बिठाव जोड़ (क्लेविन और टूंग जोड़) आई० एस०:2486(भाग 1)-1971	
48. सी० एम०/एल०-1372 26-12-1966	1-1-73	31-12-73	इम्पीरियल स्टोर्स एजेंसी कं०, 41, शिमला रोड, मानिकगोला, कलकत्ता-60	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग— आई० एस०:10-1970	
49. सी० एम०/एल०-1375 28-12-1966	16-1-73	15-1-74	सैंडोज (इंडिया) लि०, कोलगेट रोड, बाना	पैराथियान पायसनीय तेज द्रव— आई० एस०:2129-1962	
50. सी० एम०/एल०-1384 30-12-1966	1-2-73	31-1-74	हुसेनी मेटल रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, तांबा वाला प्रापर्टीज, रे रोड, बम्बई-10	एलुमिनियम के बर्तन ग्रेड एस० आई० सी०— आई० एस० 21-1959	
51. सी० एम०/एल०-1385 30-12-1966	1-2-73	31-1-74	ईगल बैकुधम बोतल मैन्यु० कं० प्रा० लि०, 144/46 गैरीफ देवजी स्ट्रीट, बम्बई-3	एलुमिनियम के बर्तन, एस० आई० सी० ग्रेड आई० एस०:21-1959	
52. सी० एम०/एल०-1386 2-1-1967	1-2-73	31-1-74	बर्न एंड कं० लि०, हावड़ा धायरन बक्स, नित्य धन मुखर्जी रोड, हावड़ा	जल कल कार्यों के लिये स्लूस वाल्व— ग्रेड 1, साइज 300 मिमी०— आई० एस०:780-1969	
53. सी० एम०/एल०-1430 14-4-1967	1-1-73	31-12-73	श्री बल्लभ ग्लास वर्क्स लि०, बल्लभ विद्यानगर बरास्ता धानन्ध (गुजरात)	चमकदार बक्शा कांच— आई० एस०:2553-1971	
54. सी० एम०/एल०-1461 16-6-1967	16-2-73	15-2-74	टाटा फाइबर इंडस्ट्रीज लि०, प्लाट सं० 94, इंडस्ट्रियल इस्टेट, भम्बासूर, मद्रास-58	बी० एच० सी० धूलन पाउडर— आई० एस० 561-1962	
55. सी० एम०/एल०-1486 10-8-1967	16-2-73	15-2-74	" "	ताम्र भास्वी क्लोराइड का जल विसर्जनीय तेज द्रव आई० एस० 1507-1966	
56. सी० एम०/एल०-1516 15-9-1967	16-1-73	15-1-74	स्टार फिटिंग वर्क्स, 17, हर चन्द्र मलिक स्ट्रीट, कलकत्ता-5	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग— आई० एस०:10-1970	
57. सी० एम०/एल०-1569 24-1-1967	16-12-74	15-12-73	कीन पेस्टीसाइड्स (प्रा०) लि०, साउथ बजाकुलम पेक्वम्बूर बरास्ता अल्वाय	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— आई० एस०:2567-1963	
58. सी० एम०/एल०-1591 21-12-1967	1-1-73	31-12-73	दिविजय मेटल इंडस्ट्रीज, बी०-34, फेज 2 मायापुरी रिबाड़ी लाइन इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-27	डोर क्लोजर (द्रव नियंत्रित) केवल साइज 1, 2 और 3— आई० एस०:3564-1970	
59. सी० एम०/एल०-1606 5-1-1968	16-1-73	15-1-74	मिन्व मेटल इंडस्ट्रीज, 1, पी० एन० मित्रालेन, टालीगंज, कलकत्ता-53	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग— आई० एस०:10-1970	
60. सी० एम०/एल०-1609 5-1-1968	16-1-73	15-1-74	बीजी इंडस्ट्रीज, 39/2, केनाल पश्चिम रोड, कलकत्ता-4	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग— आई० एस०:10-1970	

1	2	3	4	5	6
61. सी० एम०/एल०-1616 11-1-1968	16-1-73	15-1-74	ब्रजवासी इंसुलेटेड केबल कम्पनी, 4/19, भूतेश्वर रोड, मधुरा (उ० प्र०)	निम्नलिखित प्रकार के रबड़ रोधित केबल—	<p>(1) टेप लगे, ब्रेडेड और सहमिलित, इकहरी कोर 250/440 और 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले;</p> <p>(2) टेप लगे, ब्रेडेड और सहमिलित, इकहरी कोर 650/1100 वोल्ट ग्रेड तांबे के चालकों वाले—</p> <p>(3) टी० धार० एस० (सख्त रबड़ खोल वाले) इकहरी कोर 250/440 और 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले;</p> <p>(4) टी० धार० एस० (सख्त रबड़ खोल वाले) इकहरी कोर, 250/440 और 650/1100 वोल्ट ग्रेड तांबे के चालकों वाले—</p> <p>(5) टी० धार० एस० (सख्त रबड़ खोल वाले) दुहरी चपटे, 250/440 वो, ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले—</p> <p>(6) वी० धाई० धार० ब्रेडेड और सहमिलित इकहरी कोर, 250/440 वोल्ट ग्रेड तांबे के चालकों वाले;</p> <p>(7) ऋतुसह 250/440 वोल्ट ग्रेड, इकहरी कोर एलुमिनियम चालकों वाले और दुहरे, चपटे कोर तांबा के चालकों वाले—</p> <p>(8) ऋतुसह टेपलगे, ग्रेड और सहमिलित, इकहरी कोर, 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले—</p> <p>(9) ऋतुसह टेपलगे ब्रेडेड और सहमिलित दुहरे, चपटे कोर 250/440 और 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले,</p> <p>आई० एस०:434(भाग 1 और 2)-1964</p>
62. सी० एम०/एल०-1617 11-1-1968	16-1-73	15-1-74	ब्रजवासी इंसुलेटेड केबल कम्पनी, 4/19, भूतेश्वर रोड, मधुरा (उ० प्र०)	निम्नलिखित प्रकार के पीबीसी रोधित केबल—	<p>(1) बिना खोल वाले, इकहरी कोर 250/440 और 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम और तांबे के चालकों वाले,</p> <p>(2) पी० वी० सी० खोल वाले इकहरी कोर 250/440 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम और तांबे के चालकों वाले;</p> <p>(3) पी० वी० सी० खोल वाले इकहरी कोर, 650/1100 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले,</p> <p>(4) पी० वी० सी० खोल वाले, दुहरी, चपटी कोर 250/440 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम और तांबे के चालकों वाले,</p> <p>आई० एस०:694(भाग 1 और 2)-1964</p>

1	2	3	4	5	6
63. सीएम/एल-1626 24-1-1968	1-2-73	31-1-74	जेनिथ स्टील पाइप लि०, खोपोली, जिला कोलाबा, (महाराष्ट्र)	मध्यम और भारी ग्रेड, जस्ता चढ़ी और IS इस्पात की नलियाँ— आई० एस० 1239 (भाग 1)—1968	
64. सीएम/एल-1632 9-2-1968	16-2-73	15-8-73	दि कनारा वायर एंड वायर प्राइवेट्स लि०, ययादि पठाव, कोबाडी डाकघर मंगलौर	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969	
65. सीएम/एल-1633 9-2-1968	16-2-73	15-8-73	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1969	
66. सीएम/एल-1636 15-2-1968	16-2-73	15-2-74	टाटा फाइबरन इंडस्ट्रीज, प्लाट सं० 94, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बानूर मद्रास-58	एन्क्रिप्ट पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310-1958	
67. सीएम/एल-1638 16-2-1968	16-2-73	15-2-74	हिन्दुस्तान कंकड़र्स प्रा० लि०, सम्मुख रेलवे 'डी' केबिन, छानी रोड, बड़ीवा-2	पूर्ण एलुमिनियम आलक तथा इस्पात प्रबलित एलुमिनियम आलक— IS : 398-1961	
68. सीएम/एल-1659 27-3-1968	16-1-73	15-1-74	सेडोज (इंडिया) लि०, कोलशेट रोड, थाना	डी० डी० टी० पायसनीय तेज द्रव— IS : 633-1956	
69. सीएम/एल-1660 27-3-1968	16-1-73	15-1-74	"	मालाधियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567-1963	
70. सीएम/एल-1734 10-7-1968	16-1-73	15-1-74	फीबिल एंड कं०, एम०/33, इंडस्ट्रियल एरिया जलन्धर-4	फुटबाल, (फीता रहित) बास्केट बाल, (फीता रहित), बालीबाल (फीता रहित)— IS : 417-1969	
71. सीएम/एल-1769 21-8-1968	16-12-72	15-12-73	स्टैंडर्ड मिनरल प्राइवेट्स प्रा० लि०, सुभाष-नगर, जोगेश्वरी (पूर्व) बम्बई-60	डी० डी० टी० धूलन पाउडर— IS : 564-1961	
72. सीएम/एल-1832 14-11-1968	16-1-73	15-1-74	सेडोज (इंडिया) लि०, कोलशेट रोड, थाना	डी० एच० सी० धूलन पाउडर— IS : 561-1962	
73. सीएम/एल-1840 22-11-1968	1-12-72	31-5-73	इंडिकले प्लाट सं० 2, उद्योग नगर, गोरेगांव बम्बई-62	मालाधियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567-1963	
74. सीएम/एल-1857 11-12-1968	16-12-72	15-12-73	स्टैंडर्ड मिनरल प्राइवेट्स प्रा० लि०, सुभाष-नगर, जोगेश्वरी (पूर्व) बम्बई-60	डी० डी० टी० जलविसर्जनीय तेज पाउडर— IS : 565-1961	
75. सीएम/एल-1877 23-12-1968	16-12-72	15-12-73	सीमेंट वाटर प्रूफिंग ऑफ इंडिया, 2, प्रिंस अनवर शाह रोड, कलकत्ता-33 (पं० बंगाल)	सामान्य रूप से जमने वाला जलसह बनाने के सीमेंट संश्लेषित मसाला— IS : 2645-1964	
76. सीएम/एल-1880 30-12-1968	1-1-73	31-12-73	वुड फ्राफ्ट प्राइवेट्स लि०, डाकघर जैपुर, जिला लखीमपुर (ऊपरी असम)	लकड़ी के समतल कपाट (दोस मध्य भाग वाले) के ऊपर प्लाईवुड के तख्ते लगे— IS : 2202 (भाग 1)—1966	
77. सीएम/एल-1895 17-1-1969	1-2-73	31-1-74	धगधगा केमिकल्स वर्क्स लि०, धरुनगनेरी डाकघर तिरुनेलवेली जिला	ट्राइक्लोरोइथाइलीन— IS : 245-1970	
78. सीएम/एल-1903 24-1-1969	16-2-73	15-2-74	दि मिनिएचर बल्ब इंडस्ट्रीज ऑफ इंडिया, 131, कानवाली रोड, वैहरापूर (उ० प्र०)	खनिका की टोपी बलियों के लिये बल्ब— IS : 2596-1964	
79. सीएम/एल-1905 29-1-1969	1-2-73	31-1-74	कानूल मशीनरी 36-हृदयकृष्ण बनर्जी लेन हावड़ा ।	डोर क्लोथर (द्रव नियंत्रित) साइज-2— IS : 3564-1970	
80. सीएम/एल-1919 13-2-1969	1-1-73	31-12-73	इण्डियन केबल कं० लि०, गोलमुरी जमशेदपुर-3 ।	खनिका की टोपी बलियों के लिए लकड़ीसे केबल— IS : 2593-1964	
81. सीएम/एल-1927 26-2-1969	16-1-73	15-1-74	सेडोज (इंडिया) लि०, सेडोज बंग डाकघर कोलशेट, थाना ।	डी डी टी जलविसर्जनीय तेज पूर्ण— IS : 565-1961	

1	2	3	4	5	6
82. सीएम/एल-2013 9-7-1969	16-1-73	15-1-74	बी एण्ड एच सेखरो इलेक्ट्रोड्स प्रा० लि० 44/46 इण्डस्ट्रीयल इस्टेट लक्ष्मीबाई नगर इन्दौर-2 ।	मेटल थार्क वेल्टिंग के लिए सामान्य प्रवेश वाले मुदु इस्पात के ठके इलेक्ट्रोड— IS : 814-1967	
83. सीएम/एल-2022 23-7-1969	16-1-73	15-7-73	गुप्ता इंजीनियरिंग वर्क्स रेलवे रोड कपूरथला (पंजाब) ।	प्रेशर कुकर— IS : 2347-1966	
84. सीएम/एल-2030 25-7-1969	1-2-73	31-1-74	क्वालिटी ग्राइसकीम क० बी-12 लारेंस रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली-35 ।	ग्राइस कीम— IS : 2802-1964	
85. सीएम/एल-2066 8-9-1969	16-9-72	15-9-73	वि इण्डस्ट्रीयल इलेक्ट्रोड एण्ड गैजेट लि० 146 अन्तूल रोड हावड़ा-3 ।	संरचनाओं की मेटल थार्क वेल्टिंग के लिए इलेक्ट्रोड— IS : 814-1970	
86. सीएम/एल-2138 31-10-1969	1-1-73	31-12-73	नेशनल पेस्टीसाइड्स, 5-इण्डस्ट्रीयल इस्टेट विदिशा (म०प्र०) ।	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1962	
87. सीएम/एल-2156 28-11-1969	1-1-73	30-6-73	„	एल्ट्रिन धूलन पाउडर— IS : 1308-1958	
88. सीएम/एल-2178 22-12-1969	1-1-73	31-12-73	बंगाल फिटिंग फैक्टरी पी-10 ट्रांसपोर्ट डिपो रोड कलकत्ता-27 ।	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	
89. सीएम/एल-2213 15-1-1970	16-1-73	15-1-74	अजीत इण्डस्ट्रीयल कारपोरेशन लक्ष्मीपुर आयल मिल एरिया पूर्णानन्द वाम रोड निकट शास्तिपाड़ा रेलवे गेट डिब्रुगढ़ जिला लक्ष्मीपुर (असम) ।	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	
90. सीएम/एल-2220 22-1-1970	1-2-73	31-1-74	कनोडिया केमिकल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लि० डाक- घर रेणुकट जिला मिर्जापुर (उ०प्र०) ।	बी एच सी तकनीकी— IS : 560-1961	
91. सीएम/एल-2258 9-2-1970	1-2-73	31-1-74	साउथ इण्डिया वायर रोप्स लि० एन्नातला डाकघर बरारसा अस्साई (केरल) ।	(क) खानों में बंधाई के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 1855-1961 (ख) खानों में बुलाई के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 1856-1970	
92. सीएम/एल-2239 9-2-1970	1-2-73	31-1-74	„	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS : 2266-1970	
93. सीएम/एल-2249 10-2-1970	16-2-73	15-2-74	नाकटे टिम्बर कम्पनी प्रा० लि० देवमाली डाकघर देवमाली, (खोमसा डिबीजन) अरुणाचल ।	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10-1970	
94. सीएम/एल-2252 10-2-1970	16-2-73	15-2-74	बी० उत्तम सिंह एण्ड सन्स, 12 बस्ती नौ, जलन्धर सिटी, (पंजाब) ।	हाथी-स्टिक— IS : 829-1965	
95. सीएम/एल-2256 16-2-1970	16-2-73	15-2-74	पैक वेल् इण्डस्ट्रीज, 'ए'-मिनरवा इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, शेड नं० 3, डालमिया इस्टेट, मुमुई (पश्चिम) बम्बई-80 ।	पैराथियोन पायसमीय तेज द्रव— IS : 2129-1962	
96. सीएम/एल-2345 16-6-1970	1-1-73	30-6-73	नेशनल पेस्टीसाइड्स, 5, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, विदिशा (म०प्र०) ।	मालाथियोस धूलन पाउडर— IS : 2568-1963	
97. सीएम/एल-2370 21-7-1970	1-1-73	31-12-73	असम टिम्बर ट्रीटिंग वर्क्स, मारबेरिटा (असम) ।	चाय की पेटियों के लिए पट्टियां— IS : 10-1970	
98. सीएम/एल-2381 31-7-1970	16-1-73	15-7-73	ब्रह्मप्पा तबनप्पानवर प्रा० लि०, कृष्णराज रोड, पो० बा० मं० 7, देवनगर (मैसूर राज्य) ।	पशुओं के लिए मिश्रित आहार— IS : 2052-1968	
99. सीएम/एल-2382 31-7-1970	1-2-73	31-7-73	नैलाश सों मिल्स, गांव घकी, पठानकोट, (पंजाब) ।	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड की पट्टियां— IS : 10-1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
100. सीएम/एल-2400 31-8-1970	16-2-73	15-2-74	भारती मिनरल्स, 15/7 मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा) ।	मालाधियोन पायसनीय तेज द्रव— IS 2567-1963	
101. सीएम/एल-2502 4-1-1971	1-1-73	31-12-73	निर्मल ट्रेडिंग कम्पनी, 75, क्षेत्र मिल लेन, सल्लिया ह्वाड़ा ।	चाय के पेटियो के लिए धातु के फिटिंग— IS 10-1970	
102. सीएम/एल 2505 11-1-1971	16-1-73	15-1-74	शाह मेडिकल एण्ड सर्जिकल क० लि०, भजवा रोड, बडौदा (गुजरात) ।	पारे वाले रक्तचापमापी— IS 3390-1965	
103. सीएम/एल-2511 15-1-1971	16-1-73	15-1-74	वीवान इण्डस्ट्रीज (रजि०) 308/5 'ए' शाह-जादा बाग, पुरानी रोहतास रोड, दिल्ली-7 ।	डोर-क्लोजर (द्रव नियंत्रित) साइज-1 और 2 केबल— IS 3564-1970	
104. सीएम/एल-2539 9-2-1971	16-2-73	15-2-74	बैस्टन इण्डिया बेजिटेबल प्रॉडक्ट्स लि०, भ्रमल-नेर, जिला जलगाव ।	18-मीटर समाई वाले वर्गाकार टिन— IS 916-1966	
105. सीएम/एल-2549 18-2-1971	1-3-73	30-11-73	किलीसन जूट मिल्स क० लि०, टीटागढ़, 24 परगना (प० बंगाल) ।	जूट के गलीचो के पीछे लगाने का कपड़ा— IS 4900-1969	
106. सीएम/एल-2567 25-2-1971	1-3-73	30-11-73	ग्रॉकलेण्ड जूट कम्पनी लिमिटेड, जगवल, 24 परगना (प० बंगाल) ।	जूट के गलीचो के पीछे लगाने का कपड़ा— IS 4900-1969	
107. सीएम/एल-2679 17-5-1971	16-3-73	15-3-74	मादी केवल इण्डस्ट्रीज, सी 2 ए, शेड संख्या 1, (जी आई डी सी) ऊधव इण्डस्ट्रीयल एरिया, ग्रहमवादा ।	तापनम्य रोधित ऋतुसह केबल— (क) पी वी सी रोधित और पी वी सी खोल वाले 250/440 वो० और 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम जालको वाले— IS 3035 (भाग 1)-1965; और (ख) पोलीइथाइलीन रोधित और पोली-थाइलीन खोल वाले 250/440 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम जालको वाले— IS 3035 (भाग 3)-1967	
108. सीएम/एल-2680 17-5-1971	16-3-73	15-3-74	मोदी केबल इण्डस्ट्रीज, सी 2 ए शेड संख्या 1 (जी आई डी सी) ऊधव इण्डस्ट्रीयल एरिया, ग्रहमवादा ।	पोलीथीन रोधित और पी वी सी खोल वाले केबल 250/440 वोल्ट ग्रेड एलुमिनियम जालको वाले— IS 1596-1962	
109. सीएम/एल-2756 31-8-1971	16-9-72	15-9-73	भार० एम० बटर्जी भायरल फाउण्ड्री (प्रा०) लि०, 63, सीता नाथ बोस लेन, सल्लिया, ह्वाड़ा ।	बालू डले लोहे के मल पाइप (100 मिमी तक के मध्यम साइज)— IS 1729-1964	
110. सीएम/एल-2821 26-11-1971	1-12-72	15-8-73	एस० के० जी० गुजर लि०, (डिस्टिलरी डिवाजन) डाकघर मीरगंज, जिला सारन, बिहार ।	ब्राण्डी— IS 4450-1967	
111. सीएम/एल-2833 8-12-1971	16-12-72	15-12-73	मणिपुर खादी एण्ड विलेज इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन, (बड़ई और लोहार इकाई) महारमा गांधी एवेन्यू, इम्फाल ।	मछु मक्खियों के छल्ले— IS 1515-1969	
112. सीएम/एल-2864 5-1-1972	16-1-73	15-1-74	अमेरिकन स्प्रिंग एण्ड प्रेंसिंग वर्क्स प्रा० लि०, मलाङ्ग, बम्बई-64 एम०बी० ।	एकहुरी नली वाले पायबान लगे पम्प— IS 1971-1965	
113. सीएम/एल-2866 7-1-1972	16-1-73	15-1-74	ग्लैडस्टन लायड एम्पलाइज कोऑपरेटिव सोसाइटी लि०, 59, कामीचरन घोष रोड, कलकत्ता-50	जलसह और नमीसह बनाने के लिए बिद्युत्मेन नमूने-स्टाइप 3, ग्रेड 1— IS: 1322-1970	
114. सीएम/एल-2867 10-1-1972	16-1-73	15-1-74	ए० भार० वीवानजी एण्ड क०, डी०-687, लेकगार्डन, कलकत्ता-45 ।	चाय की पेटियो के लिए धातु के फिटिंग— IS 10-1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
115. सीएम/एल-2971 14-1-1972	16-1-73	15-1-74	सेन्ट्रल इन्सेक्टोसाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स, साकी-नाका, बिहार लेक रोड, कुरला, बम्बई-70	मालाथियोन धूलन पाउडर— IS: 2568-1963	
116. सीएम/एल-2873 14-1-1972	16-1-73	15-10-73	इण्डस्ट्रीयल मिनरल्स एण्ड केमिकल्स क० प्रा० लि०, कुरला-मरोल रोड, चकला, बम्बई-58	बलोरडेल धूलन पाउडर— IS: 2864-1964	
117. सीएम/एल-2874 14-1-1972	16-1-73	15-10-73	„	फेनीट्राथियोन— IS: 5281-1969	
118. सीएम/एल-2875 14-1-1972	16-1-73	15-10-73	„	डाइजीनानोन पायसमीय तेज द्रव— IS: 2861-1964	
119. सीएम/एल-2879 17-1-1972	16-1-73	31-8-73	पम्पासर डिस्टिलरी, इण्डिया शुगर एण्ड रिफाइनरीज लि०, होजपेट, बेलारी जिला (मैसूर राज्य) ।	कच्ची शराब— IS: 5287-1969	
120. सीएम/एल-2882 20-1-1972	1-2-73	31-1-74	वि इण्डियन टूल मैयूफैक्चरर्स लि०, 101, सायन रोड, मायन बम्बई-22 डी डी	(क) समानास्तर शैक वाले चक मे लगने वाले रीमर— IS: 5446-1969 (ख) मोम गावबुम शैको वाले चक मे लगने वाले रीमर— IS: 5447-1969 (ग) मोस गावबुम शैक वाले माफेट— IS: 5907-1970 (घ) गावबुम पिन वाले मशीन रीमर— IS: 5918-1970 (ङ) मशीन जिज रीमर— IS: 5919-1970 (च) शैल रीमर— IS: 5926-1970 और (छ) मशीन जिज रीमर— IS: 6091-1971	
121. सीएम/एल-2884 24-1-1972	1-2-73	31-1-74	इन्दौर स्टील एण्ड प्रायरन मिल्स, फोर्जे एण्ड ब्लोअर क० के पीछे नरीया रोड, ग्रहमवा-बाद-2 ।	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मरीझी इस्पात की विकृत सरिया— IS: 1786-1966	
122. सीएम/एल-2887 25-1-1972	1-2-73	31-1-74	बम्बई केमिकल प्रा० लि०, 19, विक्टोरिया रोड, लो लेवल, रे रोड, मजगांव, बम्बई-10 ।	निर्दूषक द्रव— IS: 1061-1964	
123. सीएम/एल-2888 31-1-1972	1-2-73	31-1-74	हिन्दुस्तान स्टील लि०, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मार्शलिंग गार्ड एरिया दक्षिण बीच रोड, मद्रास ।	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठण्डी मरीझी इस्पात की विकृत सरिया— IS: 1786-1966	
124. सीएम/एल-2890 31-1-1972	1-2-73	28-2-74	सेन्ट्रल इन्सेक्टोसाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स, साकी-नाका, बिहार लेक रोड, बम्बई-72 ।	पैराथियोन पायसमीय तेज द्रव— IS: 2129-1962	
125. सीएम/एल-2891 31-1-1972	1-2-73	28-2-74	„	मिथाइल पैराथियोन पायसमीय तेज द्रव— IS: 2865-1964	
126. सीएम/एल-2892 31-1-1972	1-2-73	15-3-74	टाटा फाइबर इण्डस्ट्रीज लि०, 431/4 पच-पखाड़ी गांव बालराजेश्वर मन्दिर रोड, मुसुर्ग, बम्बई-80 ।	फेनीट्राथियोन पायसमीय तेज द्रव— IS: 5281-1969	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
127. सीएम/एल-2895 2-2-1972	1-2-73	31-1-74	इण्डस्ट्रीयल इंजीनियरिंग वर्क्स, 16, सरदार प्रतापसिंह इण्डस्ट्रियल इस्टेट जगत मंगल रोड, भांडुप, बम्बई-78।	कंठ्रीट प्रबलन के लिए ठण्डी मरोड़ी इस्पात की विहृत सरिया--- IS: 1786-1966	
128. सीएम/एल-2915 6-2-1972	16-2-73	15-2-74	वि इण्डियन स्टील रोलिंग मिल्स लि०, मिल बिल्डिंग, नागपट्टिनम।	5 मिमी तक व्यास वाले धीक की कमकवार सावे मरे वाली मृदु इस्पात के तार की कीलें--- IS: 723-1961	
129. सीएम/एल-2941 24-2-1972	1-3-73	28-2-74	हिन्दुस्तान नेशनल ग्लास एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, गुरु गार्डेन रोड, रिषरा, जिला हुगली।	दूध की कांच की बोतलें--- IS: 1392-1967	

[सं० सी० एम० डी०/13:12]

ए० के० गुप्ता उपमहानिदेशक

New Delhi, the 22nd October, 1974

**S.O.2930.**—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that one hundred and twenty-nine licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of February 1973.

## THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity From	To	Name and Address of Licensee	Article/Process covered by the Licence and the Relevant IS : Designation
(1)	(2) f	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-39 4-11-1957	1-2-73	31-1-74	Rashtriya Metal Industries Ltd., Kurla Road, Andheri (East), Bombay-41.	Wrought aluminium and aluminium alloy Utensils— IS : 21-1959
2.	CM/L-40 4-11-1957	1-2-73	31-1-74	-do-	Wrought aluminium and aluminium alloy sheets, strips and circles— IS : 21-1959
3.	CM/L-50 20-1-1958	1-2-73	31-1-74	East India Plywood Co. Ltd., 2 Netaji Subhas Road, Calcutta.	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
4.	CM/L-51 20-1-1958	1-2-73	31-1-74	Jeypore Timber & Veneer Mills (P) Ltd., Dibrugarh Distt. Lakhimpur (Upper Assam).	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
5.	CM/L-52 20-1-1958	1-2-73	31-1-74	The Malabar Plywood Works, Cheruvannur, Perole (Kerala).	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
6.	CM/L-59 20-1-1958	1-2-73	31-1-74	Assam Bengal Veneer Industries Pvt. Ltd. 9, Clive Row, Calcutta 1.	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
7.	CM/L-107 4-11-1957	16-2-73	15-2-74	Assam Veneer & Saw Mills Ltd., 9 Clive Row, Calcutta-1.	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
8.	CM/L-135 15-7-1959	1-2-73	31-1-74	Sarda Plywood Industries (P) Ltd., Jeypore Road, P.O. Jeypore (Assam)	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
9.	CM/L-137 3-8-1959	16-2-73	15-2-74	Assam Railways & Trading Co. Ltd., Margherita (Assam).	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
10.	CM/L-156 20-11-1959	16-1-73	15-1-74	Sulekha Works Ltd., Sulekha Park, Jadawpur, Calcutta-32.	Ferro—gallo tannate fountain pen ink— IS : 20-1972
11.	CM/L-158 15-1-1960	1-2-73	31-1-74	The Aluminium Industries Ltd., Hirakud, Sambalpur Dt. (Orissa).	Steel—cored and plain stranded aluminium conductors of all types and sizes— IS : 398-1961
12.	CM/L-208 29-7-1960	16-2-73	15-2-74	Bengal Chemical & Pharmaceutical Works Ltd., 6 Ganesh Chandra Avenue, Calcutta.	Napthalene— IS : 539-1955
13.	CM/L-226 16-9-1960	16-1-73	15-1-74	Sulekh Works Ltd., Sulekha Park, Jadawpur, Calcutta 23.	Fountain pen ink (blue, green, violet Red & black)— IS : 1221-1971
14.	CM/L-232 17-10-1960	1-2-73	31-7-73	Assam Plywood Products Dibrugarh (Assam).	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
15.	CM/L-244 28-11-1960	16-1-73	15-1-74	Indian Plastic Limited, Poisar Bridge, Kandivli Bombay-67.	P.F. Moulding powder (For general purposes) Grades 2 & 3— IS : 1300-1966



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. CM/L-253 26-12-1960		1-1-73	31-12-73	Travancore Chemical & Manufacturing Co. Ltd., Manjummel, Alwaye (Kerala).	Copper oxychloride water dispersible powder concentrates— IS : 1507-1966
17. CM/L-272 10-2-1961		16-2-73	15-2-74	Sahibganj Electric Cables Ltd., 1, Oil Installation Road, Paharpur, Calcutta-53.	Aluminium conductors, steel-reinforced and all aluminium conductors— IS : 398-1966
18. CM/L-301 17-5-1961		16-2-73	15-2-74	National Saw & Plywood Works Makum Road, Tinsukia (Assam).	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
19. CM/L-327 31-7-1961		1-2-73	31-1-74	India Plywood Company, 33 S.K. Dev Road, Pathipookar (Dum Dum), Calcutta-48.	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
20. CM/L-385 14-2-1962		16-2-73	15-2-74	Assam Saw Mills & Timber Co. Ltd., 62, Ballygunge Circular Road, 1, Rainey Park, Calcutta-19.	Tea—chest plywood panels— IS : 10-1970
21. CM/L-494 31-12-1962		16-1-73	15-1-74	C.M.C. (India), Survey No. 529 Near Electricity Sub-Station, Odhav Road, Ahmedabad 10.	Ultramarine blue for paints— IS : 55-1970
22. CM/L-525 28-3-1963		1-2-73	31-1-74	Weights and Measures Syndicate, 76/2, Ichapur Road, Howrah.	(a) Small three-phase induction motors of 0.37 kW ( $\frac{1}{2}$ hp) to 1.5 kW (2hp) with class 'A' insulation— IS : 325-1961 and (b) Single-phase ac capacitor start electric motors from 0.12 kW ( $\frac{1}{6}$ kp) to 0.75 kW (1 hp) with class 'A' insulation— IS : 996-1964
23. CM/L-546 5-6-1963		1-3-73	28-2-74	Varat Timber Assam Pvt. Ltd., Makum Road, Tinsukia (Assam).	Tea—chest plywood panels IS : 10-1970
24. CM/L-579 11-9-1963		1-10-72	30-9-73	Dhirendra Metal Works, 7/1, Benaras Road, Salkia, Howrah.	Wrought aluminium utensils, Grade ICS IS : 21-1959
25. CM/L-612 31-12-1963		1-2-73	31-1-74	National Refinery Pvt. Ltd., 205/207, Swami Vivekanand Road, Jogeshwari Bombay-60.	Silver Copper brazing alloys of the following brands : (i) Lunol 440 (ii) Lunol 510 and (iii) Lunol 620— IS : 2927-1964
26. CM/L-615 31-12-1963		1-2-73	31-1-74	Bayer (India) Ltd, Kolshet Road, Than a.	Parathion emulsifiable concentrates— IS : 2129-1962
27. CM/L-631 21-2-1964		1-2-73	31-1-74	-do-	Methoxyethyl mercury chloride— IS : 2358-1963
28. CM/L-632 21-2-1964		1-2-73	31-1-74	-do-	Organo mercurial dry seed— IS : 3284-1965
29. CM/L-698 25-6-1964		16-1-73	15-1-74	Allied Industries, Hawa Sarak, Jaipur South, Jaipur.	Cast iron flushing cisterns for water closets and urinals, (bell type) high level, 10 and 12.5 litres capacity— IS : 774-1971
30. CM/L-714 29-6-1964		1-2-73	31-7-73	Lauls Private Ltd., Faridabad Township, Distt. Gurgaon (Haryana).	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
31. CM L-715 29-6-1964		1-2-73	31-7-73	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
32. CM/L-745 24-7-1964		1-2-73	31-1-74	Lloyd Bitumen Products Pvt. Ltd., 1, Tara-tola Road, Calcutta.	Hot applied sealing compounds for joints in concrete Grade-B (Jet fuel resistant)— IS : 1834-1961
33. CM/L-803 26-10-1964		16-12-72	15-12-73	Partap Steel Rolling Mills, Chheharta (Punjab).	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969
34. CM/L-804 26-10-1964		16-12-72	15-12-73	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969
35. CM/L-834 9-11-1964		1-2-73	31-1-74	Special Steels Ltd., Dattapara Road, Borivli (East) Bombay-92.	Steel Wire for the core of steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398-1961
36. CM/L-983 24-12-1964		16-1-73	15-1-74	Kamani Metallic Oxides Pvt. Ltd., Agra Road, Kurla, Bombay-70 (AS)	Zinc Oxide for Paints— IS : 35-1950
37. CM/L-984 24-12-1964		16-1-73	15-1-74	Do.	Red lead for Paints— IS : 57-1965
38. CM/L-987 29-12-1964		1-2-73	31-1-74	The Raja Bahadur Motilal Poona Mills Ltd., 5, Raja Bahadur Motilal Road, Poona-1.	(a) Drafting machines, (b) Stands for use with drafting machines; (c) Drafting units alongwith protractor head and scales for use with drafting machines— IS : 2287-1970
39. CM/L-989 31-12-1964		1-2-73	31-1-74	Special Steels Ltd., Dattapara Road, Borivli (East), Bombay-92.	Plain hard-drawn steel wire for prestressed concrete— IS : 1785 (Part I)-1966

1	2	3	4	5	6
40. CM/L-1020 4-3-1965	16-2-73	15-2-74	Indodan Milk Products Ltd., Budhana Road, Muzaffarnagar (UP).	Condensed milk— IS : 1166-1957	
41. CM/L-1152 12-10-1965	1-2-73	31-1-74	Bayer (India) Ltd., Kolshet Road, Thana.	Methyl parathion EC— IS : 2865-1964	
42. CM/L-1162 4-11-1965	1-1-73	31-12-73	Prem Cables Private Ltd., P.O. Pipalia-Kalan, Via Raipur-Marwar, Distt. Pali (Rajasthan).	Hard-drawn standard aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398-1961	
43. CM/L-1184 17-12-1965	1-3-73	28-2-74	Texmo Industries G.N. Mills P.O. Coimbatore-11.	Three-phase induction motors upto 5.5 kw (7.5 hp) only with class 'A' insulation— IS : 325-1961	
44. CM/L-1198 18-1-1966	1-2-73	31-1-74	Bengal Enamel Limited, Enamelnagar, Palta, 24 Parganas (WB)	Enamelware for home use— IS : 3149-1968	
45. CM/L-1210 15-2-1966	16-2-73	15-2-74	Annapurna Biscuits (Mfg) Co., 84/67, G.T. Road, Kanpur (UP).	Biscuits— IS : 1011-1968	
46. CM/L-1231 25-3-1966	1-2-73	31-1-74	Special Steels Ltd., Dattapara Road, Borivli (East) Bombay-92.	(a) Galvanized round armour wires for electric cables— IS : 434 (Part II)—1964 and (b) Mild steel wires and strips for armouring cables— IS : 3975-1967	
47. CM/L-1335 27-9-1966	1-3-73	28-2-74	Electrical Mfg. Co Ltd., 136, Jessore Road, Calcutta-55.	1. Fittings for aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power lines of the following types :— (i) Tension joints (compression type) (ii) Tension joints (twisting sleeves) (iii) Non-tension joints (iv) Repair sleeves (v) Armour rod ferrules (vi) Aluminium binding wire and tape (vii) Armour rods IS : 2121-1962 2. Insulator fittings for overhead power lines of the following types :— (i) Suspension clamps (ii) Tension clamps (iii) Ball & Socket combination (iv) Clevis and tongue combination IS : 2486 (Part I)-1971	
48. CM/L-1372 26-12-1966	1-1-73	31-12-73	Imperial Stores & Agency Co., 41, Simla Road, Menicktole, Calcutta-60.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970	
49. CM/L-1375 28-12-1966	16-1-73	15-1-74	Sandoz (India) Ltd., Kolshet Road, Thana.	Parathion EC— IS : 2129-1962	
50. CM/L-1384 30-12-1966	1-2-73	31-1-74	Hooselni Metal Rolling Mills Pvt. Ltd., Tambawala Properties, Reay Road, Bombay-10.	Aluminium Utensils Grade SIC— IS : 71-1959	
51. CM/L-1385 30-12-1966	1-2-73	31-1-74	Eagle Vacuum Bottle Mfg. Co. Private Ltd., 144/46 Shoriff Devji Street, Bombay-3.	Aluminium Utensils, SIC Grade— IS : 21-1959	
52. CM/L-1386 2-1-1967	1-2-73	31-1-74	Burn & Co. Ltd., Howrah Iron Works, Nityadhan Mukherjee Road, Howrah.	Sluice valves for water-works purposes, Class 1 upto 300 mm size— IS : 780-1969	
53. CM/L-1430 14-4-1967	1-1-73	31-12-73	Shree Vallabh Glass Works Ltd., Vallabh Vidyanagar, Via Anand, (Gujarat).	Laminated safety glass— IS : 2553-1971	
54. CM/L-1461 16-6-1967	16-2-73	15-2-74	Tata Fison Industries Limited, Plot No. 94, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58.	BHC dusting powder— IS : 561-1962	
55. CM/L-1486 10-8-1967	16-2-73	15-2-74	Do.	Copper oxychloride water dispersible powder concentrates— IS : 1507-1966	
56. CM/L-1516 15-9-1967	16-1-73	15-1-74	Star Fitting Works, 17 Hurro Chandra Mullick Street, Calcutta-5.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970	
57. CM/L-1569 24-11-1967	16-12-72	15-12-73	Keen Pesticides (Pvt.) Ltd., South Vazhakulam prumbavoor, Via Alwaye.	Malathion EC— IS : 2567-1963	
58. CM/L-1591 21-12-1967	1-1-73	31-12-73	Vigvijay Metal Industries, B-34, Phase II, Mayapuri, Rewari Line Industrial Area, New Delhi-27.	Door closers (hydraulically regulated), Sizes 1, 2 and 3 only— IS : 3564-1970	
59. CM/L-1606 5-1-1968	16-1-73	15-1-74	Hind metal Industries, 1, P.N Mitra Lane, Tollygunge, Calcutta-53.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970	
60. CM/L-1609 5-1-1968	16-1-73	15-1-74	Boozee Industries, 39/2, Canal West Road, Calcutta-4.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970	

1	2	3	4	5	6
61. CM/L-1616 11-1-1968	16-1-73	15-1-74	Brijbasi Insulated Cable Company, 4/19, Bhuteshwar Road, Mathura (U.P.)	Rubber-insulated cables of the following types : (i) Taped, braided and compounded, single core, 250/440 and 650/1100 volts grades with aluminium conductor, (ii) Taped, braided and compounded, single core, 650/1 100 volts grade with copper conductor (iii) TRS (Tough Rubber Sheathed), single core, 250/440 and 650/1100 volts grades with aluminium conductor (iv) TRS (Tough Rubber Sheathed), single core, 250/440 and 650/1100 volts grades with copper conductor (v) TRS (Tough Rubber Sheathed), twin flat, 250/440 volts grade with aluminium conductor (vi) VIR braided and compounded, single core, 250/440 volts grade with copper conductor (vii) Weatherproof 250/440 volts grade, single core with aluminium conductor and twin flat core with copper conductor (viii) Weatherproof, taped, braided and compounded, single core, 650/1 100 volts grade with aluminium conductor (ix) Weatherproof, taped, braided and compounded, twin flat core, 250/440 and 650/1100 volts grades with aluminium conductor IS : 434 (Part I & II)-1964	
62. CM/L-1617 11-1-1968	16-1-73	15-1-74	Brijbasi Insulated Cable Company, 4/19, Bhuteshwar Road, Mathura (U.P.)	PVC Insulated Cables of the following types— (i) Unsheathed, single core, 250/440 and 650/1100 volts grades with aluminium and copper conductors (ii) PVC sheathed, single core, 250/440 volts grade with aluminium and copper conductors (iii) PVC sheathed, single core, 650/1100 V grade with aluminium conductor (iv) PVC sheathed, twin flat core, 250/440 V grade with aluminium and copper conductors IS : 694 (Part I & II)-1964	
63. CM/L-1626 24-1-1968	1-2-73	31-1-74	Zenith Steel Pipes Ltd., Khopoli, Distt. Kolaba (Maharashtra).	Mild steel tubes, light, medium and heavy grade, galvanised and black— IS : 1239 (Part I)-1968	
64. CM/L-1632 9-2-1968	16-2-73	15-8-73	The Canara Wire & Wire Products Ltd., Yeyyadi Padavu, Konchady P.O. Mangalore.	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1969	
65. CM/L-1633 9-2-1968	16-2-73	15-8-73	Do.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1969	
66. CM/L-1636 15-2-1968	16-2-73	15-2-74	Tata Fison Industries, Plot No. 94, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58.	Emulsion Emulsifiable concentrates— IS : 1310-1958	
67. CM/L-1638 16-2-1968	16-2-73	15-2-74	Hindustan Conductors Pvt. Ltd., Opp. Rly 'D' Cabin, Chhani Road, Baroda-2.	AAC and ACSR conductors— IS : 398-1961	
68. CM/L-1659 27-3-1968	16-1-73	15-1-74	Sandoz (India) Ltd., Kolshet Road, Thana.	DDT EC— IS : 633-1956	
69. CM/L-1660 27-3-1968	16-1-73	15-1-74	Do.	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1963	
70. CM/L-1734 10-7-1968	16-1-73	15-1-74	Freewill & Co., S/33, Industrial Area, Jullundur-4.	Football (laceless), basketball (laceless), volleyball (laceless)— IS : 417-1969	
71. CM/L-1769 21-8-1968	16-12-72	15-12-73	Standard Mineral Products Pvt. Ltd., Subhash Nagar, Jogeshwani (East), Bombay-60.	DDT dusting powders— IS : 564-1961	
72. CM/L-1832 14-11-1968	16-1-73	15-1-74	Sandoz (India) Ltd., Kolshet Road, Thana.	BHC—DP— IS : 561-1962	

1	2	3	4	5	6
73. CM/L-1840 22-11-1968	1-12-72	31-5-73	Indiclay, Plot No. 2, Udyog Nagar, Goregaon, Bombay-62.	Malathion EC— IS : 2567-1963	
74. CM/L-1857 11-12-1968	16-12-72	15-12-73	Standard Mineral Products Pvt. Ltd., Subhash Nagar, Jogeshwari (East), Bombay-60.	DDT WDPC— IS : 565-1961	
75. CM/L-1877 23-12-1968	16-12-72	15-12-73	Cement Waterproofing of India, 2, Prince Anwar Shah Road, Calcutta-33 (West Bengal).	Integral Cement waterproofing compound, normal setting— IS : 2645-1964	
76. CM/L-1880 30-12-1968	1-1-73	31-12-73	Wood Craft Products Ltd., P.O. Jeypore, Distt. Lakhimpur (Upper Assam).	Wooden flush door shutters (solid core type) with plywood face panels— IS : 2202 (Part I)-1966	
77. CM/L-1895 17-1-1969	1-2-73	31-1-74	Dhrangadhra Chemical Works Ltd., Arunaganeri P.O., Tirunelveli Distt.	Trichloroethylene— IS : 245-1970	
78. CM/L-1903 24-1-1969	16-2-73	15-2-74	The Miniature Bulb Industries of India 131 Kanwali Road, Dohra Dun (U.P.)	Bulbs (lamps) for Miners Cap-lamps; IS : 2696-1964	
79. CM/L-1905 29-1-1969	1-2-73	31-1-74	Consul Machinery, 36, Hriday Krishna Banerjee Lane, Howrah.	Door closers (hydraulically regulated), size 2— IS : 3564-1970	
80. CM/L-1919 13-2-1969	1-1-73	31-12-73	Indian Cable Co. Ltd., Golmuri, Jamshedpur-3.	Flexible Cables for miner's cap-lamps— IS : 2593-1964	
81. CM/L-1927 26-2-1969	16-1-73	15-1-74	Sandoz (India) Ltd., Sandoz Bang Post Office, Kolshet, Thana.	DDT WDPC— IS : 565-1961	
82. CM/L-2013 9-7-1969	16-1-73	15-1-74	D & H Secheron Electrodes Private Ltd., 44/46, Industrial Estate, Laxmibai Nagar, Indore-2(M.P.)	Covered electrodes for metal arc welding of mild steel of normal penetration type— IS : 814-1967	
83. CM/L-2022 23-7-1969	16-1-73	15-7-73	Gupta Engineering Works, Railway Road, Kapurthala (Punjab).	Pressure cookers— IS : 2347-1966	
84. CM/L-2030 25-7-1969	1-2-73	31-1-74	Kwality Ice Cream Co., B-12, Lawrance Road, Industrial Area New Delhi-35.	Ice-cream— IS : 2802-1964	
85. CM/L-2066 8-9-1969	16-9-72	15-9-73	The Industrial Electrodes & Gauges Ltd., 146, Andul Road, Howrah-3.	Covered electrodes for metal arc welding of structural— IS : 814-1970	
86. CM/L-2138 31-10-1969	1-1-73	31-12-73	National Pesticides, 5 Industrial Estate, Vidisha (M.P.).	BHC dusting powders— IS : 561-1962	
87. CM/L-2156 28-11-1969	1-1-73	30-6-73	Do.	Aldrin dusting powders— IS : 1308-1958	
88. CM/L-2178 22-12-1969	1-1-73	31-12-73	Bengal Fittings Factory, P-10, Transport Depot Road, Calcutta-27.	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970	
89. CM/L-2213 15-1-1970	16-1-73	15-1-74	Ajcent Industrial Corporation, Lakhimpur Oil Mill Area, Purnananda Das Road, Near Santipara-Railway Gate, Dibrugarh Distt. Lakhimpur (Assam).	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970	
90. CM/L-2220 22-1-1970	1-2-73	31-1-74	Kanoria Chemicals & Industries Ltd., P.O. Renukoot, Distt. Mirzapur (U.P.).	BHC, technical— IS : 560-1961	
91. CM/L-2238 9-2-1970	1-2-73	31-1-74	South India Wire Ropes Ltd., Edathala P.O. Via Alwaye (Kerala).	(a) Steel wire ropes for winding purposes in mines— IS : 1855-1961 (b) Steel wire ropes for haulage purposes in mines— IS : 1856-1970	
92. CM/L-2239 9-2-1970	1-2-73	31-1-74	Do	Steel wire ropes for general engineering purposes— IS : 2266-1970	
93. CM/L-2249 10-2-1970	16-2-73	15-2-74	Nocte Timber Company Pvt. Ltd., Deomali, P.O. Deomali (Khonsa Division), NEFA.	Tea-chest plywood panels— IS : 10-1970	
94. CM/L-2252 10-2-1970	16-2-73	15-2-74	B. Uttam Singh & Sons, 12, Basti Nau, Jullundur city (Punjab)	Hockey sticks— IS : 829-1965	
95. CM/L-2256 16-2-1970	16-2-73	15-2-74	Pack Well Industries, A-Minerva Industrial Estate, Shed No. 5, Dalima Estate, Mulund (West) Bombay-80	Panathion EC - IS : 2129-1962	
96. CM/L-2345 16-6-1970	1-1-73	30-6-73	National Pesticides, 5 Industrial Estate, Vidisha (M.P.)	Malathion dusting powders— IS : 2568-1963	
97. CM/L-2370 21-7-1970	1-1-73	31-12-73	Assam Timber Treating Works, Margherita (Assam)	Tea-chest battens— IS : 10-1970	
98. CM/L-2381 31-7-1970	16-1-73	15-7-73	Bramhappa Javanappanavar Pvt. Ltd., Krishnaraja Road, Post Box No.7, Davangere (Mysore State)	Compounded feeds for cattle— IS : 2052-1968	
99. CM/L-2382 31-7-1970	1-2-73	31-7-73	Kailash Saw Mills, Village Dhaki, Pathankot (Pb.)	Plywood tea-chest battens— IS : 10-1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
100. CM/L-2400 31-8-1970	16-2-73	15-2-74	Artes Minerals, 15/7, Mathura Road, Faridabad (Haryana)	Molathin emulsifiable concentrates— IS : 2567-1963	
101. CM/L-2502 4-1-1971	1-1-73	31-12-73	Nirmal Trading Company, 75, Kshetra Mittra Lane, Salikia, Howrah	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970	
102. CM/L-2505 11-1-1971	16-1-73	15-1-74	Shah Medical & Surgical Co Ltd, Ajwa Road, Baroda (Gujarat)	Sphygmomanometers, mercurial— IS : 3390-1965	
103. CM/L-2511 15-1-1971	16-1-73	15-1-74	Dewan Industries (Regd), 308/5 A Shalinda Bugh, Old Rohtak Road, Delhi-7	Door closers (hydraulically regulated) Sizes 1 and 2 only— IS : 3564-1970	
104. CM/L-2539 9-2-1971	16-2-73	15-2-74	Western India Vegetable Products Ltd., Amalner, Distt. Jalgaon	18 Litre square tins— IS : 916-1966	
105. CM/L-2549 18-2-1971	1-3-73	30-11-73	Kianison Jute Mills Co Ltd, Titaghur, 24 Parganas (West Bengal)	Jute Carpet backing fabric— IS : 4900-1969	
106. CM/L-2567 25-2-1971	1-3-73	30-11-73	Auckland Jute Company Limited, Jagatdal, 24, Parganas (West Bengal)	Jute Carpet backing fabric— IS : 4900-1969	
107. CM/L-2679 17-5-1971	16-3-73	15-3-74	Modi Cable Industries, C 2A Shed No. 1 (GIDC), Odhav Industrial Area, Ahmedabad	Thermoplastic insulated weatherproof cables : (a) PVC insulated and PVC sheathed 250/440 V and 650/1100 volts with aluminium conductors— IS : 3035 (Part I)-1965 and (b) Polyethylene insulated and polyethylene sheathed, 250/440 volts grade with aluminium conductors— IS : 3035 (Part III)-1967	
108. CM/L-2680 17-5-1971	16-3-73	15-3-74	Modi Cable Industries, C2A Shed No. 1 (GIDC), Odhav Industrial Area, Ahmedabad	Polythene insulated and PVC sheathed 250/440 volts grade with aluminium conductors— IS : 1596-1962	
109. CM/L-2757 31-8-1971	16-9-72	15-9-73	R. M. Chatterjee Iron Foundry (P) Ltd, 63, Sitanath Boose Lane, Salkia, Howrah	Sandcast Iron soil pipes (upto 100 mm nominal size)— IS : 1729-1964	
110. CM/L-2821 26-11-1971	1-12-72	15-8-73	S.K.G. Sugar Ltd, (Distillery Division), P.O. Mirganj Distt. Saran (Bihar)	Brandy— IS : 4450-1967	
111. CM/L-2833 8-12-1971	16-12-72	15-12-73	Manipur Khadi & Village Industries Association, (Carpentry & Blacksmithy Unit) Mahatma Gandhi Avenue, Imphal	Beehives— IS : 1515-1969	
112. CM/L-2864 5-1-1972	16-1-73	15-1-74	American Spring & Pressing Works Pvt Ltd., Malvi, Bombay-64 NB	Single-barrel stirrup pump— IS : 1971-1965	
113. CM/L-2866 7-1-1972	16-1-73	15-1-74	Gladstone Lyall Employees Industrial Co-operative Society Ltd, 59 Kalicharan Ghosh Road, Calcutta-50	Bitumen felts for water-proofing and damp-proofing, Type 3, Grade I— IS : 1322-1970	
114. CM/L-2867 10-1-1972	16-1-73	15-1-74	A.R. Dewanee & Co., D-687, Lake Gardens Calcutta-45	Tea-chest metal fittings— IS : 10-1970	
115. CM/L-2871 14-1-1972	16-1-73	15-1-74	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla, Bombay-70	Malthion DP— IS : 2568-1963	
116. CM/L-2873 14-1-1972	16-1-73	15-10-73	Industrial Minerals & Chemicals Co Pvt Ltd, Kurla Merol Road, Chakala, Bombay-58.	Chlordane DP— IS : 2864-1964	
117. CM/L-2874 14-1-1972	16-1-73	15-10-73	-Do-	Fenitrothion— IS : 5281-1969	
118. CM/L-2875 14-1-1972	16-1-73	15-10-73	-Do-	Diazinon EC— IS 2861-1964	
119. CM/L-2879 17-1-1972	16-1-73	31-8-73	Pampas distillery India Sugars and Refineries Ltd, Hospet, Bellary Distt; (Mysore State)	Country Spirit— IS : 5287-1969	
120. CM/L-2882 20-1-1972	1-2-73	31-1-74	The Indian Tool Manufacturers Ltd, 101, Sion Road, Sion, Bombay-22 DD	(a) Chucking reamers with parallel shanks— IS : 5446-1969 (b) Chucking reamers with morse taper shanks— IS : 5447-1969 (c) Socket reamers with morse taper shanks— IS : 5907-1970 (d) Taper pin machine reamers— IS : 5918-1970 (e) Machine bridge reamers— IS : 5919-1970 (f) Shell reamers— IS : 5926-1970 and (g) Machine jig reamers— IS : 6091-1971	

1	2	3	4	5	6
121. CM/L-2884 24-1-1972		1-2-73	31-1-74	Indore Steel & Iron Mills, Behind Forge & Blower Co. Naroda Road, Ahmedabad-2.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966.
122. CM/L-2887 25-1-1972		1-2-73	31-1-74	Bombay Chemical Pvt Ltd., 19, Victoria Road, Low Level, Reay Road, Mazagaon, Bombay-19	Disinfectant fluids— IS : 1061-1964.
123. CM/L-2888 31-1-1972		1-2-73	31-1-74	Hindustan Steel Ltd., Madras Port Trust, Marashalling Yard Area, South Beach Road, Madras.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966.
124. CM/L-2890 31-1-1972		1-2-73	28-2-74	Central Insecticides & Fertilizers Saki Naka, Vihar Lake Road, Bombay-72.	Parathion EC— IS : 2129-1962.
125. CM/L-2891 31-1-1972		1-2-73	28-2-71	-Do-	Methyl parathion emulsifiable concentrates— IS : 2865-1964.
126. CM/L-2892 31-1-1972		1-9-73	15-3-74	Tata Fison Industries Ltd., 431/4, Panchpakhi Village, Balrajeswari Temple Road, Malun I, Bombay-80.	Fenitration emulsifiable concentrates— IS : 5281-1969.
127. CM/L-2895 2-2-1972		1-2-73	31-1-74	Industrial Engineering Works, 16, Sardar Putap Singh Industrial Estate, Jangle Mangle Road, Bhandup, Bombay-78.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966.
128. CM/L-2915 6-2-1972		16-2-73	15-2-74	The Indian Steel Rolling Mills Ltd., Mill Buildings, Nagapattinam.	Mild steel wire nails, bright finished plain head upto shank dia. 5mm— IS : 723-1961.
129. CM/L-2941 24-2-1972		1-3-73	28-2-74	Hindustan National Glass & Industries Ltd., Guru Garden Road, Rishra, Distt., Hooghly.	Glass milk bottles— IS : 1392-1967.

[No. CMD/13 : 12]

A. K. GUPTA, Deputy Director General.

## पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

## पेट्रोलियम विभाग

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1974

का० प्रा० 2931.—यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० प्रा० न० 1459, तारीख 16-5-74 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में सतत अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजनों के लिए अर्जित करने का अपना आणव्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देनी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में सतत अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनबू द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में सतत अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजनों के लिए एनबू द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तब और

प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषण के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

बी ई यू से बी ई एच (ए) तक और बी ई एच (ए) से जी जी एच न० 1 तक लाइन बिछाने के लिए।

राज्य	पुञ्जरात	तालुका	मातर	जिला : कैडा
ग्राम	सर्वेक्षण न०	हेक्टर	ए और ई	पी० ए और ई
नवाग्राम	611	0	0.2	52

[स० 12016/6/74-एन० एच एच०]

पी० पी० गुप्ता, उप सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 25th September, 1974

S.O. 2931.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1459, dated 16-5-1974 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the Power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances

#### SCHEDULE

##### FOR LINE FROM BFU TO BFH (A) TO GGS. No-1

State : Gujarat	Taluka : Matar	District : Kaira		
Village	Survey No.	Hectare	Are.	P. Area
Nawagam . . .	641	0	02	52

[No. 12016/6/74-I&L]

P. P. GUPTA, Dy. Secy

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 मिनम्बर, 1974

का० आ० 2932 — औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 में आगे और संशोधन करने के लिए उन कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिन्हें केन्द्रीय सरकार औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 6(2), 33 और 33एन० द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड तथा आर्थर्विक और यूनानी औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के बाद बनाने का विचार रखती है उक्त धारारों द्वारा यथापक्षित, उन सभी व्यक्तियों के सूचनार्थ जिनका इसमें प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करती है और एतद्द्वारा नोटिस देती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तिथि के 45 दिन अथवा इसके बाद विचार किया जायेगा।

2 उपर्युक्त प्रारूप के संबंध में किसी व्यक्ति से प्रथा विनिर्दिष्ट निधि से पूर्व या आक्षेप अथवा सुझाव प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायेगा।

नियमों का प्रारूप

1. ये नियम औषधि एवं प्रसाधन सामग्री (संशोधन) नियम 1974 कहे जायें।

2. औषधि एवं प्रसाधन नियमावली, 1915 के नियम 1 के उप-नियम (2) में "जम्मू व काश्मीर राज्य को छोड़कर" शब्द हटा दिये जायें।

[स० एम्स० 11011/3/72-डी० एण्ड एम्स० एम्स०]

#### MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 28th September, 1974

S.O. 2932.—The following draft of certain rules, further to amend the Drugs and Cosmetic Rules, 1945, which the Central Government proposes to make after consultation with the Drugs Technical Advisory Board and the Ayurvedic and Unani Drugs Technical Advisory Board in exercise of the powers conferred by sections 6(2), 33 and 33N of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (1923 of 1940) is published, as required by the said sections, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that

the said draft will be taken into consideration on or after 45 days from the date of its publication

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

#### DRAFTS RULES

1 These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Amendment) Rules, 1974.

2. In sub-rule (2) of rule 1 of the Drugs and Cosmetics Rules, 1945 the words "except the State of Jammu & Kashmir" shall be omitted.

[No. X. 11011/3/72-D&MS]

गुडि-पत्र

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1974

का० आ० 2933 — भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय को दिनांक 7 जून, 1971 की अधिसूचना संख्या फ० आ० 1573 में और भारत के राजपत्र के भाग 2 खंड 3(II) के पृष्ठ 1613-14 में प्रस्तावना के दूसरे पैरा के बाद "रा० (श्रीमती) लीला राम कुमार प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटियाला" से संबंधित प्रविष्टियों में 'निर्वाचित करने वाले विश्वविद्यालय का नाम' वाले कालम के अन्तर्गत 'पंजाब विश्वविद्यालय' के स्थान पर 'पंजाबी विश्वविद्यालय' पढ़े।

[स० बी० 11011/2/73-एम० बी० टी०]

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd October, 1974

S.O. 2933.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No S.O. 1573, dated the 7th June, 1974, and published in the Gazette of India page 1613 of the Gazette dated 22nd June, 1974, Part II, section 3(ii) at pages 1613-14 after the second paragraph of the preamble, in the entries relating to "Dr. (Mrs.) Leila Ram Kumari, Principal, Government Medical College, Patiala", under the column "Name of University which elected her", for "Punjab University", read "Punjabi University".

[No. V. 11013 2/73-MPT]

का० आ० 2934 — भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 12 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम को द्वितीय अनुसूची में एतद्द्वारा आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः —  
उक्त अनुसूची में ;

(1) "ब्रिटेन" शीर्षक के अन्तर्गत हुई प्रविष्टियों में "रायल कालेज ऑफ सर्जनस ऑफ इंग्लैंड" प्रविष्टि के सामने कालम 2, 3 और 4 में वर्तमान प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रख दी जायें, नामतः —

न० एफ० ए० आर० सी० एम्स० फेला . . आर० सी० एम्स० (इंग्लैंड)

(फेकल्टी ऑफ मेडिसीन)

बशर्ते कि यह अथवा किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद दी गई हो।

(2) "रायल कालेज ऑफ फिजीशियन्स एण्ड सर्जनस, लन्दन" प्रविष्टि के सामने कालम 2, 3 और 4 में वर्तमान प्रविष्टियों के बाद, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रख दी जायें, नामतः —

“रायल कॉलेज ऑफ एम०आर०सी० (माइक्रो) . . . . . सदस्य  
 माइक्रोसॉफ्ट्सम आर०सी० माइक्रो (सन्वन)  
 (लन्वन)\*\* \*\*वर्षान्त यह अर्हता किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होने  
 के बाद दी गई हो।  
 [सं० बी० 11015/22/74-एम० पी० टी०]

**S.O. 2934.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 12 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government hereby makes the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, namely:—

In the said schedule,

(i) in the entries under the heading “United Kingdom”, against the entry “Royal College of Surgeons of England”, in columns 2, 3 and 4, after the existing entries, the following entries shall be inserted, namely:—

“F.F.A.R.C.S. . . . Fellow R.C.S. (Eng.) Provided that this (Faculty of Anaesthesia) qualification has been awarded after qualifying at an examination.”;

(ii) against the entry “Royal College of Physicians and Surgeons, London,” in columns 2, 3 and 4, after the existing entries, the following entries shall be inserted namely:—

Royal College of M.R.C. Psych. . . . Member  
 Psychiatrists R.C.P sych. (Lond.) Provided that  
 (London) . . . this qualification has been  
 forwarded after qualifying at  
 an examination.”.

[No. V. 11015/22/74-MPT]

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1974

का० आ० 2935.—यत्. भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपखंडों के अनुसरण में और उड़ीसा सरकार मे परामर्श करने हुए, केन्द्रीय सरकार डा० गोपीनाथ प्रसाद मोहनन्ती, निवेशक, चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण, उड़ीसा, भुवनेश्वर को 31 अगस्त, 1974 से डा० एम० एम० प्रधान के स्थान पर, जो इस्तीफा दे गए है, भारतीय चिकित्सा परिषद्, का सदस्य मनोनीत करती है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपखंडों का अनुसरण करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम०-1 दिनांक 9 जनवरी, 1960 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के अन्तर्गत मनोनीत” शीर्ष के प्रस्ताव क्रमांक 1 के सम्मुख वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रख ली जाए —

“डा० गोपीनाथ प्रसाद मोहनन्ती,

निवेशक,

चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण,

उड़ीसा, भुवनेश्वर।

[सं० बी० 11013/1/74-एम० पी० टी०]

श्रीमती सती नायर, अवर सचिव।

New Delhi, the 26th October, 1974

**S.O. 2935.**—Whereas the Central Government has, in pursuance of the provisions of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Orissa, nominated Dr. Gopinath Prasad Mohanty, Director of Medical Education and Training, Orissa, Bhubaneswar, to be a member of the Medical Council of India with effect from the 31st August, 1974 vice Dr. M. M. Pradhan resigned;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading “Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3”, against serial No. 1, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

“Dr. Gopinath Prasad Mohanty,  
 Director of Medical Education and Training,  
 Orissa, Bhubaneswar”.

[No. V. 11013/1/74-MPT]

MRS. SATHI NAIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1974

का० आ० 2936.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की प्रथम अनुसूची के पैरा 1 का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निर्धारित करती है कि भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् में आयुर्वेद, सिद्ध एवं यूनानी प्रत्येक चिकित्सा पद्धति के लिए हिमाचल प्रदेश को एक सीट आयुर्वेद तथा एक सीट यूनानी की नियत होगी और भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) को 10 अगस्त, 1971 की अधिसूचना संख्या एफ० 3-9/69-आ० सी० में निम्नलिखित संशोधन करनी है :—

उक्त अधिसूचना में, सारिणी में हरियाणा संबंधी प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां रख ली जाये। नामतः :—

राज्य अथवा केन्द्र शासित क्षेत्र का नाम	सीटों की संख्या	
	आयुर्वेद सिद्ध	यूनानी
1	2	
हिमाचल प्रदेश	1	1

[सं० बी० 26016/1/74/आ० सी०]

पी० बी० हरिहरशर्मा, उप सचिव।

New Delhi, the 22nd October, 1974

**S.O. 2936.**—In pursuance of paragraph 1 of the First Schedule to the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government hereby determine that the number of seats allocated in the Central Council of Indian Medicine to each of the Ayurveda, Siddha and Unani Systems of Medicine in respect of the State of Himachal Pradesh, shall be one seat for Ayurveda and one seat for Unani and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. F. 3-9/69-AF, dated the 10th August, 1971, namely:—



In the said notification, in the Table, after the entries relating to Haryana the following entries shall be inserted, namely :—

1	2
Name of State or Union Territory	Number of seats for Ayurveda Siddha Unani
Himachal Pradesh	1 — 1

[No. V, 26016/1/74-AE]

P. V. HARIHARASANKARAN, Dy. Secy.

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1974

क्र० आ० 2937.—सार्वजनिक परिसर (अनाधिकृत अधिभोक्ताओं का निष्कासन) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित सारिणी के कालम (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जोकि सरकारी राजपत्रित अधिकारी के स्तर के समतुल्य अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है तथा उक्त अधिकारी उसे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करेगा और इसी सारिणी के कालम (2) में निविष्ट सार्वजनिक परिसरों के संबंध में अपने क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाओं के अन्तर्गत इस अधिनियम द्वारा अथवा इसके अन्तर्गत सम्पदा अधिकारियों को सौंपे गये कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारिणी

अधिकारी का पदनाम	सार्वजनिक परिसरों के वर्ग तथा क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं
रजिस्ट्रार भारतीय खनन, स्कूल, धनबाद	ऐसे परिसर जो भारतीय खनन, स्कूल, धनबाद से संबंधित हों अथवा जिन्हें उक्त स्कूल द्वारा पट्टे पर लिया गया हो अथवा जिन्हें उस स्कूल की ओर से अधिग्रहित किया गया हो; और जो उस स्कूल के प्रशासनिक नियंत्रण में हों।

[संख्या एक० 7-39/73-टी०-6]

आर० एल० खेड़ा, सहायक शिक्षा सलाहकार (तक.)

MINISTRY OF EDUCATION & S. W.

(Department of Education)

New Delhi, the 21st October, 1974

S.O. 2937.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the table below, being the officer equivalent to the rank of a gazetted officer of Government to be estate officer for the purposes of the said Act and the said officer shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under his Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

94 GI/74-6.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of Public premises and the local limits of jurisdiction
1	2
The Registrar, Indian School of Mines, Dhanbad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by, or on behalf, of the Indian School of Mines, Dhanbad, and which are under its administrative control.

[No. F. 7-39/73-T.6]

R. L. KHERA, Asstt. Educational Adviser(T)

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवर पक्ष)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1974

क्र० आ० 2938.—भारतीय व्यापार पोत (नाविक रोजगार कार्यालय, कलकत्ता) नियम 1954 के नियम 5 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा..... से दो वर्ष की अवधि के लिये कलकत्ता पत्तन में नाविक रोजगार बोर्ड (विदेशगामी) की स्थापना करती है और निम्नलिखित व्यक्तियों को उसके सदस्य नियुक्त करती है, अर्थात्:—

- |                                                                |                                              |
|----------------------------------------------------------------|----------------------------------------------|
| 1. नौवहन महानिदेशक                                             | सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य        |
| 2. नाविक रोजगार कार्यालय कलकत्ता के प्रभारी नौवहन उप महानिदेशक |                                              |
| 3. अभाव्युक्त पश्चिम बंगाल कलकत्ता                             |                                              |
| 4. शिपिंग मास्टर, कलकत्ता                                      |                                              |
| 5. प्रधान नाविक कल्याण अधिकारी, कलकत्ता                        |                                              |
| 6. निदेशक, नाविक रोजगार कार्यालय, कलकत्ता                      |                                              |
| 7. श्री एन० के० सेन                                            | पोतस्वामियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य |
| 8. श्री टी० वागशी                                              |                                              |
| 9. श्री के० पुरी                                               |                                              |
| 10. श्री एस० पुरी                                              |                                              |
| 11. कप्तान बी० एस० पावरी                                       |                                              |
| 12. कप्तान जी० सी० राय                                         |                                              |
| 13. श्री विजय मुखर्जी                                          | नाविक का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य        |
| 14. श्री एन० सी० भारद्वाज                                      |                                              |
| 15. श्री सुनील दास                                             |                                              |
| 16. श्री अजीत चक्रवर्ती                                        |                                              |
| 17. श्री शुभेन्द्र चटर्जी                                      |                                              |
| 18. समीर चक्रवर्ती                                             |                                              |

नौवहन महानिदेशक बोर्ड के अध्यक्ष होंगे। नाविक रोजगार कार्यालय, कलकत्ता के प्रभारी नौवहन उपमहानिदेशक बोर्ड के उपाध्यक्ष होंगे।

निदेशक, नाविक रोजगार कार्यालय, कलकत्ता बोर्ड के सचिव के तौर पर कार्य करेंगे।

[फाइल सं० एम० एस० ई० (43)/74-एम० टी०]

वि० बी० सुब्रह्मण्यम, उप सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 22nd October, 1974

**S.O. 2938.**—In pursuance of rule 5 of the Indian Merchant Shipping (Seamen's Employment Office, Calcutta) Rules, 1954, the Central Government hereby establishes Seamen's Employment Board (Foreign Going) at the port of Calcutta for a period of two years with effect from the date of issue of this notification and appoints the following persons to be members, thereof, namely :—

- |                                                                                                    |                                    |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------|
| 1. The Director General of Shipping.                                                               | } Members representing Government. |
| 2. The Deputy Director General of Shipping, in charge of the Seamen's Employment Office, Calcutta. |                                    |
| 3. The Labour Commissioner, West Bengal, Calcutta.                                                 |                                    |
| 4. The Shipping Master, Calcutta.                                                                  |                                    |
| 5. The Principal, Seamen's Welfare Officer, Calcutta.                                              |                                    |
| 6. The Director, Seamen's Employment Office, Calcutta.                                             |                                    |
| 7. Shri N.K. Sen.                                                                                  | } Members representing Shipowners. |
| 8. Shri T. Bagchi.                                                                                 |                                    |
| 9. Shri K. Puri.                                                                                   |                                    |
| 10. Shri S. Puri.                                                                                  |                                    |
| 11. Capt. B.S. Pavri.                                                                              |                                    |
| 12. Capt G. C. Rao.                                                                                |                                    |
| 13. Shri Bijoy Mukherjee.                                                                          | } Members representing Seafarers.  |
| 14. Shri N.C. Bhardwaj.                                                                            |                                    |
| 15. Shri Sunil Das.                                                                                |                                    |
| 16. Shri Ajit Chakraborty.                                                                         |                                    |
| 17. Shri Subhendu Chatterjee.                                                                      |                                    |
| 18. Shri Samir Chakraborty.                                                                        |                                    |

The Director General of Shipping shall be the Chairman of the Board. The Deputy Director General of Shipping in charge of the Seamen's Employment Office, Calcutta shall be the Vice Chairman of the Board.

The Director, Seamen's Employment Office, Calcutta shall act as the Secretary of the Board.

[File No. MSE(43)/74-MT]

V. V. SUBRAHMANYAM, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1974

**क्र० प्रा० 2939.**—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड iii के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने नाबद्धीप टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1 दिसम्बर, 1974 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 8-16/74-पी एन जी]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P &amp; T Board)

New Delhi, the 29th October, 1974

**S.O. 2939.**—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-12-74 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Nabadwip Telephone Exchange West Bengal Circle.

[No. 5-16/74-PHB]

P. C. GUPTA, Asstt. Director General.

आदेश

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1974

**क्र० प्रा० 2940.**—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उप-नियम (2) और नियम 12 के उप-नियम (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के संचार मंत्रालय के आदेश सं० सी० 11012/3/72 एस०, तारीख 21 अक्टूबर, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त आदेश की उद्देशिका में, 'संयुक्त सचिव' शब्दों के स्थान पर 'प्रवर सचिव' शब्द रखे जाएंगे।

[सं० सी० 11021/1/74-सत०]

मदन लाल कक्कार, प्रवर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 7th October, 1974

**S.O. 2940.**—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (2) of rule 9 and sub-rule (2) of rule 12 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Communications No. C. 11012/3/72-Vig, dated the 24th October, 1972, namely :—

In the Preamble to the said Order, for the words "Joint Secretary", the words "Additional Secretary" shall be substituted.

[No. C. 11012/1/74-Vig]

M. L. KAKAR, Under Sec

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1974

शुद्धि-पत्र

**क्र० प्रा० 2941.**—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 19 अक्टूबर, 1974 के पृष्ठ 2984 पर प्रकाशित भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की एक (एम्) 1-72/टी/एम्-19/2-II अधिवृत्ति सं० क्र० प्रा० 2742, तारीख 8 अक्टूबर, 1974 में, "8 से 12 वर्ष के बच्चे का बालक" के स्थान पर "3 से 12 वर्ष के बच्चे का बालक" पढ़ें।

[सं० एक (एम्) 1-72/टी/एम्-19/2-II]

ए० एन० गुप्ता, सचिव

## MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 1st November, 1974

## CORRIGENDUM

**S.O. 2941.**—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Railways (Railway Board) [No. F. (X)I-72/TX-19/2-II] No. S.O. 2742 dated the 8th October, 1974 published at pages 2984 and 2985 in the Gazette of India Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 19th October, 1974, at page 2985 for "Child between 8 and 12 Years". read, "Child between 3 and 12 Years".

[No. F(X)I-72/TX-19/2-II]

A. L. GUPTA, Secy.

## दिल्ली विकास प्राधिकरण

## सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1974

का. आ. 2942.—केंद्रीय सरकार दिल्ली मुख्य योजना में निम्न-लिखित संशोधन करने का विचार कर रही है। इसे सार्वजनिक सूचना के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। इस संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति/सुझाव इस ज्ञापन के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली-1 के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति/सुझाव दे वे अपना नाम तथा पूरा पता भी लिखें।

## संशोधन

“लगभग 2.83 है. (7 एकड़) का क्षेत्र जिसके दक्षिण में बदरपुर थर्मल पावर स्टेशन तथा अन्य दिशाओं में ‘कृषि हरी पट्टी’ है, इसे अब ‘कृषि हरी पट्टी’ से भवन निर्माण सामग्री के उत्पादन हेतु, ‘औद्योगिक उपयोग’ में परिवर्तित किये जाने का प्रस्ताव है।”

शनिवार को छोड़कर समस्त कार्यशील दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली-1 में उक्त अवधि में आकर प्रस्तावित संशोधन के मानीचय का निरीक्षण किया जा सकता है।

[सं. एफ 20(5)/74-एम पी]

हृदयनाथ फतोतेदार, सचिव

## DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

## PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 9th November, 1974

S.O. 2942.—The following modification which the Central Government proposed to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhavan, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

## MODIFICATION

“An area measuring about 2.83 Hect. (7 acres) surrounded by Badarpur Thermal Power Station in the south and agricultural green belt in other directions, is proposed to be changed from ‘agricultural green belt’ to ‘industrial use’ for the purpose of manufacturing of building materials”.

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhavan, Indraprastha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No F. 20(5)/74-MP]

H. N. FOTEDAR, Secy.

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1974

का० आ० 2943.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री ए० रामानन्दा को उक्त अधिनियम और स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक क्षेत्र अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण कर्नाटक राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[संख्या ए-12016/1/74-पी०एफ-1]

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd October, 1974

S.O. 2943.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri A. Ramananda to be an Inspector for the whole of the State of Karnataka for the purposes of the said Act and the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016/1/74-PF. 1]

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1974

का० आ० 2944.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स टी० मानेकलाल इन्वैस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, वासवानी मेशन, दीनशावाचा रोड, मुम्बई-20 नामक स्थापन को 1 जून, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस्० 35018/31/74—पी० एफ०-2 (ii)]

New Delhi, the 28th October, 1974

S.O. 2944.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of June, 1973 the establishment known as Messrs T. Manik Lal Investments Private Limited Vaswani Mansion, Dinshaw Vachha Road, Bombay-20 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/31/74-PF. II(ii)]

का० आ० 2945.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मेहता डाई चेम इण्डस्ट्रीज, बसाइन तालुका कोशापररेडिय इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कैम्पटरी रोड सं० ए०/7, अचोले, बसाइन रोड (पूर्वी)

जिला थाता नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अक्टूबर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(43)/74-भ० नि० 2]

**S.O. 2945.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mehta Dye Chem Industries Bassein Taluka Cooperative Industrial Estate, Factory Shed No. A/7 Achola, Bassein Road (East) District Thana have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of October, 1973.

[No. S. 35018(43)/74-PF. II]

का० आ० 2946—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स आर्य भवन, 28 उदमलपेट रोड, पौलैची (तमिलनाडु) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(71)/74-भ० नि० 2]

**S.O. 2946.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Arya Bhavan, 28, Udamalpet Road, Pallachi (Tamil Nadu) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pensions Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1974.

[No. S. 35019(71)/74-PF. II]

का० आ० 2947—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स इण्डिया कैब्स, 4-ए नगम्बक्कम हाई रोड, मद्रास 34 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के फरवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(76)/73-भ० नि० 2]

**S.O. 2947.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs India Cabs, 4-A, Nungambakkam High Road, Madras-34 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1973.

[No. S. 35019(76)/73-PF. II]

का० आ० 2948—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 30 नवम्बर, 1972 से मेसर्स किरलोस्कर ट्रैक्टर लिमिटेड, 58, एम० आर० डी० सी० क्षेत्र, सतपुरा, नासिक-7 ज़िले में नई दिल्ली-1 स्थित इसकी शाखा भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिश्चित करती है।

[सं० एस० 35018(44)/74-पी० एफ० 2 (ii)]

**S.O. 2948.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 30th day of November, 1972, the establishment known as Messrs Kirloskar Tractors Limited, 58, MIDC Area, Satpura, Nasik-7, including its Branch at New Delhi-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(44)/74-PF. II(ii)]

का० आ० 2949—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स किरलोस्कर ट्रैक्टर लिमिटेड, 58, एम० आर० डी० सी० क्षेत्र, सतपुरा, नासिक-7 ज़िले में नई दिल्ली-1 स्थित इसकी शाखा भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की नवम्बर के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35018(44)/74-पी० एफ० 2 (i)]

**S.O. 2949.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kirloskar Tractors Limited, 58, MIDC Area, Satpura, Nasik-7, including its Branch at New Delhi-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the Thirtieth day of November, 1972.

[No. S. 35018(44)/74-PF. II(i)]

**का० धा० 2950.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि एम्प्लॉयर्स असोसिएशन आफ राजस्थान, जयपुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1968 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० 8(160)/68-पी० एफ० 2(i)]

**S.O. 2950.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Employees Association of Rajasthan, Jaipur have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1968.

[No. 8(160)/68-PF-II (i)]

**का० धा० 2951.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जाँच कर लेने के पश्चात् एम्प्लॉयर्स असोसिएशन आफ राजस्थान, जयपुर नामक स्थापन को 1968 की जनवरी के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोजन के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० 8(160)/68-पी० एफ० 2 (ii)]

**S.O. 2951.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1968 the establishment known as The Employers' Association of Rajasthan, Jaipur, for the purposes of the said proviso.

[No. 8(160)/68-PF. II (ii)]

**का० धा० 2952.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टी० मानेकलाल इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, बासवानी मैन्शन, दिनशा वाचा रोड, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35018(31)/74-पी० एफ० 2 (i)]

**S.O. 2952.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs T. Manek Lal Investments Private Limited, Vaswani Mansion, Dinshaw Vachha Road, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S. 35018(31)/74-PF. II(i)]

**का० धा० 2953.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स पावा इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, 93, राजेन्द्र नगर, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, डाकघर मोहन नगर, गाजियाबाद, जिला मेरठ, जिसमें गांधी गली, कैलाश भवन, फतेहपुरी, दिल्ली-6 स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(119)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 2953.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pawa Industries Private Limited, 93, Rajendra Nagar, Industrial Estates, Post Office Mohan Nagar, Ghaziabad, District Meerut, including its Branch at Gandhi Gali, Kallash Bhan, Fatehpuri, Delhi-6 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(119)/73/PF-II]

**क्र० आ० 2954.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टी० ट्रेडर्स, प्रेस्टीज चैम्बर्स, दूसरी मंजिल, 68 कल्याण स्ट्रीट, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के नवम्बर के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(30)/74-भ० नि० 2]]

**S.O. 2954.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tea Traders, Prestige Chambers 2nd Floor, 68, Kalyan Street, Bombay-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1973.

[No. S. 35018(30)/74/PF-II]

**क्र० आ० 2955.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्राइट एण्ड कम्पनी, 179, नार्थ वेली स्ट्रीट, मदुरई-1, तमिलनाडू नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(87)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 2955.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bright and Company, 179, North Veli Street, Madurai-1 (Tamil Nadu) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(87)/73-PF. II]

**क्र० आ० 2956.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कामधेनु, (मफतलाल ग्रुप एप्रूव्ड शो रूम), 41/42, एन० एस० सी० बोस रोड, मद्रास-1 नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की फरवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(51)/74-पी० एफ० 2(i)]

**S.O. 2956.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kamadhenu, (Mafatal Group approved Showroom) 41/42, N.S.C. Bose Road, Madras-1, agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1974.

[No. S. 35019(51)/74-PF. II(i)]

**क्र० आ० 2957.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्वारा कामधेनु (मफतलाल ग्रुप एप्रूव्ड शो रूम) 41/42, एन० एस० सी० बोस रोड, मद्रास-1 नामक स्थापन को 1974 की फरवरी के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियमित करती है।

[सं० एस० 35019(51)/74-पी० एफ० 2(ii)]

आर० पी० नरुला, अधर सचिव

**S.O. 2957.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1974 the establishment known as Messrs Kamdhenu (Mafatlal Group approved Show-room) 41/42, N.S.C. Bose Road, Madras-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(51)/74-PF. II(ii)]

R. P. NARULA, Under Secy.

New Delhi, the 22nd October, 1974

**S.O. 2958.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Govt. Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs. Chatturam Horilram (Private) Limited, P.O. Jhumritelaiya, District Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th October, 1974.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 2 AT DHANBAD

Reference No. 30 of 1973

In the matter of an Industrial dispute u/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Messrs  
Chatturam Horilram (Private) Limited, Post Office  
Jhumritelaiya, District Hazaribagh.

AND

Their workmen

**APPEARANCES :**

On behalf of the employers—Shri A. Kasim, Labour  
Officer.

On behalf of the workman—Shri R. P. Sharma, Joint  
Secretary, Metalliferous Mines Workers Assor.,  
Kodarma.

**State :** Bihar.

**Industry :** Mica.

Dhanbad, 4th October, 1974

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation in the Department of Labour and Employment being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Chatturam Horilram (Private) Limited, Post Office Jhumritelaiya, District Hazaribagh and their workmen, by their order No. L-28012/3/73-LRIV dated 18-10-1973 referred the same to this Tribunal u/s. 10(1)(d) of the I. D. Act 1947 for adjudication on the issue as in the schedule below.

**SCHEDULE**

"Whether the management of Messrs Chatturam Horilram (Private) Limited, Post Office Jhumritelaiya, District Hazaribagh was justified in refusing employment from the 27th April, 1973 to Shri Ram Dulal Gupta, Compressor Driver employed at their North Buria Mica Mines of Jorasimer Section? If not, to what relief is the workman entitled?"

After the receipt of the above order of reference the workmen represented by their union filed written statement. Several chances were given to the employers to file their

written statement which they did not do. The case dragged on and at last on 18-9-1974 the parties appeared and filed a memorandum of settlement with a prayer to pass an award in terms of the settlement. I heard the parties on the memorandum of settlement and it is submitted from both sides that they have come to an amicable settlement in respect of the industrial dispute which should be disposed of in terms of the settlement. I have gone through the memorandum settlement as filed before me which appears to have been properly signed by the authorised representatives of the parties. The terms of the settlement appears to be beneficial to the parties. There is therefore no reason why the terms should not be accepted by this Tribunal.

Accordingly, I make an award in terms of the memorandum of settlement filed which do form part of the award as annexure A.

K. K. SARKAR, Presiding Officer

[No. L-28012/3/73-LR. IV]

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL  
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2  
DHANBAD.

**Ref :—No. 30 of 1973.**

**BETWEEN**

The management of M/s. Chatturam Horilram (P) Ltd.,  
Jhumritelaiya, Hazaribagh.

**Vs.**

Their workman represented through Metalliferous Mines  
Workers Association, Kodarma, Hazaribagh.

The humble joint petition on behalf of the aforesaid parties most respectfully sheweth :—

1. That the aforesaid parties to the references have entered into a settlement, a copy of which is enclosed herewith for your personal and ready reference.

2. That the dispute has since been withdrawn by the Workman represented through the Metalliferous Mines Workers Association in view of the settlement.

3. That the Workman has been paid with the amount in cash as per the aforesaid settlement.

4. That the workman has no any other claim in view of the settlement arrived at and the parties have also agreed to file a joint petition for an award in view of the said settlement.

It is therefore prayed, that your honour may very graciously be pleased to give an award in view of the settlement enclosed herewith.

For this, both the parties shall ever pray.

Encl. : Settlement

dt. 5-8-1974

Memorandum of mutual settlement arrived at on 5-8-74 between the management of M/s. Chatturam Horilram (P) Ltd. Jhumritelaiya, Hazaribagh and workman represented through Metalliferous Mines Workers Association, Kodarma, Hazaribagh on the following terms.

1. That the Metalliferous Mines Workers Association agreed to accept the retirement of Shri Ram Dulal Gupta,

Compressor Driver an employee of M/s Chatturam Horilram (P) Ltd, Jhumritclaya because of his continued ill Health

2 That the Metalliferous Mines Workers Association agreed to accept the compensation payable to the aforesaid workmen for his retirement on the aforesaid ground in terms of gratuity under Gratuity Act for 7(seven) years of services rendered by the aforesaid workmen

3 That the claim of the Metalliferous Mines Workers Association for retrenchment relief is withdrawn and the workmen, has no further claim of the retrenchment compensation or any other relief except the gratuity for 7 years amounting to 3-1/2 months salary

4 That the management agreed to pay the amount of gratuity arrived at in terms of gratuity Act and the terms of settlement which is amounting to three and half months salary of the workman

5 That the amount will be paid in cash to the workman

6 That in view of the aforesaid terms of settlement both the parties agreed to file a joint petition before the Presiding Officer, Central Government Tribunal No 2, Dhanbad for an award in terms of the aforesaid settlement

Stamp  
Sd/  
G K BHADANI,  
Managing Director

WITNESSES

Sd/-

Stamp

S N SAHAY, General Secy

R P SHARMA, Joint Secy

A QASIM, Labour Officer

New Delhi, the 22nd October, 1974

**S.O. 2959.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the Beas Sutlej Link Project, Sundernagar and their workmen which was received by the Central Government on the 16th October, 1974

[BEFORE SHRI SHYAM KRISHNA, REGIONAL LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), KANPUR AND ARBITRATOR]

Arbitration Award under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 in the matter of industrial dispute between the management of Beas Sutlej Link Project, Sundernagar and Beas Sutlej Link Workers Union, Sundernagar regarding alleged wrong transfers of S/Shri Mohinder Singh S/o Shri Hardit Singh and 14 other workmen

PRESENT

- 1 Shri Harbans Singh, SDO, BSL Project, Sundernagar—Representing the management
- 2 Shri M S Toggar, President, BSL Workers Union, Sundernagar—Representing workmen
- 3 Shri N P Sharma, General Secretary, BSL Workers Union, Sundernagar—Representing workmen

AWARD

By an Arbitration agreement dated 13.4.1974 published in the Gazette of India Part II Section 3, Sub-section II as per Government of India in the Ministry of Labour Orders No L 42012/22/74/LR III dated 14.5.1974 the Superintending Engineer, (Administration and Accounts), Beas Sutlej Link Project Sundernagar and the President Beas Sutlej Link Workers Union Sundernagar referred the following specific matters in the dispute to my Arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947. The agreement inter alia provided that the decision of the Arbitrator shall be binding on them

"Whether the action of the management of Beas Sutlej Link Project, Sundernagar in effecting transfers of the following workmen from their units covered under the factory Act to their units not covered by the said act is legal and justified —

SARVASHRI

- 1 MOHINDER SINGH S/o HARDIT SINGH
- 2 NARINDER PAUL S/o PAHU LAL
- 3 JEET RAM S/o JIWA NAND
- 4 OM PRAKASH S/o PAHU LAL
- 5 MANGAL DASS S/o TKA RAM
- 6 RAJINDER PAL S/o KANSHI RAM
- 7 KARAM CHAND S/o WAZIR RAM
- 8 BASANT RAM S/o RAM DHAN
- 9 PRABHU DAYAL S/o GOKUL CHAND
- 10 GARIB DASS S/o TODAR RAM
- 11 HARBHAJAN SINGH S/o MOHAR SINGH
- 12 SUKH RAM S/o GOVIND RAM
- 13 LAKSHRI RAM S/o DURGA RAM
- 14 RAM PARKASH S/o BEHARI LAL
- 15 RAM SHRI RAM S/o KALA RAM

If not, to what relief the workmen are entitled ?

The Superintending Engineer, (Administration and Accounts) Beas Sutlej Link Project, Sundernagar and the President, Beas Sutlej Link Workers Union, Sundernagar (herein after called as "Management" and "Union" respectively) were requested vide my letter No K 129(10)/74 dated 17/18th June, 1974 to furnish me a self contained statement of their case within 10 days of the receipt of the aforesaid letter endorsing simultaneously a copy thereof to the opposite party, they were further requested that on receipt of a copy of the statement from the opposite party they should furnish their comments thereon within 10 days of its receipt endorsing a copy simultaneously to the other party. The Union sent their claim statement to me on 4-7-1974 under letter No Misc/645-46 dated 4-7-1974 endorsing a copy thereof to the management which was received by the management on 24-7-1974. The Management submitted rejoinder to the Union's claim statement on 21-9-1974 with copy to the Union which was received by the Union of 21-9-1974. I had fixed 24-7-1974 for personal hearing to be given to the parties vide my letter No K 129(10)/74 dated 11/12th July, 1974 but since on the said date the Management made a request for postponement as they had not been able to prepare the case having received the claim statement from the Union on 24-7-1974 only, the hearing could not take place on the said date and was thereafter fixed for 21-9-1974 vide my letter No K 129(10)/74 dated 28-8-1974.

In the statement of claim and during the hearing the Union stated that S/Shri Mohinder Singh and 14 other workmen under reference were appointed by the Management in its establishment covered under Factories Act where the employees are covered under the Employees Provident Fund Act a privilege. The said employees have been transferred by the Management to its establishment which is not covered under the Factories Act and so deprived benefits of the Employees Provident Fund Act. It was nowhere mentioned in the appointment letters which were in the custody of the Management that the employees could be transferred from the establishment covered under Factories Act to the establishment not covered under the Factories Act. Moreover the certified Standing Orders of Factory and non factory workmen do not provide inter alia transfer from one type of establishment to the other. The Management have got two types of certified Standing Orders one for the establishment covered under Factories Act and the other for the establishment not covered under Factories Act. As per Employees Provident Fund Act when working in a establishment covered under Factories Act to which the said Act is applicable an employee has to deposit his contribution to the said Provident Fund and an equal amount is also to be contributed by the Management. Thus by the said transfer to non-factory establishment the employees lost the benefit of getting contribution of the Management to the Provident Fund.



The Management in the rejoinder and during the hearing asserted that it was the Management's right to transfer an employee from an establishment covered under Factories Act to the establishment not covered under the Factories Act. There was no condition in the appointment letters issued to the employees that they could not be transferred from the division of the establishment covered under Factories Act to the establishment not covered thereunder.

I agree that it is the Management's sole right to transfer its employees from one establishment to another but that is to be done keeping in the view the principles of fairness, natural justice and in accordance with the service conditions. In the instant case the appointment letters issued to S/Shri Mohinder Singh and 14 other workmen under reference no where stipulated that they could be transferred from establishment covered under Factories Act where they were enjoying better financial position (in the shape of Employees Provident Fund) to the establishment not covered under Factories Act, in less advantageous service conditions i.e. (non-eligibility to be a member of Employees Provident Fund). Even the Industrial Disputes Act 1947 provides whenever there is adverse change in service conditions, notice under Section 9A of the said Act should be issued but this too could not be established to have been issued by the management. Moreover both types of establishment have got different certified Standing Orders which means that the service conditions of employees employed in two different types of establishments are different. Therefore in the circumstances I am of the opinion that the Management had no right to transfer the said workmen from establishment covered under Factories Act to establishment not covered under Factories Act and so their action in doing so was not legal and justified and they be transferred back to the establishment covered under Factories Act with alike benefits. I award accordingly.

SHYAM KRISHNA, Regional Labour Commissioner

[No. L. 42012/22/74/LRIII]

New Delhi, the 29th October, 1974

**S.O. 2960.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the Ramayanpatti Lime Stone quarry of the Agricultural Farms Limited, Sankarnagar Post Office Tirunelveli and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th October, 1974.

BEFORE THIRU T. PALANIAPPAN, B.A., B.L.  
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Monday the 23rd day of Septmebr, 1974

Industrial Dispute No. 59 of 1973

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Agricultural Farms Limited, Sankar Nagar).

BETWEEN

Shri N. Mohammad Buhari, Thenkalam Post, Sankar Nagar (Via) Tirunelveli District.

AND

The Controller, Agricultural Farms Limited, Sankar Nagar P.O., Tirunelveli District.

REFERENCE:

Order No. L-29012(31)/73-JRIV, dated 17-10-1973 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, Government of India, New Delhi.

94 GI/74—7

This dispute coming on for final hearing on Friday the 13th day of September, 1974 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru R. Ganapathy, Member of General Council, All India Trade Union Congress for the worker and of Thiru R. Jagannathan, Advocate for the management and having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following award.

#### AWARD

The Government of India in order No. L-29012(31)/73-JRIV dated 17-10-1973 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, have referred to this Tribunal, the dispute set out below between the employer, Agricultural Farms Ltd., Sankarnagar, Tirunelveli Dt. and their workmen in relation to the Ramayanpatti Lime Stone Quarries in the Agricultural Farms for adjudication.

2. It is as follows:—

"Whether the retrenchment of Shri N. Md. Buhari, the Log Boy of the Ramayanpatti Lime Stone Quarry of the Agricultural Farms Limited, was justified? If not, to what relief is the workmen entitled?"

3. The worker Thiru N. Md. Buhari has filed a claim statement stating that he was working in the log office in the Ramayanpatti Limestone Quarry; that with a view to victimise him, the management taking advantage of the electricity power cut directed him to do the work in the general office and the management also directed him to do work in the weigh bridge; that such a transfer from the log office to the general office is contrary to Section 9A of the Industrial Disputes Act; that the management without any justification ordered lay-off in the log office and after giving a lay-off for 45 days to him unjustifiably retrenched him from the service. The claimant worker prays for reinstatement with back wages.

4. The respondent management has filed a counter stating that the respondent deals in lime stone and owns lime stone mines, and Ramayanpatti lime stone quarry is one such mine; that there are actually 9 persons employed to do log or weigh bridge work; that the work at the log and weigh bridge are interchangeable and those working in Log are deputed to work at weigh bridge, and that the claimant himself has admitted in para 3 of the claim statement that the workers working in the log office are sent for working in the weigh bridge on certain occasions. The respondent contends that there are 9 persons employed in the Log or Weigh bridge work, and when there are surplus hands they are given alternative work in magazine, sorting etc. During the electricity power cut no one was employed at the log office and the respondent even though there was no work at the log, the workers were employed in other places so as to earn their wages and to avoid total lay-off. Under those circumstances no question of giving notice under section 9(A) arises. The petitioner who was laid off for more than 45 days was retrenched as provided under Section 25(C) of the Act.

5. ISSUE: Thiru N. Md. Buhari, W.W. 1 is the petitioner in this claim. His evidence is that he was working in Ramayanpatti Lime Stone Quarry and that the stones taken from this quarry are sent to the India Cements Company and that there is an office known as log office to attend to the work of sending stones to India Cements Limited; that the worker who is doing work in the log office is called log boy; that there were three others besides him working in the log office and their names are Thiru Arumugam Shammuga Thevar and Thiru Arumugam Subbiah Konar and that the other worker Adivilli Konar used to work in the magazine section; that there are three shifts in the quarry and for each shift one log boy will be in attendance; that in 1973, when power cut was enforced he was sent for work in the India Cements weigh bridge. He has further deposed in the course of the evidence that he was served with retrenchment order Ex. W-1, dated 10-3-1973. Ex. M-6, dated 10-7-1973, is the service seniority list. The reasons set out by him in the course of his evidence for retrenchment is, that one worker by name Perumal was dismissed from service and himself and others gave monetary help to him for conducting the case in the Tribunal, and so the management got angry towards him and transferred him to the weigh-bridge

section. He has further deposed that the management with a view to retrench him and posted him to the other sections and granted lay off and after 45 days retrenched him. Ex. M-1, dated 14-10-1960 is the copy of the application given by the claimant to the respondent for giving a job. Ex. M-6, is the service seniority list and it shows that the date of appointment is 3-2-1961. Ex. M-6 shows that in the list of log employees, the claimant Mohamed Buhari was the junior most. Ex. M-38 dated 16-2-1973 is the notice sent by the Agricultural Farms Limited stating that due to the drastic power cut and consequent reduction in the volume of work, the Manager is required to work out the scheme for lay off. There is no dispute about the fact that the power cut was in force from February, 1973 to July, 1973. Ex. M-34, dated 21-2-1973 is the letter from the General Manager, India Cements Limited, to the Agricultural Farms Limited regarding energy quota allotment card for work from 15-2-1973. The India Cements Limited who supplied electric energy for working in the mines have stated that they have allotted a particular quota of electric energy commencing from 15-2-1973 in respect of their transformer for the use by the Agricultural Farms at Ramavannatti Lime-stone Quarry. In this letter the India Cements Limited has drawn the attention of the Agricultural Farms to the drastic cut in the consumption of energy in M.D. from 118 to 35.40 as well as in the units consumption from 13,472 to 2,245. Further, the India Cements Limited have advised not to exceed the quota on any account. Ex. M-35, dated 21-2-1973, is the power cut quota issued by the Electricity Board to the India Cements Limited for the revised electric consumption. Ex. M-36, dated 21-2-1973, is the letter from the India Cements Limited to the Agricultural Farms Limited stating that consequent on the drastic power cut imposed by the Government their production will be affected seriously, and so the Agricultural Farms may reduce the supply of lime stones to India Cements Limited to 600 tonnes per day. Ex. M-37, dated 16-7-1973 is the letter by the India Cements Limited to the respondent Agricultural Farms Limited. In this letter, the India Cements has stated to the effect that despatches may be stopped after 12 mid-night, and that in spite of earlier request the Agricultural Farms did not care to take their instructions and so have instructed their Watch and Ward to close down their North Gate from 12 midnight from 16-7-1973. Thus it is seen that the main consumer of the limestone from the Agricultural Farms Limited was not willing to receive the supplies and they even imposed the drastic power cut for working in the mines and even when the Agricultural Farms was sending limestones, the India Cements Limited refused to receive the stones. Thus the Agricultural Farms were driven to the painful necessity of imposing lay-off in the mines. Ex. M-39 dated 22-2-1973 is the letter by the Agricultural Farms Limited to the Mines Manager, Ramavannatti Lime-stone Quarry. In this letter, the Agricultural Farms have directed the Manager to take immediate action to implement the lay off scheme at once. Ex. M-4 dated 22-2-1973 is the copy of the notice regarding lay-off. Ex. M-5, dated 23-2-1973 is the copy of the intimation by the respondent to the Regional Labour Commissioner (C), Madras with the covering letter stating that due to the drastic power cut and consequent reduction in the cut turn, they were constrained to declare lay off in their limestone mines and so they have sent the statutory notice in Form C-1(k) under Rule 75-A of the Industrial Disputes Central Rules 1957. Ex. M-7 dated 10-5-1973 (i.e.) the copy of Ex. W-1 which is the order of retrenchment served on the petitioner. Thereafter the respondent management sent the monies due to him as per the rules. Thus the documentary evidence clearly shows that the management was forced to declare lay off because of the drastic power cut imposed by the Government and consequent instructions by the consumer (i.e.) India Cements Limited to stop bulk supplies, but to supply only 600 tonnes per day.

6. The grievance of the claimant Sri N. Md. Buhari is that because he supported the case of one of the dismissed workers by name Perumal, the management victimised him and so transferred him from the log office to the weigh bridge and after giving lay off retrenched him. The claimant Buhari has admitted in the course of the evidence that he is the junior most and Ex. M-6 evidences the same. Further he has admitted that while he was transferred to Venkatarangapuram on his request the order of transfer was cancelled. This also shows that the intention of the respondent was not to make unreasonable transfer, but on the other hand the management was very kind towards him. The claimant Md. Buhari himself has stated that in 1972

he worked in the weigh bridge section for about four months. This fact shows that even prior to the transfer to the weigh bridge in question the management to provide work and to avoid hardship and gave him work in the weigh bridge. Under those circumstances, the transfer from the log office, because there was power cut and want of work in the weigh bridge cannot be said to be a mala fide transfer. W.W. 1 himself has admitted that the Agricultural Farms Limited (i.e.) the respondent is supplying stones only to India Cements Limited and there was power cut from February, 1973 to July, 1973, and to work in the quarry, electricity is absolutely necessary and without electric energy no work is possible. Further he has admitted that during the lay off period, Thiru Madaswami who was a log boy was also sent for work in the weigh bridge section, and so also, electrician Sreenivasan was sent to the weigh bridge section for work. Under those circumstances the fact of sending Thiru Md. Buhari to work in the weigh bridge section during lay-off period cannot be said to be a mala fide transfer with a view to victimising him. Further he has admitted that just like him, other co-workers also supported the cause of dismissing of the co-worker Perumal. When those workers were not victimised it is preposterous to contend that simply because Thiru Md. Buhari supported the cause of the dismissed worker, he was alone victimised. In the course of the cross-examination he was admitted to the effect that it may be true that because there was no sufficient work in the log office the management to provide work for such of those workers to get wages sent them to the weigh bridge section. In view of this admission, the claimant Thiru Md. Buhari cannot contend with a view to victimise him he was sent to work in the weigh bridge during the lay off period.

7. The management examined the Mines Manager Thiru R. Krishnamurthy, M.W. 1. His evidence discloses that because of the power cut, the management could not provide work for W.W. 1 in the log office and so they declared lay off that the Agricultural Farms Limited is supplying lime stones only to the India Cements Limited and electric supply for working in the mines is only from the India Cements transformer; that during the power cut only one shift was working in the mines. These facts given by him in the evidence have not been established to be false. The evidence of M.W. 1 further discloses that during the lay off period, there was no work in the log office and there was work only the main pit and prior to the commencement of lay off period nine persons were working in the log office and weigh bridge, and so the management to provide work wherever possible to the persons working the log and weigh bridge office provided them with work and they gave lay off also in rotation and just like Mohamad Buhari and other workers were also given lay off. The above facts extracted from the evidence of M.W. 1 stands uncontradicted. As rightly stated by M.W. 1 because of the over staff, cut in production and the fact that Buhari was the junior-most, the management thought fit of retrenching him. Further the evidence of M.W. 1, namely, that the persons called log boy and weigh bridge workers belongs to the same category stands unchallenged.

8. It was argued on behalf of the management that even when three shifts were working prior to lay off there were three in the log and three in the weigh bridge and one Reliever and thus total came to seven and that there was surplus of two; that when two shifts were working with two log boys, one weigh bridge worker and one reliever, and thus total of five, that surplus of four. This argument was not contraverted. Further the case of the management that there was only one shift during the power cut remains unchallenged. Under those circumstances, it is seen that because there were surplus staff and power cut, the management retrenched the junior most (i.e.) Md. Buhari. The standing order 15(3) reads as follows:—

“Standing Order 15(3): Wherever workmen are laid off for short period on account of failure of plant or a temporary curtailment production, they shall be paid compensation in accordance with the provisions of the Industrial Disputes Act 1947 as amended. Where no such compensation is admissible, they shall be granted leave with or without wages as the case may be. Leave with wage shall be granted to the extent of any leave due to them. When workmen are to be laid off for indefinitely long periods, their services may be terminated sub-

ject to the provisions of the Industrial Disputes Act 1947."

Thus in pursuance of this standing order, the management retrenched the claimant Mohamad Buhari. As already pointed out the management was kind towards Buhari in providing alternative work in the weigh bridge. When the work was discontinued in the mines during lay off in the mines, Buhari should have been laid off completely during the period. But the management did not adopt that drastic course, but provided Mr. Buhari and others work at the weigh bridge by rotation. Further there is no question of violation of section 9A of the Industrial Disputes Act because the log or weigh bridge employees are not specifically categories by the Central Wage Board Recommendations. Further the claimant Mohamad Buhari himself has admitted that there was such mutual transfer from the log to the weigh bridge. Further any of the laid off workers could be required to work even in any of the branches within a radius of five miles. On a consideration of the evidence oral and documentary I come to the conclusion that because he had completed 45 days of lay off and there was drastic power cut supply and that there was surplus staff and that he was the juniormost, that management though fit to retrench him. I am also of the view that no case of victimisation has been made out by him. Under those circumstances I find this issue against the claimant.

9. In the result, an award is passed holding that the retrenchment of Shri N. Md. Buhari, the log boy of the Ramayanpatti Limestone Quarry of the Agricultural Farms Limited, was justified and that he is not entitled to any relief. There will be no order as to costs.

Dated, this 23rd day of September, 1974.

#### INDUSTRIAL TRIBUNAL

#### WITNESSES EXAMINED

##### For Workmen

M. W. 1-Thiru R. Krishnamurthy, Mines Manager.

##### For Management

M. W. 1-Thiru R. Krishnamurthy, Mines Manager.

#### DOCUMENTS MARKED

##### For workmen

Ex. W-1/10-5-73—Notice of retrenchment issued to W. W. 1.

Ex. W-2/16-5-73—Reply letter by W. W. 1 to Ex. W-1 objection the retrenchment.

Ex. W-3/22-5-73—Petition under section 2 of the Industrial Disputes Act. 1947 filed by W. W. 1 before the Regional Labour Commissioner (Central) Madras.

Ex. W-4/16-6-73—Letter from the Assistant Labour Commissioner (C)/I, Madras to W. W. 1 along with reply by the management to Ex. W-3.

Ex. W-5/30-6-73—Reply by W. W. 1 to Ex. W-4

Ex. W-6/10-7-73—Letter from the Assistant Labour Commissioner (C) Madras to W. W. 1 for furnishing certain particulars.

Ex. W-7/14-7-73—Reply letter by W. W. 1 to Ex. W-6.

Ex. W-8/2-8-73—Conciliation notice issued to parties

Ex. W-9/7-9-73—Conciliation failure report.

Ex. W-10/12-4-73—Despatch slip.

##### For Management

Ex. M-1/14-10-60—Application of W. W. 1 for appointment (copy).

Ex. M-2/23-12-61—Supplementary statement for the month of November, 1961 showing the wages and period of service

of the workers sent to the Regional Provident Fund Commissioner, Madras-6.

Ex. M-3/28-12-61—Letter from the Management to the Regional Provident Fund Commissioner, Madras with the statement for December, 1961 in respect of employers who are eligible for Employees' Provident Fund (copy).

Ex. M14/22-2-73—Lay off notice.

Ex. M-5/23-2-73—Letter from the Management to the Regional Labour Commissioner (C), Madras informing the declaration of lay-off and enclosing the notice in Form O-1 (K) u/r. 75-A.

Ex. M-6/2-5-73—Seniority list of log employees (copy).

Ex. M-7/10-5-73—Copy of Ex. W-1.

Ex. M-8/12-5-73—Notice of retrenchment (Form P) sent to the Government (copy).

Ex. M-9/5-6-73—Letter from the Management to the Regional Labour Commissioner (C), Madras (in reply of Ex. W-3).

Ex. M-10/25-6-73—Claim Petition No. 171/73 filed by W. W. 1 in the Labour Court, Madurai (copy).

Ex. M-11/30-9-72—Notice of temporary closure in respect of Nellaithiruthu Limestone Mine u/s. 6(2), (in form I-6).

Ex. M-12/30-9-72—do— (in form E-2).

Ex. M-13/10-5-73—Similar to Ex. W-1.

Ex. M-14/12-5-73—Postan receipt No. 14.

Ex. M-15/12-5-73—Postal acknowledgement signed by W. W. 1.

Ex. M-16/12-5-73—Certificate of posting (addressed to W. W. 1).

Ex. M-17/12-5-73—Postal money order receipt No. 1567 for Rs. 756.96.

Ex. M-18/12-5-73 Postal money order receipt No. 1563 for Rs. 694.94.

Ex. M-19/12-5-73—Postal money order receipt No. 1564 for Rs. 694.94.

Ex. M-20/12-5-73—Postal money order receipt No. 1566 for Rs. 756.96.

Ex. M-21/12-5-73—Postal money order receipt No. 1565 for Rs. 478.84.

Ex. M-22/16-5-73—Counterfoil of Money order coupon signed by W. W. 1. for Rs. 756.96.

Ex. M-23/17-5-73—do— for Rs. 694.94.

Ex. M-24/16-5-73—do—for Rs. 694.94.

Ex. M-25/16-5-73—do—for Rs. 756.96.

Ex. M-26/17-5-73—do— for Rs. 478.84.

Ex. M-27/12-5-73—Notice of retrenchment (In Form 'F') sent to the Central Government.

Ex. M-28/15-5-73—Certificate of posting (addressed the Secretary, Ministry of Labour, Government of India).

Ex. M-29/16-5-73—Postal acknowledgement from the District Employment Officer, Tirunelveli-2.

Ex. M-30/18-5-74—Postal acknowledgement from the Regional Labour Commissioner (C), Madras.

Ex. M-31/18-5-74—Postal acknowledgement from the Assistant Labour Commissioner, (Central), Ernakulam.

Ex. M-32/1-9-73—Notice of re-opening of Mine in respect of Nellaithiruthu Lime stone mine in Form F-1 sent to the Indian Bureau of Mines, Nagpur.

Ex. M-33/4-10-73—Notice of actual date of re-opening of Nellaithiruthu Limestone mines.

Ex. M-34/21-2-73—Letter from the Indian Cements Ltd; to the Management sending energy quota allotment card.

Ex. M-35/21-2-73—Energy quota allotment card.

Ex. M-36/21-2-73—Letter from the India Cements Ltd; to the Management requesting to reduce supply of Limestone.

Ex. M-37/16-7-73—Letter from the India Cements Ltd; to the Management requesting to stop despatches of limestone after 12 midnight,

Ex. M-38/16-2-73—Office note sent to the Mines Manager required to work out the scheme of lay-off in view of power cut.

Ex. M-39/22-2-73—Office not sent to the Mine Manager advising to implement the lay-off scheme.

Ex. M-40/16-7-73—Office not sent to the Mines Manager requiring to regulate despatches of limestone.

Ex. M-41/16-7-73—Standing orders for Ramayyanpatti limestone quarry of the Management.

Ex. M-42/20-12-71—Application of Thiru Abdul Jaffar for appointment.

Ex. M-43/29-12-71—Appointment order issued to P. Abdul Jaffar.

Ex. M-44/1-3-73—Memo issued to P. Abdul Jaffar advising him to make arrangement to leave the Company.

Ex. M-45/3-3-73—Reply letter P. Abdul Jaffar to Ex. M-44.

Ex. M-46/14-10-60—Original of Ex. M-1.

Ex. 47 series—Monthly returns (in Form L) for the months of January, February and March, 1973.

Ex. M-48 series—Acquittance roll in respect of Thiru S. R. Ganapathi for the month of February, 1973 at page 1 (book).

Ex. M-49/7-5-74—Order in C. P. No. 171/73 on the file of the Labour Court, Madurai (certified copy).

Ex. M-50/7-5-74—Limestone Mine—Lay off register from 2-4-73 to 17-7-1973.

Ex. M-51/7-5-74—Limestone Mine—lay off register for the period from 2-4-73 to 17-7-73.

Ex. M-52/7-5-74—Limestone Mine—lay off register for the period from 23-2-73 to 31-3-73.

Ex. M-53/7-5-74—Limestone Mine—Lay off register for the period from 23-2-73 to 31-3-73.

Ex. M-54/7-5-74—Mining mate Inspection Register.

Ex. M-55 series—Weightment advices (one file).

Ex. M-56/7-5-74—Despatch slips for the period from 18-2-73 to 23-2-73 (small book).

Ex. M-57/7-5-74—Despatch slip for the period from 22-2-73 to 27-2-73 (small book).

Ex. M-58/7-5-74—Register of employees of the mines of the Management.

Ex. M-59/7-5-74—Log Register for the period from 20-1-73 to 23-2-73.

Ex. M-60/7-5-74—Register of persons employed in open sent working for the period from 2-3-72 to 14-9-74.

Ex. M-61/7-5-74—Entry relating to Thiru Y. Vaidyanathan at page 32 in the acquittance roll for November, 1973.

Ex. M-62/7-5-74 Entry relating to Thiru A. Sankaran at page 32 in the acquittance roll for November, 1973.

Ex. M-63/7-5-74—Invoice relating to the purchase of compressor.

T. PALANIAPPEN, Presiding Officer  
[No. L 29012/31/73—LRIV]

S.O. 2961.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal Faridabad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Dalmia Dadri Cement Limited, Charki Dadri and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th October, 1974.

BEFORE SHRI O. P. SHARMA, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL, HARYANA, AND CENTRAL  
AT FARIDABAD

Reference Nos. 1-C, 3-C to 6-C of 1969

BETWEEN

The workmen and the management of M/s. Dalmia Dadri Cement Ltd; Charkhi Dadri.

PRESENT :

Shri Bhim Sain—for Men's Union.

Shri Rameshwar Dayal—for the management.

AWARD

This judgement will dispose of this and the connected reference Nos. 3-C to 6-C of 1969 which stand consolidated. There being a common question of law and fact involved in all the cases. The material facts may be stated as under :—

The management of M/s. Dalmia Dadri Cement Ltd; Charkhi Dadri had been running a number of quarries at Charkhi Dadri known as A china, Dudiwala, Khatiwas, Jhinger quarries etc where a large number of persons had been engaged for the excavation work who were, however, refused work and their services were allegedly discharged by the management without any justification. Feeling aggrieved, they raised demands for their reinstatement but without success. This gave rise to industrial disputes which were referred for adjudication to this Tribunal by the Central Government and registered as Reference Nos. 3-C to 6-C of 1969, the term of reference in each case being almost common.

"Whether the action of the management in stopping the workmen concerned from working in the quarries was justified? If not; to what relief were they entitled?"

The workmen in the quarries had raised another dispute questioning the validity of the introduction of the contract system in the quarries which was also referred for adjudication to this Tribunal and registered as Reference No. 1-C of 1969, the term of reference being as given under:—

"Whether the action of the management of Dalmia Dadri Cement Ltd; in re-introducing contract system in the quarries with effect from the 15th November, 1968, after entering into a settlement with the Khan Mazdoor Sangh on the 8th November, 1968, was justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

The management contested all the disputes referred to above pleading *inter alia* that the same are barred under a settlement dated 5-8-69 arrived at between the management and the workmen. The original settlement has been placed on record which is signed by Sarvshri Bhim Sain Parbakar President, and Madan Lal Gupta General Secretary of Dalmia Dadri Cement Factory Men's Union as representatives of the workmen concerned and by Sarvshri Vishnu Kumar Secretary and Shri V. Kaushik Legal Advisor of the management. It is witnessed by Sarvshri Sagar Ram Gupta Ex. M.L.A. and Shri C. B. Gupta the then Labour Welfare Officer of the management.

Shri Bhim Sain President of the union has come into the witness box and not denied the statement. Shri Madan Lal Secretary has not come into the witness box to make any

statement. However, an application was moved by Sarvashri Daya Kishan Gupta, N. L. Mittal Ramesh Chander Gupta, Raj Kumar and Yad Ram Sharma, who disputed the above settlement for leave to join as a party to these references. Their request was contested both by the management and the Dalmia Dadri Cement Factory Men's Union lead by Shri Bhim Sain. The following issue was framed.

"Whether Sarvashri Daya Kishan, N. L. Mittal and others have a right to be allowed to be made party on behalf of the workmen?"

The management examined three witness including Sarvashri B. R. Kapoor Commercial Manager and Agent, J. L. Jaswal Quarries Manager, and Bhim Sain, President Dalmia Dadri Cement Factory Men's Union. Seven witnesses were examined on behalf of Daya Kishan and others besides producing a large number of affidavits of the workmen. After considering the evidence on record and hearing arguments on both sides the above issue was decided against the applicant and their request for leave to join as a party to the present reference was disallowed vide order dated 10-5-74.

I have heard the parties and given a careful consideration to the facts on record. The settlement dated 5-8-69 referred to above which is admitted documents speaks for itself. The relevant terms of the settlement having a bearing on the adjudication of the dispute covered by the aforesaid references may usefully be reproduced below :—

1. The parties agreed that due to special circumstances in quarries, it is not possible to work the quarries departmentally specially as long as the present system of excavation and procurement of konkar from field to field and from village to village continues. It has, therefore, been decided to work the quarries on contract system.
2. All those workmen who had actually been working with contractors before the introduction of the departmental basis, i.e. 20-3-68, and who stayed out and are still out will be taken on work by contractors. All such workmen desiring to join will be required to report for duty in writing on or before 20-8-69 to the contractor concerned failing which they will have no claim whatsoever for employment. The question of determination of seniority will be referred to as provided hereinafter.
3. As a reference for adjudication can not be made under Section 10A, Industrial Disputes Act, 1947, so long as the present reference remain pending, therefore, it has been decided that the following references shall be withdrawn by the Men's Union on making request before the Tribunal to that effect :—
4. The union agrees that the workmen to whom the above references relate shall not be entitled to any back wages between the date of their alleged stoppages of work and the date on which they actually joined in implementation of this settlement.

From the perusal of the terms and conditions of the settlement referred to above it is established beyond any shadow of doubt that the contract system for the running of the quarries was introduced by mutual agreement between the management and the workmen concerned as it had been found that it was not possible to work the quarries departmentally. The workmen concerned had further agreed to withdraw the present references Nos. 1-C, 3-C, 4-C, 5-C and 6-C of 1969 under term 4 of the references stated above. There is nothing on the record to indicate that the said settlement had been brought about by any fraud, misrepresentation or coercion and that it was not the result of the free-will of the workmen concerned and as such they can not now be heard to say that they are not bound by this settlement.

That disposes of the entire case, no other point worth consideration has been urged on the facts established and for the reasons aforesaid I hold that the present references are barred by virtue of the aforesaid settlement mutually arrived at between the parties, and as such, the workmen concerned are not entitled to any relief. The award in each case is made accordingly. There would, however, be no order as to costs.

Dated :— 8-10-1974

O. P. SHARMA, Presiding Officer

[No 36(62)/68-LR.I(LR.IV)]

**S.O. 2962.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of M/s Kalyanpur Lime and Cement Works Limited Banjari and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th October, 1974.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.**

Reference No. 55 of 1971.

In the matter of an industrial dispute u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Messrs Kalyanpur Lime and Cement Works Limited, Banjari.

**AND**

Their workmen.

**APPEARANCES :**

On behalf of the employers—None.

On behalf of the workmen—None.

State : Bihar,

Industry : Lime & Cement.

Dhanbad, the 4th October, 1974.

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation in the Department of Labour and Employment being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Kalyanpur Lime and Cement Works Limited, Banjari and their workmen, by their order No. 36(13)/68-LR-IV dated 14-5-71 referred the same to this Tribunal u/s 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 for adjudication on the issue as in the schedule below :

## SCHEDULE

New Delhi, the 30th October, 1974

"Whether the action of the management of Messrs Kalyanpur Lime and Cement Works Limited, Banjarl on the 2nd August, 1960 was justified in not allowing Shri Usman Mian on duty after recovery from accident? If not, to what relief is the workman entitled?"

After the receipt of the reference written statement was filed by the workmen and some time later by the employers. Some documents were also filed before this Tribunal by either side. The case proceeded along its course with adjournments given from time to time at the instance of one party or the other. At last on 19-7-74 Shri D. Narsingh, Advocate representing the employers and Shri B. Lal, Advocate representing the workmen appeared and filed a memorandum of settlement. I heard the learned Advocates of both sides on the memorandum of settlement. However, the memorandum of settlement could not be accepted by the Court as on all showing it appeared to be a settlement between the workman concerned and the employers and not a settlement as between the workmen and the employers. The reason is that when the case of the concerned workman was sponsored by the workmen represented by the union it no longer remained an individual dispute but it turned a collective dispute. The concerned workman therefore was not competent to enter into a settlement in his individual capacity with the employers. I recorded an order to the above effect and called upon both the parties to file a proper settlement. In spite of a couple of chances given to the parties they never took any steps nor filed any fresh proper settlement. It's an old case in which no further time should be lost for its disposal. In view of the apathy of the parties I am inclined to believe that they have come to an amicable settlement out of Court and so they are not any longer interested to prosecute their case. The only conclusion that I can draw is that no dispute exists any longer between the parties.

Accordingly I make a "No dispute" award in this case.

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

[No. 36/13/68-LRIV]

आदेश

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1974

का० आ० 2963. —यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स हवान मिलूदीनोविक— पी आई एस के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं० 1 मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मेसर्स हवान मिलूदीनोविक— पी आई एस, वास्को—डी—गामा के प्रबन्धतन्त्र की, श्री एस० के० हुसेन, चौकीवार की सेवाएं, 12 जुलाई, 1974 से समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुसूच का हकदार है?

[सं० एल-36012/9/74-पी०सी/सी०एम०टी०]

आर० कुञ्जिथपादम, प्रवर सचिव

S.O. 2963.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Ivan Milutinovic-PIM, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs Ivan Milutinovic-PIM, Vasco-da-Gama in terminating the services of Shri Sk. Hussein, Watchman, from the 12th July, 1974 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. L-36012/9/74/PD/CMT].

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy

आदेश

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1974

का० आ० 2964. —यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और, यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर० सोही होंगे जिसका मुख्यालय जम्शेदपुर में होगा, और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, जम्शेदपुर के प्रबन्धतन्त्र की बैंक की सिरसा शाखा के लिपिक श्री दुसनलाल गुप्ता को उसके निलम्बन की अवधि, 4 अप्रैल, 1972 से 15 अक्टूबर, 1972 तक, के लिए पूरी मजदूरी न देने की कार्रवाई भेदभाव का कार्य और अनुचित श्रम व्यवहार है? यदि हाँ, तो वह किस अनुसूच का हकदार है?

[सं० एल० 12012/104/73-एल०आर० 3]

## ORDERS

New Delhi, the 21st September, 1974

S.O. 2964.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of

which Shri H.R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Central Bank of India, Chandigarh in not allowing full wages to Shri Hussan Lal Gupta, Clerk at Sirsa Branch of the Bank for the period of his suspension with effect from the 4th April, 1972 to the 15th October, 1972 is an act of discrimination and unfair labour practice? If so, to what relief is he entitled?"

[No. L. 12012/104/73-LRIII]

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

का० आ० 2965.-यंतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय खाद्य निगम, बरेली के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

प्रतः, प्रथम, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधि-करण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एस० एच० जे० नकवी होंगे जिनका मुख्यालय कानपुर में होगा, और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन द्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को 22.50 रु० से अधिक सिलाई-प्रभावों का संदाय न किया जाना न्यायोचित है, अर्थात्:-

1. श्री भार० के० कपूर
2. श्री राम पाल
3. श्री राजेन्द्र स्वरूप
4. श्री उमेश सिंह
5. श्री जालेन्द्र सिंह
6. श्री शिव सिंह
7. श्री बी० एन० गुप्त
8. श्री जयमाल ग्रहमव
9. श्री कै० डी० शर्मा
10. श्री पिशोरी लाल
11. श्री बी० डी० कन्दपाल
12. श्री राज कुमार
13. श्री रामेश्वर बसाल
14. श्री मुरारी लाल
15. श्री सुशील कुमार
16. श्री बी० डी० शर्मा
17. श्री गोपाल बाबू
18. श्री छोटे लाल

19. श्री बिहारी लाल
20. श्री भगवान दास
21. श्री विनोद होहरी
22. श्री नत्थो नाथ
23. श्री बालक राम
24. श्री राम प्रसाद
25. श्री छोटे लाल
26. श्री हरि ओम्
27. श्री के० प्रसाद सिंह
28. श्री मोरिम राजपुर
29. श्री राम चरण
30. श्री बाऊ सिंह
31. श्री वीर बहापुर
32. श्री रूप किशोर
33. श्री हीरा लाल
34. श्री राजेन्द्र सिंह
35. श्री राम दास शर्मा
36. श्री ओ० पी० गोस्वामी
37. श्री ओम् प्रकाश
38. श्री भगवान दास
39. श्री राम प्रसाद
40. श्री होरी लाल
41. श्री जी० भार० शर्मा
42. श्री भार० चन्द्र
43. श्री ए० एम० विहारी
44. श्री होरी सिंह
45. श्री प्रीतम लाल
46. श्री के० एस० मेहता
47. श्री गोविन्द स्वरूप
48. श्री एन० सिंह
49. श्री डी० सी० मोर्य
50. श्री लीलाधर
51. श्री बेदनाहव

यदि नहीं, तो ये किस अनुसूची के हकदार हैं।

[सं० एल० 42012/63/73-एल० प्रार 3]

New Delhi, the 23rd September, 1974

S.O. 2965.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Bareilly and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S. H. J. Naqvi shall be the Presiding Officer, with head-

quarters at Kanpur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1974

### SCHEDULE

Whether the management of Food Corporation of India are justified in not paying stitching charges in excess of Rs. 22.50 to the following employees, namely :—

1. Shri R. K. Kapoor.
2. Shri Ram Pal.
3. Shri Rajender Swaroop.
4. Shri Umed Singh.
5. Shri Jogendra Singh.
6. Shri Shiv Singh.
7. Shri B. N. Gupta.
8. Shri Jaimal Ahmad.
9. Shri K. D. Sharma.
10. Shri Pishori Lal.
11. Shri B. D. Kandpal.
12. Shri Raj Kumar.
13. Shri Rameshwar Dayal.
14. Shri Murari Lal.
15. Shri Shushil Kumar.
16. Shri V. V. Arya.
17. Shri Gopal Babu.
18. Shri Chetty Lal.
19. Shri Behari Lal.
20. Shri Bhagwan Dass.
21. Shri Vinod Hohri.
22. Shri Nathee Nath.
23. Shri Balak Ram.
24. Shri Ram Prasad.
25. Shri Chotey Lal.
26. Shri Hari Om.
27. Shri K. Prasad Singh.
28. Shri Morris Buzpur.
29. Shri Ram Charan.
30. Shri Dau Singh.
31. Shri Vir Bahadur.
32. Shri Roop Kishore.
33. Shri Hira Lal.
34. Shri Rajendra Singh.
35. Shri Ram Dass Sharma.
36. Shri O. P. Goswami.
37. Shri Om Prakash.
38. Shri Bhagwan Dass.
39. Shri Ram Prasad.
40. Shri Hori Lal.
41. Shri G. R. Sharma.
42. Shri R. Chandra.
43. Shri A. M. Tewari.
44. Shri Hori Singh.
45. Shri Pritam Lal.
46. Shri K. S. Mehta.
47. Shri Govind Swaroop.
48. Shri N. Singh.
49. Shri D. C. Mauriya.
50. Shri Lila Dhar.
51. Shri Bednabav.

If not, to what relief are they entitled ?

[No. L. 42012/63/73/LRIII]

### आदेश

का० प्रा० 29 66.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमारे उपायद्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक गम्भार नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 7 क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री उपदेश नारायण माधुर होंगे, अतःका मुख्यालय जयपुर में होगा, और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

### अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक की चित्तौड़गढ़ शाखा के प्रबन्धतंत्र की श्री मोहन सिंह भाटी खपरासी-एवं-चौकीवार से 8 घंटे कार्य करने की कार्यवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किम अनुसोष का हकदार है ।

जी० सी० सम्मेना, अवर सचिव

[सं० एल-12012/36/74-एल० आर० 3]

New Delhi, the 27th September, 1974

**S.O. 2966.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Updesh Narain Mathur shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

### SCHEDULE

Whether the action of the management of Punjab National Bank, Chittorgarh Branch in taking 8 hours duty from Shri Mohan Singh Bhati, Peon-cum-Chowkidar is justified ? If not, to what relief is he entitled ?

[No. L. 12012/36/74-LRIII]

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1974

का० प्रा० 29 67.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपायद्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री विजयलालजी कुमारान, गांव सुपेरा, डाकघर दाबी (जिला बूंदी) के प्रबन्ध सन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;



और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या श्री विजयलालजी कुमरावत गाँव सुथेरा, डाकघर दाबी, (जिला बुंदी) की सुथेरा रेतिला पत्थर खान में नियोजित कर्मकार, किन्ही सवेन राष्ट्रीय और त्योहार अवकाश दिनों की मजूरी के हकदार है ?

[सं० एल-29011/42/74-एल० आर०-4]

जी० सी० सक्सेना, अवसर सचिव

New Delhi, the 30th September, 1974

**S.O. 2967.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Shri Vijaylalji Kumrawat, Village Suthera, Post Office Dabi (District Bundi) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the workmen employed in Suthera Sand Stone Mine of Shri Vijaylalji Kumrawat, Village Suthera, Post Office Dabi (District Bundi) are entitled to grant of any paid National and Festival holidays ?

[No. I-29011/42/74-LRIV]

G. C. SAKSENA, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1974

का० आ० 2968.—कर्मचारी बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वृत्तपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3775 तारीख 10 अक्टूबर, 1972 के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार 132 कि० वा० दामोदर वैली कार्पोरेशन, ग्रिड उपस्टेशन, कुमार्धुबी को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 10 अक्टूबर, 1973 से 9 अक्टूबर, 1971 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है एक और वर्ष की अवधि के लिए छुट देती है ।

[सं० एम०-38017/10/74-एल० आर०]

टी० एम० कृष्णामूर्थी, अवसर सचिव

New Delhi, the 28th October, 1974

**S.O. 2968.**—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of notification of the Government of 94 GI/74—3

India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3775 dated the 10th October, 1972 the Central Government hereby exempts the 132 K V Damodar Valley Corporation, Grid Sub-Station at Kumardhubi from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 10th October, 1973 upto and inclusive of the 9th October, 1974.

[No. S-38017/10/74-HI]

T. S. KRISHNAMURTHI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1974

का० आ० 2969.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में त्रिनिदिष्ट विषयों के बारे में कोल माइन्स अथॉरिटी लिमिटेड, रांची के लाइयो कोलरी के प्रबन्धतंत्र में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण (संख्या 2) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या अपर महा अभिरक्षक, कोल माइन्स अथॉरिटी लिमिटेड, रांची का अपने पत्र तारीख 12 जून, 1973 के अधीन श्री एम० डी० शर्मा, ओवरमैन का हजारीबाग जिला (बिहार) में स्थित लाइयो कोलरी से कोल माइन्स अथॉरिटी लिमिटेड के पश्चिमी प्रभाग के पेच ईस्ट ग्रुप में स्थानान्तरित करने का आदेश देना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुवोष का हकदार है ?

[सं० एल० 2012/131/74-एल० आर० 2]

पी० आर० नेयर, उप सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 30th September, 1974

**S.O. 2969.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Laiyo Colliery of Coal Mines Authority Limited, Ranchi, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under Section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the additional Custodian General. Coal Mines Authority Limited, Ranchi, was justified in ordering transfer of Shri S. D. Sharma, Overman at Laiyo Colliery situated in Hazaribagh District (Bihar) to Pench East Group of Western Division of Coal Mines

Authority Limited under his letter dated the 12th June, 1973? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

[No. L-2012/131/73-LRII]

P. R. NAYAR, Dy. Secy.

New Delhi, the 31st October, 1974

**S.O. 2970.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kendwadih Colliery No. 6 and 8 Pits of Messrs. East Bulliari/Kendwadih Colliery Company Private Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen which was received by the Central Government on the 22nd October, 1974

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD**

Reference No. 5 of 1973

In the matter of an industrial dispute u/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Kendwadih colliery No. 6 and 8 Pits of Messrs East Bulliari/Kendwadih colliery Company Private Limited Post Office Kusunda, District Dhanbad.

**AND**

Their workmen.

**APPEARANCES :**

On behalf of the employers : Shri S. S. Mukherjee, Advocate

On behalf of the workmen : Shri Lalit Burman, General Secretary, Bihar Koyla Mazdoor Sabha

State : Bihar

Industry : Coal.

Dhanbad, 15th October, 1974

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation in the Department of Labour & Employment being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kendwadih Colliery No. 6 and 8 Pits of Messrs East Bulliari/Kendwadih Colliery Company Private Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen, by their order No L/2012/149/71-LRII dated 20-1-73 referred the same to this Tribunal u/s 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 for adjudication on the issue as in the schedule below :

**SCHEDULE**

"Whether the action of the management of Kendwadih Colliery No. 6 and 8 Pits of Messrs East Bulliari/Kendwadih Colliery Company Private Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad, in dismissing Shri Sarjoo Rabidas, Pick Miner, with effect from the 18th January, 1971 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?"

After receipt of the above order of reference notices were issued to both sides. Written statement was filed from the side of the workmen and the Bharat Coking Coal Ltd. in whom Kendwadih Colliery No. 6 and 8 Pits vested as a result of the nationalisation of the coal mines also filed their written statement. At the document stage some docu-

ments were also filed by the parties. The case proceeded along its course and on 30-9-74 when the reference was fixed for hearing a joint petition of compromise incorporating terms of settlement was filed in this Court from the side of the workmen and the management. I heard the parties on the joint petition of compromise and it was submitted before me that the dispute under reference has been finally resolved in terms of the memorandum of settlement. It appears that the memorandum of settlement has been duly signed by the representative of the workmen and also by the representative of the management. The terms of the settlement are in order and there is no reason why I should not accept the terms and act upon it.

Accordingly I make an award in respect of the industrial dispute under reference in terms of the settlement as embodied in the joint petition of compromise which do form part of the award as annexure A.

K. K. SARKAR, Presiding Officer

**ANNEXURE 'A'**

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 2 AT DHANBAD**

In the matter of

Reference No. 5 of 1973

**PARTIES :**

Employers in relation to East Bulliari Kendwadih Colliery.

**AND**

Their Workmen

**PETITION OF COMPROMISE**

The humble petition on behalf of the parties to the dispute most respectfully sheweth :—

- (1) That without prejudice to the respective contentions of the parties the dispute has been amicably settled on the following terms :—

**TERMS OF SETTLEMENT**

- (2) That the concerned workmen Sri Sarjoo Rabidas I.D. Card No. 66588 S/o Pagono Rabidas has already been working at Alkusa Colliery of Kustore Sub-Area which also owned by Bharat Coking Coal Limited. The workman shall continue to work in that Colliery.
- (3) That the period of his absence from the date of his dismissal to the date of his joining i.e. on 17-10-71 at Alkusa Colliery will be treated as leave without pay for the purpose of continuity of service and benefits of gratuity etc.
- (4) That Sri Sarjoo Rabidas shall have no claim for any back wages bonus, allowances etc for the above period.
- (5) That the Union shall be paid Rs. 100 (Rs. One hundred only towards the cost of this proceeding).
- (6) That the present dispute was finally resolved on the terms stated above and no dispute between the parties subsist.

For the Employers :

For the Workman

Sd/-

Illegible

Sub-Area Manager

Bhagaband sub-area No. XIII  
P.O. Kusunda (Dhanbad)

Dated : 12-9-1974

General Secretary,

Bihar Koyla Mazdoor Sabha

Signature/L.T.I. of

Sri Sarjoo Rabidas.

[No L-2012/149/71-LRII]

AI FAK ZUAI A. Dy. Secy.

पुति और पुनर्वासि मन्त्रालय

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1974

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1974

क्रा० आ० 2971.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वासि) अधिनियम, 1954 (1954 की 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री के० बी० अरोड़ा, बन्दोबस्त आयुक्त-4 को उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अन्तर्गत बन्दोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों को निष्पादित करने के लिए बन्दोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-3616(1)/प्रशासन सेल/73]

दीना नाथ असीजा, अवर सचिव

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION  
(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 8th October, 1974

S.O. 2971.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri K. D. Arora, Settlement Commissioner-IV as Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such officer by or under the said Act.

[No. A-3616(1)/Admn. Cell/73]

D. N. ASUJA, Under Secy.

क्रा० आ० 2972.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन, अधिनियम, 1950 (1950 का XXXI) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वासि विभाग (सेटलमेंट विंग) में प्रबन्ध अधिकारी, श्री हरीश चन्द्र चौधरी को तत्काल प्रभाव से उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत सहायक अभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों को निष्पादित करने के लिए महाराष्ट्र तथा पंजाब राज्यों के लिए सहायक अभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[क्रा० सं० 8/67/ए०जी०जे०/64]

एस एल मीरीरत्ता, अवर सचिव।

New Delhi, the 8th October, 1974

S.O. 2972.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Sec. 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950) the Central Government hereby appoints Shri Harish Chander Chaudhry, Managing Officer in the Department of Rehabilitation (Settlement Wing) as Assistant Custodian for the States of Maharashtra and Punjab for the purpose of discharging the duties assigned to such Assistant Custodian by or under the said Act, with immediate effect.

[F. No. 8/67/AGZ/64]

S. L. MEDIRATTA, Under Secy.

